



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 24] नई दिल्ली, शनिवार, जून 13, 1987 (ज्येष्ठ 23, 1909)  
No. 24] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 13, 1987 (JYAISTHA 23, 1909)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

#### [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, न्यायिक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1987

सं० ए० 19014/7/82-प्रशा०-I—केन्द्र में उनका कार्यकाल पूरा हो जाने के परिणामस्वरूप श्री ए० के० बजाज (आई० आई० एम०) उप सचिव को दिनांक 31-3-87 (अपराह्न) से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय के कार्याभार से मुक्त किया जाता है।

2. श्री ए० जे० बजाज को दिनांक 1-4-87 से 6-4-87 तक तथा 6-7-87 से 17-7-87 तक (4, 5, 18, और 19 जुलाई, 1987 को पड़ने वाली छुट्टियां उनके अवकाश में जोड़ते हुए) अर्जित अवकाश प्रदान किया गया है तथा 7-4-87 से 3-7-87 तक की अवधि के दौरान श्री ए० जे० बजाज का लम्बी योजना के अन्तर्गत स्ट्रेथलीड बिजनेस स्कूल, ग्लासगो, यू० के० में वित्तिय योजना तथा केन्द्रीय और स्थानीय शासन में प्रबन्ध पर विदेश में प्रशिक्षण/पाठ्यक्रम पर रहेंगे।

3. श्री ए० जे० बजाज को निर्देश दिया जाता है कि वे अवकाश की समाप्ति पर दिनांक 26-7-87 को अपने  
-10 6GI/87

मूल विभाग अर्थात् पुनः एवं निपटान महानिदेशालय, संसद मार्ग, नई दिल्ली में रिपोर्ट करें।

एम० पी० जैन,  
अवर सचिव (का० प्रशा०)

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय, गे० रि० पु० बल

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1987

सं० ग्रा० दो०-2/85-प्रशा०-3—मेवा के वार्धक्य निवर्तन के फलस्वरूप श्री मोहन मिह, लेखा परीक्षा अधिकारी (उत्तरीजोन) के० रि० पु० बल को 30-4-87 (अपराह्न) से लेखा अधिकारी के पद की सेवा में कार्यमुक्त किया गया

ह० अपठनीय  
उप निदेश (प्रशापन)

नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1987

सं० 1-ग्रा० दो० 2032/85-स्थापना-1—राष्ट्रपति श्री के० ग्रा० स्पीक (इंस्पेक्टर) जो वर्तमान समय में

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में प्रतिनियुक्ति पर है को दिनांक 28-3-1986 से पुलिस उप अधिक्षक पद पर के० रि० पु० बल में प्रोफार्मि पदोन्नति की स्वीकृति सह्य करने है।

अशोक राज महापति,  
सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1987

सं० ई-16013(2)/4/83-तामिक-1—मूल काडर में प्रत्यावर्तन होने पर, श्री वी० बालाचन्द्रन भा० पु० से० (न० ना० 76) ने दिनांक 4 मई, 1987 के अपराह्न में सहायक महानिरीक्षण, दक्षिण क्षेत्र, मद्रास के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

मूल काडर में प्रत्यावर्तन होने पर, श्री पी० एल० विश्वनाथन, भा० पु० से० (न० ना० एम० पी० एस०) ने 7 मई 1987 के अपराह्न में एडाइट, के आर सु ब यूनिट, एम० पी० टी० मद्रास के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ह० अपठनीय  
महानिदेशक/के० श्री सु ब

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 मई 1987

सं० 7/3/86-प्रशा०-I—विभागीय प्रोन्नति समिति की सिफारिश पर और संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करने के पश्चात् राष्ट्रपति डा० के० पी० इट्टामन, जो कि इस समय भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय में वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (सामाजिक अध्ययन) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे हैं, को तारीख 14-4-85 से उसी पद पर स्थायी क्षमता में नियुक्त करने हैं।

वी० एस० बर्मा,  
भारत के महारजिस्ट्रार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 19 मई 1987

नस्ती क्र० बी एन पी /भी/5/87-श्री केशव एस० बक्शी, अनुभागीय अधिकारी (लेखा) को "लेखा अधिकारी" के पद पर पुनरीक्षित वेतनमान रुपये 2375-75-3200-दर०-100-3500(समूह "अ" राजपत्रिका) में बैंक नोट मुद्रणालय, देवास (म० प्र०) में दिनांक 12-5-87

(पूर्वाह्न) से अन्य आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप से नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है।

मु० वें० चार,  
महाप्रबन्धक

महालेखाकार लेखापरीक्षा का कार्यालय

हैदराबाद-500463, दिनांक 18 मई 1987

सं० प्रशा० I/पदो०/8-132/87-88/बी० पी० से० 31—निम्नलिखित सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों को स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारियों के रूप में 2375-75-3200-ई बी०-100-3500 वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी अगले आदेशों तक पदोन्नति दी जाती है। पदोन्नति के लिए दिए गए आदेश उनके वरिष्ठों के दावों पर बिना कोई प्रभाव डाले, यदि कोई हो, और आन्ध्रप्रदेश उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय में लंबित रिट याचिकाओं के परिणामों के अधीन माने जाएंगे।

उन्हें चाहिए कि वे अपना विकल्प भारत सरकार का० शा० सं० एफ/7/1/80-स्थापना पी० टी० 1, दिनांक 26-9-81 की शर्तों के अनुसार पदोन्नति की तारीख से एक महीने के अंदर दें।

नाम	पद ग्रहण करने की तारीख
1. आर० सम्पत कुमारन	1-5-87 एफ० न०

दिनांक 19 मई 1987

सं० प्रशा० I/पदो०/8-132/87-88/32—निम्नलिखित सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों को स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारियों के रूप में 2375-75-3200-ई बी०-100-3500 रु० वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी अगले आदेशों तक पदोन्नति दी जाती है। पदोन्नति के लिए दिए गये आदेश उनके वरिष्ठों के दावों पर बिना कोई प्रभाव डाले, यदि कोई हो, और आन्ध्रप्रदेश उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय में लंबित रिट याचिकाओं के परिणामों के अधीन माने जाएंगे।

उन्हें चाहिए कि वे अपना विकल्प भारत सरकार का० शा० सं० एफ/7/1/80-स्थापना पी० टी० 1, दिनांक

26-9-81 की शर्तों के अनुसार पदोन्नति की तारीख से एक महीने के अंदर दे।

नाम	पद ग्रहण की तारीख
1. श्री बी नरसिंग राव	18-5-87 पूर्वाह्न
2. श्री ए० श्रीनिवासन	15-5-87 अपराह्न

ह० अपठनीय  
वरिष्ठ उपमहालेखाकार  
(प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार  
(लेखा तथा अधिकरण)

श्रीनगर, दिनांक 5 मई 1987

सं० प्रशा० I (ए० तथा ई) 60(19)1/87-88/401—  
महालेखाकार महोदय निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न धारिता में प्रत्येक के साथ, वर्णित तिथियों से अगले आदेशों तक वेतनमान (2375-75-3200-३० रो० 100-3500 रु० में लेखा अधिकारियों के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

क्रमांक	नाम	तिथि
सर्वश्री		पू० आ०
1. सेवा जी० कौल		21-4-1987
2. शिवन लाल भान		21-4-1987

उनकी परस्पर वरिष्ठता उपर वर्णित क्रम के अनुसार ही रहेगी।

समीर बनर्जी,  
उप महालेखाकार  
(लेखा तथा अधिकरण)

महालेखाकार (ले० प०) का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 4 मई 1987

सं० प्रशासन 1/ले० प०/पामान्य/ले० प० अ०/1(1)/35—  
महालेखाकार महोदय ने निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों को उनके नामों के सम्मक्ष लिखि गई तिथियों से प्रभावी, पुनः आदेश जारी होने तक लेखा परीक्षा अधिकारी पद पर, सहर्ष नियुक्त किया है।

क्र सं०	नाम	ले० प० अ० पद पर नियुक्ति की तिथि
(1)	(2)	(3)
(1)	श्री बी० एन० बायवार	16-2-1987 पूर्वाह्न
(2)	श्री एम० जे० कावे	2-3-1987 ,,

(1)	(2)	(3)
(3)	श्री डी० एम० रांगणेकर	2-3-1987 पूर्वाह्न
(4)	श्री एन० ठई० गोडबोले	30-3-1987 ,,
(5)	श्री मय्यद मनसूर अली	17-3-1987 ,,
(6)	श्री बी० श्रीनिवासन	14-4-1987 ,,
(7)	श्री एम० बी० चिटणीस	14-4-1987 ,,

ह० अपठनीय  
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) का कार्यालय

भुवनेश्वर, दिनांक 18 मई 1987

सं० आ० नं०-10—53111 के महालेखाकार (लेखा एवं अधिकार) ने हर्ष के साथ भारतीय “लेखा तथा लेखा परीक्षा विभागीय” प्रशासनिक अधिकारी, लेखा अधिकारी और लेखा परीक्षा अधिकारी नियुक्ति नियमावली 1969 के अनुसार इस कार्यालय के अनुभाग अधिकारी श्री बी० भि० आर० पटनायक को वेतनमान 2375-75-3200-३० रो० 100-3500 पर दिनांक 1-5-87 (पूर्वाह्न) से अगली आदेश तक लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न तौर पर नियुक्त किया है। यह पदोन्नति अस्थायी तौर पर है और उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय के विचाराधीन मामलों के अन्तिम निर्णय के शर्त पर है और उनके वरिष्ठ कर्मचारियों के दावों को पक्षपात किये बिना है।

ह० अपठनीय  
वरिष्ठ उप महालेखाकार  
(प्रशासन)

श्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय

श्रम विभाग

(श्रम ब्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 5 जून 1987

संख्या 5/1/87-सी.पी.आई.—अप्रैल, 1987 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) मार्च, 1987 के स्तर 686 से पांच अंक बढ़ कर 691 (छः सौ इक्यात्तर) रहा। अप्रैल, 1987 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 840 (आठ सौ चालीस) आता है।

बनराम  
संयुक्त निवेशक

## वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1987

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/1609/86-प्रशासन (राज०)/2492— संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात का कार्यालय (केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र), नई दिल्ली के कार्यालय में श्री बी० के० वत्स, नियंत्रक, आयात-निर्यात सेवा निवृत्ति की आयु पूरी कर लेने पर 28 फरवरी, 1987 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

शंकर चन्द,

उप मुख्य नियंत्रक,

कृते मुख्य नियंत्रक-आयात-निर्यात

औद्योगिक विकास विभाग में दिनांक 30 अप्रैल, 1987 के पूर्वाह्न से अनुसन्धान अधिकारी के पद पर नियुक्त करने हैं।

एन० नटराजन,

महायक आर्थिक मलाहकार

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1987

सं० 12(388)/63-प्रशा० (राज०)/खण्ड-I— सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर, लघु उद्योग सेवा संस्थान, हैदराबाद के श्री टी० आर० राजा, गोपालन, उप निदेशक, (वैद्युत) को 31 दिसम्बर, 1986 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त किया जाता है।

सी० सी० राय,

उप निदेशक (प्रशासन)

## वस्त्र मंत्रालय

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1987

सं० ए० 32013/1/82-प्रशासन-II—राष्ट्रपति, वस्त्र मंत्रालय हथकरघा विकास आयुक्त के कार्यालय के अन्तर्गत बुनकर सेवा केन्द्र दिल्ली में निदेशक (प्रोमोशन) श्री एच० डी० नायक को सेवा निवृत्त की आयु होने पर 30 अप्रैल, 1987 के अपराह्न से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त होने की अनुमति देते हैं।

सं० ए०-32015 (1)/86-प्रशासन-II—विकास आयुक्त हथकरघा, वस्त्र मंत्रालय, हथकरघा विकास आयुक्त के कार्यालय के अन्तर्गत बुनकर सेवा केन्द्र बम्बई में महायक निदेशक ग्रेड II (गैर तकनीकी) कुमारी ए० सी० लाला को सेवा निवृत्त की आयु होने पर 30 अप्रैल, 1987 के अपराह्न से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त होने की अनुमति देते हैं।

इन्दिरा मान सिंह,

संयुक्त विकास आयुक्त (हथकरघा)

## इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 18 मई 1987

सं० 3713 सी/ए-19011(1-ए० बी० आर०)/86-19 ए०—राष्ट्रपति जी श्री ए० भोपाल रेड्डी को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 2200-75-2800-द० रो०-100-4000 रु० के न्यूनतम वेतनमान पर, स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक 2-3-87 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 20 मई 1987

सं० 3113 बी/ए-19012(3-के० एन० एम०)/85-19 बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के कनिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) श्री के० एन० मुखोपाध्याय को महायक रसायनज्ञ के पद पर उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 रु० के वेतनमान के वेतन में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 30-3-87 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 3776 सी/ए-19011(1-यू० सी०)/86-19 ए०—राष्ट्रपति जी श्री यू० चिदम्बरनाथन को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 2200-75-2800-द० रो०-100-4000 रु० के वेतनमान के न्यूनतम वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक 4-3-87 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुशारी,

निदेशक (कार्मिक)

## उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

(आर्थिक मलाहकार का कार्यालय)

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1987

सं० ए०-32013(1)/87-आ० म०—राष्ट्रपति, भारतीय आर्थिक सेवा के सतरहवें बैच के एक परिवीक्षाधीन अधिकारी श्री मृदुल बोगोहेन को आर्थिक मलाहकार के कार्यालय,



कलकत्ता-700016, दिनांक 18 मई, 1987

सं० 3733 सी/ए-19011(5-डी० एच०)/86-19 बी०-राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के अधीक्षक अभियन्ता (सिविल) श्री डी० हौर को अधीक्षक अभियन्ता (सिविल निर्माण) के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में संशोधित वेतनमान रु० 3700-125-4700-150-5000 में, प्रतिनियुक्ति की सामान्य शर्तों पर, दो वर्ष की अवधि के लिये दिनांक 15-4-1987 (पूर्वाह्न) से अन्तिम आदेश होने तक प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया है।

डी० के० गुप्ता,  
वरिष्ठ उप महानिदेशक अभिक

कलकत्ता-700016, दिनांक 20 मई, 1987

सं० 3763 सी/ए-19011(1-एस० डी० एल०)/86-19 ए-राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के खनिज विज्ञानी (वरिष्ठ) श्री एस० डी० ललित को निदेशक (खनिज भौतिकी) के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 3700-125-4700-150-5000 रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश तक, 6-2-1987 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

एन० के० मुखर्जी,  
वरिष्ठ उप महानिदेशक (प्रचालन)  
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 18 मई 1987

सं० ए० 19012(228)/87 स्था० ए०-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में जिआफिजसिस्ट (कनिष्ठ) के पद पर नियुक्त होने के परिणाम स्वरूप श्री नन्द लाल को भारतीय खान ब्यूरो में महायक खनन भूवैज्ञानिक के पद के कार्यभार में दिनांक 30 अप्रैल 1987 (अपराह्न) को भारमुक्त किया गया है।

जी० सी० शर्मा,  
महायक प्रशासन अधिकारी  
कृते महानियंत्रक

विज्ञान एवं प्रौद्योगिक मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 19 मई, 1987

सं० ए० 38019/11/83-स्था० -1/-श्री पी० सी० दत्ता, सहायक मौसम विज्ञानी, प्रादेशिक मौसम केन्द्र कलकत्ता,

भारत मौसम विज्ञान विभाग, वार्षिक आयु प्राप्त कर 31-3-1987 से सकारी सेवा से निवृत्त हुए।

अर्जुन देव,  
मौसम विज्ञानी (राजपत्रित स्थापना)  
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

राष्ट्रीय एटलस एवं थिमैटिक मानचित्रण संगठन

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

कलकत्ता-19, दिनांक 19 मई 1987

सं० 35-2(ए० ओ०)/87-स्था०-श्री आर० एन० चटर्जी, कार्यालय अधीक्षक को राष्ट्रीय एटलस एवं थिमैटिक मानचित्रण संगठन में प्रशासनिक अधिकारी, सामान्य केन्द्रीय सेवा (वेतनमान 2000-3500) संशोधित समूह 'ख' राजपत्रित पद पर 1 मई, 1987 (पूर्वाह्न) से भावी आदेश होने तक तदर्थ रूप में नियुक्त किया जाता है।

जी० के० दत्त,  
निदेशक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 मार्च 1987

सं० 10/83 स्थल.-अभिलेख निदेशक, भारत सरकार, निम्नलिखित (ग्रुप बी' राजपत्रित) अधिकारियों को उनके नाम के सामने लिखे पद तथा तारीख से स्थाई आधार पर एतद्द्वारा नियुक्त करते हैं:-

क्रम सं०	अधिकारी जिस पद पर स्थाई नियुक्ति का नाम तथा स्थाई आधार की तारीख	वर्तमान पदनाम	पर नियुक्त किया गया है, उसका नाम
----------	---	---------------	----------------------------------

1.	श्री राजेन्द्र प्रसाद, वैज्ञानिक स्थायी सहायक अधिकारी	1-3-82	श्री बी० बी० तलवार के सेवानिवृत्त होने के कारण
	रसायनज्ञ ग्रेड-1 तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी		

2.	डा० गुरुमीत सिंह, वैज्ञानिक अधिकारी	वही 1-9-83	श्री बाई० पी० कठवालिया के सेवानिवृत्त होने के कारण
----	-------------------------------------	------------	--

ए० के० शर्मा,  
कृते अभिलेख निदेशक

## दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1987

सं० 3/12/87-एस-2-—कु० बी० सुधा, हिन्दी अधिकारी, दूरदर्शन केन्द्र, तिरुवनन्तपुरम का दिनांक 9-2-1987 को देहान्त हो गया।

सं० 3/12/87-एम०-2—दूरदर्शन महानिदेशक, निम्न-लिखित अधिकारियों को रु० 650-1200 (संशोधन पूर्व) के वेतनमान में प्रतिनियुक्ति के आधार पर 2 वर्ष के लिये हिन्दी अधिकारियों के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं और उन्हें अधोलिखित कार्यालयों में उनके नाम के सामने अंकित तारीख से तैनात करते हैं:—

क्र० संख्या	नाम	जहाँ तैनात किये गये	तैनाती की तारीख
(1)	श्री अजित कुमार	दूरदर्शन केन्द्र, बंगलूर	7-11-86 (अपराह्न)
(2)	कु० बी० सुधा,	दूरदर्शन केन्द्र, तिरुवनन्तपुरम	27-10-86 (पूर्वाह्न)
(3)	श्री सिद्ध नाथ गुप्त,	दूरदर्शन केन्द्र, कलकत्ता	20-3-87 (पूर्वाह्न)

प्रेम सिंह टोकल,  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

## फिल्म प्रभाग

## सूचना और प्रसारण मंत्रालय

बम्बई-400026, दिनांक 18 मई 1987

सं० 5/5/87-ई-1—श्री एस० ए० नायक ने स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति ले ली और दिनांक 20 अप्रैल, 1987 के पूर्वाह्न में फिल्म प्रभाग, के शाखा प्रबन्धक पद का कार्यभार त्याग दिया।

बी० आर० पेसवानी,  
सहायक प्रशासकीय अधिकारी  
कृते मुख्यानिर्माता

## स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 मई 1987

सं० ए० 12025/2/82-(सी० आर० आई) प्रशासन 1/ई० पी० आई०—राष्ट्रपति ने, श्री हीरा लाल बांगन्यो को 8 नवम्बर, 1984 से केन्द्रीय अनुसन्धान संस्थान, कसौली-173205 (हिमाचल प्रदेश) में बायो मेडिकल

इंजीनियर के स्थाई पद पर स्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

जैसि फ्रांसिस,  
उप निदेशक प्रशासन (पी० रा००)

## परमाणु उर्जा विभाग

## क्रय और भण्डार निदेशालय

बम्बई-400085, दिनांक 17 मई 1987

सं० क्र भ नि/41/1/85-प्रशा० 21194—परमाणु उर्जा विभाग, क्रय और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थाई क्रय सहायक श्री चौधूरि विजयन को इसी निदेशालय में 20-4-1987 (पूर्वाह्न) से 01-06-1987 (पूर्वाह्न) तक रुपये 2000-60-2300-द० री०-3200-100-3500 के वेतनमान में सहायक क्रय अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है यह नियुक्ति श्री के० पी० एस० पिल्लै, सहायक क्रय अधिकारी, के स्थान पर की गई है, जिन्हें उक्त अवधि के लिये छुट्टी प्रदान की गई है।

बी० जी० कुलकर्णी,  
प्रशासन अधिकारी

## नाभिकीय ईंधन मन्त्रालय

हैदराबाद-500762, दिनांक 15 मई 1987

सं० ना ई० स/का० प्र० /0704/1180—प्रशासन एवं लेखा के उप मुख्य कार्यपालक जो स्थाई सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री एन० आर० मोहन राव को रु० 2000-60-2309-द० री० 75-3200 के वेतनमान में रु० 2000/- प्रति माह के प्रारम्भिक वेतन पर स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर दिनांक 15-5-1987 से 14-6-1987 पर्यन्त अथवा आगामी आदेशों पर्यन्त इनमें से जो भी पूर्व घटित हो, नियुक्त करते हैं।

ना बें रमणन,  
प्रबन्धक, कार्मिक व प्रशासन

हैदराबाद-500762, दिनांक 16 मई 1987

सं० ना ई० स०/का प्र० 5/0702/1220—प्रशासन एवं लेखा उपमुख्य कार्यपालक जो लेखा सहायक श्री धवल गोपाल राव को रु० 2000-60-2,300-द० री०-75-3,200 के वेतनमान में रु० 2,000— प्रति माह के प्रारम्भिक वेतन पर स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर दिनांक 12-5-1987 से 13-6-1987 पर्यन्त अथवा आगामी आदेशों पर्यन्त इनमें से जो भी पूर्व घटित हो, नियुक्त करते हैं।

सं० ना० ई० स/का० प्र० 5/0703/1221— प्रशासन एवं लेखा के उपमुख्य कार्यपालक जो सहायक लेखाकार श्री गोविन्द नारायण खेडकर को रू० 2,000-60-2,300-द० रो०-75-3,200 के वेतनमान में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर दिनांक 12-5-1987 से 11-6-1987 पर्यन्त अथवा आगामी आदेशों पर्यन्त इनमें से जो भी पूर्व षटित हो, नियुक्त करते हैं।

गोपाल सिंह,  
प्रबन्धक,  
कार्मिक प्रशासन

इन्दिरा गांधी परमाणु अनुसन्धान केन्द्र

कल्पाककम, दिनांक 18 मई 1987

सं० आई० जी० सी० ए० आर०/ए 32023/1/87-आर० 223— निदेशक, इन्दिरा गांधी परमाणु अनुसन्धान केन्द्र इस अनुसन्धान केन्द्र के एक स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न प्रवरण कोटि लिपिक श्री जोसेफ दोरेराज को उसी केन्द्र में 18 मई, 1987 पूर्वाह्न से 19 जून, 1987 अपराह्न तक सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

पी० वेणुगोपालन,  
प्रशासनिक अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र

तिरुवनन्तपुरम-22, दिनांक 18 मई 1987

सं० बी० एस० एस० सी०/स्थापना/ए/87—निदेशक, बी० एस० एस० सी०, अन्तरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र, तिरुवनन्तपुरम में निम्न लिखित कर्मचारियों को वैज्ञानिक इंजीनियर एस० बी० के पद पर रू० 2000-60-2300 द० रो०-75-3200-100-3500 रू० के वेतनमान में सिर्फ अस्थायी एवं अन्तिम रूप में प्रत्येक के के सामने दिये गये तारीख से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

क्र स०	नाम	प्रभाग	नियुक्ति की तारीख
1	2	3	4
श्री/श्रीमती/कु०			
1.	के० अनिल कुमार	आई एस० आई	02-09-86
2.	नसीब अब्दुल मजीद	ई एल एम	04-09-86
3.	जे० गिरिजा	ई० एल० एम	26-11-86
4.	एस० श्रीकुमार	सी जी डी	12-01-87
5.	दिलीप के वर्मा	सी० जी० डी	20-1-87

1	2	3	4
6.	एस० कुमार	सी० जी० डी	03-03-87
7.	ए० सैलवी	ई० एल० एस	20-04-87
8.	आर० ज्योति	ई० एल० एस	23-04-1987

के० जी० नायर  
प्रशासन अधिकारी-II (स्थापना)  
कूते निदेशक  
बी एस एस सी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 मई 1987

सं० ए० 32013/1/86-ई-1—राष्ट्रपति नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों की उपनिदेशक नियंत्रक उड़ान योग्यता के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति को प्रत्येक के सामने उल्लिखित आगे 6 मास की अवधि के लिये जारी रखने की स्वीकृति देते हैं।

क्रमांक	नाम	तदर्थ नियुक्ति की बढ़ाई गई अवधि
	से	तक
सर्वश्री		
1.	आर० सी० गुप्ता	1-3-87 31-8-87
2.	जे० आई० एस० बेडी	1-3-87 31-8-87

दिनांक 18 मई 1987

सं० ए० 21021/7/87-स्था० 1—श्री के० हिम्मत सिंह, नियंत्रक उड़ान योग्यता, निवर्तन आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-4-87 (अपराह्न) को मरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

मुकुल भट्टाचार्याजी,  
उप निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 18 मई 1987

सं० 3-775/87-मु० जल भू० (स्था०)—श्री संजीव कुमार भटनागर को दिनांक 23-3-1987 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक जलभू विज्ञानी के पद पर जी० सी० एस० (समूह ख) (राजपत्रित) मूल वेतन 2000/— रुपये परिशोधित वेतनमान रुपये

2000-60-2300-६० रो०-75-3200-100-3500 में अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड, मध्य क्षेत्र, नागपुर में होगा।

सं० 3-777/87 भूजल भू० (स्था०)—श्री सुधांशु शेखर को दिनांक 14-4-87 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड, पूर्वोत्तर क्षेत्र, कलकत्ता में सहायक जल भूविज्ञानी के पद पर जी० सी० एम० (समूह ख) (राजपत्रित) मूल वेतन 2000/- रुपये प्रति माह परिशोधित वेतनमान रुपये 2000-60-2300-६० रो०-75-3200-100-3500/- में अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड राज्य एकक कार्यालय, पटना में होगा।

सं० 3-790/87-भू० भूजल भू० (स्था०)—श्री राना चटर्जी को दिनांक 31-3-1987 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक जल भूविज्ञानी के पद पर जी० सी० एम० (समूह ख) (राजपत्रित) मूल वेतन 2000/- रुपये प्रति माह परिशोधित वेतनमान 2000-60-2300-६० रो०-75-3200-100-3500/- में अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड, मध्य क्षेत्र, नागपुर में होगा।

सं० 3-792/87-भू० जल भू० (स्था०)—श्री डी० वेंकटेश्वरन को दिनांक 9-4-1987 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक जल भूविज्ञानी के पद पर जी० सी० एम० (समूह ख) (राजपत्रित) मूल वेतन 2000/- रुपये प्रति माह संशोधित वेतनमान रुपये 2000-60-2300-६० रो०-75-3200-100-3500 में अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड, मध्य क्षेत्र, नागपुर में होगा।

सं० 3-793/87-भू० जल भू० (स्था०)—श्री दीवा शीस बिस्वास को दिनांक 30-3-1987 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड, पूर्वोत्तर क्षेत्र, गौहाटी में सहायक जल भूविज्ञानी के पद पर जी० सी० एम० (समूह ख) (राजपत्रित) मूल वेतन 2000/- रुपये प्रति माह, संशोधित वेतनमान रुपये 2000-60-2300-६० रो०-75-3200-100-3500/- में अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड, राज्य एकक कार्यालय शिलांग में होगा।

सं० 3-794/87-भू० जल भू० (स्था०)—श्री संजीव महरोत्रा को दिनांक 9-4-1987 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक जल भूविज्ञानी के पद पर जी० सी० एम० (समूह ख) (राजपत्रित) मूल वेतन 2000/- रुपये प्रति माह, परिशोधित वेतनमान रुपये

2000-60-2300-६० रो०-75-3200-100-3500/- में अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड, उत्तर मध्य क्षेत्र, भोपाल में होगा।

सं० 3-796/87-भू० जल भू० (स्था०)—श्री दलेल सिंह को दिनांक 19-2-1987 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में कनिष्ठ जल विज्ञानी के पद पर, जी० सी० एम० (समूह ख) (राजपत्रित) मूल वेतन 2000/- रुपये प्रति माह पर परिशोधित वेतनमान रुपये 2000-60-2300-६० रो०-75-3200-100-3500 में अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय उत्तर मध्य क्षेत्र, भोपाल होगा।

बी० पी० सी० सिन्हा,  
मुख्य जल भूविज्ञानी एवं सदस्य

#### उद्योग मंत्रालय

#### कम्पनी कार्य विभाग

#### कम्पनी रजिस्ट्रार कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और धारवाड़ व्यापारोद्योगिका  
कम्पनी लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 18 मई 1987

सं० 868/560/87—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन माह के अवधान पर धारवाड़ व्यापारोद्योगिका कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी। कम्पनी अधिनियम, 1956 और केरला कर्मशायल इन्टर प्राइसेस लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 18 मई 1987

सं० 3697/8560/87—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन माह के अवधान पर केरला कर्मशायल इन्टरप्राइजेस प्राइसेस लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

जे० के० रमणी,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 11 मई, 1987

निदेश सं० III-1427/अर्जन/87-88—अतः सुमे, श्री दुर्गा  
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खाता 57, 109 और 364, प्लॉट सं० 796  
(पी), 78/796(पी०), 78(पी), 1527(पी०), 1424  
(पी), 1825(पी०), सर्वे थाना सं० 14, और 16 है तथा जो  
ग्राम पहाड़ पुर धीरा चक, थाना—गर्दनी बाग अनिसाबाद पटना  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
5-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य वास्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2-106 GI/87

(1) श्रीमति सहमिता पुनवारी सुपुत्री सैयद अख्तर इसाम  
जाजें श्री विक्रम पुनवारी, 5, माल एवेन्यु, लखनऊ ।  
(अन्तरक)

(2) मेमर्स अलिनगर को०-आप० हाउसिंग सोसाइटी  
कन्स्ट्रक्शन सोसाइटी लि०, अनिसाबाद, थाना—  
फुलवारी, जिला—पटना ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 62, कटठा, 14, धुर, 4 धुरकी है,  
तथा जो ग्राम पहाड़पुर धीराचक, थाना—गर्दनी बाग, अनिसा  
बाद, जिला पटना में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण बसिका  
सं० 6266 दिनांक 5-9-86 में वर्णित है तथा जिसका निबंधन  
जिला अवर निबंधक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 11-5-1987

मोहर :

**इसका बाढ़, टी.एन.ए.ए.-----**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

आयलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 मई 1987

निदेश सं० जी-95/अर्जन—अतः मुझ, श्रीमति सरोजनी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) बिच इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, बिचका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 717 से 727 व 739, ग्राम बरोरा हुसेन बाड़ी, सालार बाग, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-2-1987

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीतवों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित के वास्तविक रूप से अधिभूत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक से कम की करने या उसके करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुलाब सिंह

(अन्तरक)

(2) गंगा यमुना सहकारी आवास समिति लि०, लखनऊ द्वारा सचिव श्री राजेश कुमार।

(अन्तरिती)

(3) श्री गुलाब सिंह

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गश्प :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि खसरा नं० 717 से 727 व 739 टोटल एरिया 6 बीघा 1 बिस्वा स्थित ग्राम बरोरा हुसेन बाड़ी सालारबाग लखनऊ जैसा फार्म 37 जी में वर्णित है।

सरोजनी लाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 5-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री जगदीश प्रसाद ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) ट्रांस गामती सहकारी आवास समिति लि०, लखनऊ ।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 मई 1987

निदेश सं० आई० आर० सं० टी-47/अर्जन—अतः मुझे,  
श्रीमति सरोजनी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 7, 8, 20 राम नगर, लखनऊ में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-2-87  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
कारण का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का  
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाका नूना प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) प्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अनुसूची

खसरा नं० 7, 8, 20 एरिया 4 बीघा 8 बिस्वा 16 बिस्-  
वानी स्थित राम नगर परगना तह० और जिला लखनऊ जैसा  
फार्म 37-जी में वर्णित है ।

श्रीमति सरोजनी लाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 5-5-1987

मोहर :

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की  
धारा २६९-ब (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक १४ अप्रैल १९८७

निर्देश सं० जी० आई० आर० सं० एस-४१६/अर्जन—अतः

मुझे, श्रीमति सरोजनी लाल,

भायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य १,००,०००/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ३१.९८ एकड़ खसरा खतौनी ४८७/१, ४८७/२, ४८७/४, ४८८/१, ४८८/४, ४८८/२, ४८८/३, ४९४/१, और ४९४/३, ग्राम भिगवारा तह० किच्छा, पर० रुद्रपुर जिला नैनीताल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन तारीख १९-९-१९८६

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वसूल, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रत्येकार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(१) १. श्री कश्मीर सिंह २. श्री शमीर सिंह ३. श्रीमति करतार कौर ४. श्री वीर सिंह (द्वारा श्री हरभजन सिंह अटार्नी) ५. श्री हरभजन सिंह (अन्तरक)

(२) श्रीराम होन्डा पावर इक्विपमेंट लि०, १९, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्या शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा खतौनी नं० ४८७/१, ४८७/२, ४८७/४, ४८८/१, ४८८/४, ४८८/२, ४८८/३, ४९४/१, और ४९४/३, पैमाइशी ३१.९८ एकड़ स्थित ग्राम भिगवारा तह० किच्छा, परगना रुद्रपुर जिला नैनीताल (उ० प्र०) जैसा फार्म ३७ जी में वर्णित है।

श्रीमति सरोजनी लाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : १४-४-१९८७

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अन्तरण में, यहाँ, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ब की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—



**सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास-17, विनांक 30 अप्रैल 1987

निर्देश सं. 2 सितम्बर, 86—अतः मुझे, ए. आर. रेड्डी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. टि 69, अण्णा नगर, मद्रास-40 है तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अण्णा नगर दस सं. 2916 और 2917/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ब्रह्मसंस्कृत रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुशीला, एल. रहीजा और श्रीमती रेशमा रहीजा।

(अन्तरक)

2. श्री आर. नटराजन और श्रीमती एन. सुरैयाकुमारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का उत्तरदायी व्यक्तियों यह सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की अवधि बाब में समाप्त होनी हो, के नीचे पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान, डोर सं. टी. 69, अण्णा नगर मद्रास-40 (दस सं. 2916 और 2917/86)।

ए. आर. रेड्डी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख 30-4-1987  
माहुर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री टी० सी० मोंगा और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी आई० वहीदा और आई० रासीना ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास-17, दिनांक 6 मई 1987

निदेश सं० 7 सितम्बर 86—अतः मुझे ए० आर०, रेड्डी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 5, दामोत्ता मुदलि स्ट्रीट, पन्थवडी छेटपट,  
मद्रास-31 है तथा जो मद्रास में स्थित है (और इसमें अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, पेरियमेट (दस० सं० 1048/86) में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान; डोर सं० 5, दामोत्ता मुदलि स्ट्रीट,  
पन्थवडी, छेटपट, मद्रास-31 (दस० सं० 1048 (86))

ए० आर० रेड्डी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज— मद्रास

तारीख : 6-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.—

(1) श्री के० एम० मोहमद अलि।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० एन० शामील बान और श्रीमति ए० एन० शहीना बानु। (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 अप्रैल 1987

निदेश सं० 8/सितम्बर/86—अतः मुझे, ए० आर० रेड्डी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसकी प्रस्ताव 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 1/108, मिल्लर्स रोड, कीलपाक, मद्रास-10 है जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास उत्तर दस० सं० 3186/86, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने ला उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के वर्णन में संबंध में कोई भी बाधा है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों की पदांश, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि आर० एस० सं० 110/8, मिल्लर्स रोड कीलपाक, मद्रास-10 (दस० सं० 3186/86)।

ए० आर० रेड्डी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 30-4-1987  
मोहर :

अधिनियम, टी. एन. एस. -----

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

साहित्य सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 अप्रैल 1987

निदेश सं० 8ए/सितम्बर/86—अत. मुझे, ए० आर०  
रेडडी,

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 110/7, मिलर्स रोड,  
कीलपाक, मद्रास-10 है जो मद्रास में स्थित है (और इससे  
उपायुक्त में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय मद्रास उत्तर दस सं० 3187/86 में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख सितम्बर, 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की अवयवान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अवयवान प्रतिफल से, ऐसे अवयवान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
वायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० एम० मोहम्मद इब्राहिम।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० एन० शकीला बानू, ए० एन० शवाना  
बानू।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वादोप-  
—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाञ्छ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि आर० एस० सं० 110/7 मिलर्स रोड, कीलपाक,  
मद्रास-10 (दस० सं० 3187/86)।

ए० आर० रेडडी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 30-4-1987  
मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री ए० शफी अहमद ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती ए० हमीदा बानो ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 अप्रैल, 1987

निदेश सं० 9/सितम्बर/86—अतः सुमे, ए० आर० रेडडी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
अध्याय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 33, बराबरजुलु नायडू स्ट्रीट, वेप्पेरी  
मद्रास-7 है तथा जो मद्रास में स्थित है (और इसके अनुबंध में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
मद्रास उत्तर दस सं० 3221/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
24-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-106 GI/87

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान सं० 33, बराबरजुलु नायडू स्ट्रीट,  
वेप्पेरी मद्रास 7, (दस सं० 3221/86)

ए० आर० रेडडी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास-17

तारीख: 30-4-87

मोहर:

व्यय नमः.डी.एन.एम.

(1) श्री वि० धुनिलाल और अन्य।

(अन्तरक)

(2) डापविटिज रिमर्च मेन्टर फाउन्डेशन।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास-17, दिनांक 30 अप्रैल 1987

निदेश सं० 12 सिन्धुवर, 86—प्रति मुझे, ए० आर०

रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
एक पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4, वेस्ट मादा चर्च स्ट्रीट, रायापुरम,  
मद्रास-13 है जो अनुसूच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता के मद्रास  
कार्यालय रायापुरम दम सं० 1658/86 में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 26-9-86

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।

अनुपुत्री

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बचन में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएँ :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

भूमि और मकान सं० 4, वेस्ट मादा चर्च स्ट्रीट,  
रायापुरम मद्रास-600013  
(दम सं० 1658/86)

ए० आर० रेड्डी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 30-4-87

प्रमाण आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मई 87

निदेश सं० 14 सितम्बर, 86—अन: मुझे, ए० आर०

रेड्डी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 34, विक्टोरिया क्रीसेन्ट रोड, एकमोर मद्रास-8, है जो मद्रास में स्थित है (और इसके अनुबन्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के अनुसूची कार्यालय थाउजन्डलाइट्स दस सं० 81/87 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सन्निध्य के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स चैटान्या बिल्डर्स और लीजिंग प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) डा० ई० सोमसेधर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अभि और महान आर्टिमेंट सं० 4 पी, 34 विक्टोरिया क्रीसेन्ट रोड, एकमोर मद्रास (दस सं० 81/87)

ए० आर० रेड्डी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज-I, मद्रास

तारीख: 1-5-87  
मोर।

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

- (1) मेसर्स एसोसिएशन बायर और भलाई प्राइवेट (अन्तरक)
- (2) श्री चि० एस० मोहन। (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 अप्रैल 1987

निदेश सं० 15/सितम्बर/86—अतः मुझे ए० आर० रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 107 और 113, सिडको इन्डस्ट्रियल एस्टेट, है जो राणिपेट नार्थ आरकाट जिला में स्थित है (और इसके अनुबंध में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास साउथ एस सं० 3262/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान प्लॉट सं० 107 और 113 सिडको इन्डस्ट्रियल एस्टेट राणिपेट नार्थ आरकाट जिला (एस सं० 3262/86)

ए० आर० रेड्डी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

हतारीख : 30-4-87  
मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

- (1) श्री सुन्दरलाल लालजी कनोजिया और अन्य।  
(अन्तरक)
- (2) रहलन बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड।  
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1987

निदेश सं० आई-4/37ईई/31681/86-87—अतः

मूखे, लक्ष्मणदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 37, हिस्सा नं० 5-बी, सी०  
टी० एस० नं० 726 ए, कांदिबली तालूका बोरिवली, बम्बई  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
वर्णित है) और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961  
269 क, ख, अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्ययमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूखे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके ब्ययमान प्रतिफल से ऐसे ब्ययमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाधक :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सब खुला जमीन का हिस्सा जिसका विस्तार 2268  
चौरस यार्ड तथा 2073.35 लगभग चौरस मिटर है।  
जिसका सर्वे नं० 37, हिस्सा नं० 5बी, सी० टी० ए० नं०  
726 ए, कांदिबली, तालूका बोरिवली, रजिस्ट्रेशन जिला और  
उपजिला बम्बई शहर और उपनगर में है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-4/37ईई/31681/  
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा दिनांक  
1-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनांक : 8-5-87  
मोहर :

प्रमुख भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1987

निदेश सं० आई-4/37ईई/31653/86-87—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 10, सर्वे नं० 27 और 28  
डहाणूकर वाडी काँदिवली (पश्चिम) बम्बई-400067 में  
स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269 क ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-9-86  
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, विम्बलिषित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
निर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922) का 11) का उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण,  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स बिन्दु कन्सल्टेशन कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स विनायक कन्सल्टेशन कम्पनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सब खुला ज़मीन का हिस्सा जिसका विस्तार लगभग  
1242 चौरस यार्ड या 1038.45 चौरस मीटर के बराबर  
है। क्योंकि 352 चौरस यार्ड तथा 294.30 चौरस मीटर  
का हिस्सा बराबर है। वह इसमें शामिल है। जो 90 फीट  
डी० बी० रोड, प्लॉट नं० 10, ज़मीन का हिस्सा जिसका  
सर्वे नं० 27 और 28, सी० टी० एस० नं० 1301/9  
विलेज काँदिवली, तालूका बोरिवली, जिला बम्बई उपनगर,  
जिसका रजिस्ट्रेशन उप-जिला बम्बई शहर और बम्बई  
जिला में है। जो, डहाणूकर कालोनी काँदिवली (प०) बम्बई  
में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-4/37ईई/31653/  
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-9-1886 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 8-5-87,

मेमोहर :

प्रथम बोर्ड. टी. एन. एल. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1987

निदेश सं० अई-1बी/37ईई/10401/86-87--अतः मुझे, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और ज़िमकी सं० फ्लैट नं० 401, शिवलिंगा, अलीभाई प्रेमजी रोड, ग्रन्ट रोड, बम्बई-7 में स्थित है (और इसमें उशब्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 18-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स भारवानी आस एण्ड कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सजय आर० भारवानी, द्वारा फादर एण्ड नचरल गार्डियन श्री आर० एस० भारवानी और मास्टर अश्विन सी० भारवानी, द्वारा फादर एण्ड नचरल गार्डियन सी० एस० भारवानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 401, चौथी मंजिल, शिव लिंगा, अलीभाई प्रेम जी रोड, ग्रन्ट रोड, बम्बई-7 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-1बी/37ईई/10803/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

दिनांक: 6-5-1987

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1987

निदेश सं० आई-1बी/37ईई/69/10661/86-87—अतः

मुझे, पी० एन० बमल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5.00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, पहली मंजिल, आग्रीपाडा राजपूत विला को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, आग्रीपाडा इस्टेट बम्बई-8 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

तारीख 17-9-86

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा षट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मोहम्मद इकबाल छापा और अन्य।

(अन्तरक)

(2) मुस्तफा ए० रजाक और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 101, पहली मंजिल, आग्रीपाडा राजपूत विला को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, आग्रीपाडा इस्टेट, में बम्बई-8 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-1बी/37ईई/10791/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 6-5-87

माहर :

इकर भाई, डी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1987

निदेश सं० अई-1बी/37ईई/148/10801/86-87-अतः

मुझे, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट नं० 214, गण एंड नहार (वरली) लाईट इंडस्ट्रियल इस्टेट डा० ई० मोजेम रोड, बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 18-9-86

को उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपाबद्ध सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का पञ्चम प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिणी (अंतरिणीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अंतरण के द्वारा किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

4-106 GI/87

(1) मैसर्स शहा एंड नहार डेवहलपमेंट :

(अन्तरक)

(2) श्री मूलचंद मकाजी वोंरा।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की अवधि से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधारक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम से अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

युनिट नं० 214, दूसरी मंजिल, शहा नहार (वरली) लाईट इंडस्ट्रियल इस्टेट, डा० ई० मोजेम रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-1बी/37ईई/10805/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1 बी, बम्बई

दिनांक : 6-5-1987

मोहरा:

प्ररूप आई.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज- बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1987

निवेश सं० आई-1बी/37ईई/10831/86-87—अतः

मुझे पी० एन० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट नं० 19 और 20 महालक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट गांधीनगर बम्बई-13 में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 17-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में अन्तरित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) पोपट लाख एम० शाहा (सोल प्रोपरायटर पी वि ग्राम)

(अन्तरक)

(2) गुलाब एम० अडवानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

युनिट जिसका नं० 19 और 20 महालक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट गांधी नगर आफ हेम रोड, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-1बी/37ईई/10790 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई द्वारा दिनांक 17-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-1/1बी बम्बई

दिनांक: 6-5-1987

मोहर।

प्रकट नम्बर टी.एन.एस. 1-5-1987

(1) जीवनलाल (1929) लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) दीपक इंटरप्रायसेस (सोल प्रोप्रायटरी लिमिटेड)  
आफ सी० प्रिन्सेस हौटल्स दण्ड प्रापर्टीज लि०।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)

अर्जन रेंज-1/बी बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1987

निर्देश सं० अई 1डी/37ईई/64/86-87—अतः

मुझे, पी० एन० बंसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सब खुला जमीन का हिस्सा जिसका विस्तार  
लगभग 7098 चौरस मीटर है। जो कि जमीन का बड़ा हिस्सा  
जिसका क्षेत्रफल 14029 चौरस मीटर का अंश है।  
जिसका की नया सर्वे नं० 2497 और सी० एस० नं०  
152 परेल सिवरी डिविजन, जो परेल टैंक रोड के पश्चिम  
में स्थित है।

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की  
धारा 269 ग, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 1-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरिगीतियों) में बीच एसे अन्तरण के लिए तय  
पथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
आवृत्त में वास्तविक रूप से कोट नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए;  
नार/बा

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सब खुला जमीन का हिस्सा जिसका विस्तार लगभग  
7098 चौरस मीटर है। जो कि जमीन का बड़ा हिस्सा है  
जिसका क्षेत्रफल 140 चौरस मीटर है। का अंश है।  
जिसका की नया सर्वे नं० 2497 और सी० एस० नं०  
152, परेल सिवरी डिविजन, जो परेल टैंक रोड के पश्चिम  
में स्थित है।

अनुसूची जिसका क्र० सं० अई-1बी/37-ईई/10714/  
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)  
अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

दिनांक : 1-5-1987  
मोहर :

**एक बाई-डी.एच.एच. प्रमाणपत्र**

आयकर अधिनियम, 1961 (191 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

**आवृत्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जुन रेज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1987

निवेश सं० अई-1डी/37-ईई/335/86-87—अन सुभे,  
पी० एन० बसल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट न० 3 जिसका विस्तार लगभग 2695  
चौरस मीटर है फार्मिंग पार्ट आफ सी० ए० 191, (अण)  
लोअर परेल डिविजन, डा० एम० एम० राव रोड, लोअर परेल,  
बम्बई-12 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है  
दिनांक 11-9-1986

को पक्षित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वार्क्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल के  
सम्बन्ध इतिहास से अधिक है और अंतरक (तरकों) और अतः  
रिती (अन्तरितियाँ) से भी ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाचक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कृत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
इकोनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए पर, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिति ह—

(1) राजकमल कलामंदिर प्राइवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) वि० एण्ड एी० आसोमिएट्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पक्षित सम्पत्ति के वर्धन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या जो  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पक्षित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पाद  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 3, जिसका विस्तार लगभग 2695 चौरस मीटर  
है। फार्मिंग पार्ट आफ सी० एम० न० 191 (अण) लोअर  
परेल डिविजन, डा० एम० एम० राव रोड, लोअर परेल,  
बम्बई-2 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-1/37-ईई/1074/  
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
11-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बसल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-1बी, बम्बई

दिनांक . 6-5-1987

मोहर :



## प्रश्न बाई.टी.एन.एच.-----

1. श्री भरत एस० मेहता।

(अन्तरक)

2. श्री ज्योतिष एस० शहा।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1बी

बम्बई, दिनांक 6 मई, 1987

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

निर्देश सं० अई-1/बी/37-ईई/67/12658/86-87—अत  
मुझे पी० एन० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लट नं० 52, रत्नाकर को-आप० हाउसिंग  
सोसायटी लि०, 8वीं मंजिल, खेतवाड़ी, बम्बई-4 में स्थित है  
(और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)/  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, तारीख 11 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित  
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

## अनुसूची

प्लट नं० 52, 5वीं मंजिल, रत्नाकर को-आप० हाउसिंग  
सोसायटी लि०, 8वीं लेन, खेतवाड़ी बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जसाकी क्र० सं० अई 7/बी/37-ईई/10742/1-  
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-  
9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया।

पी० एन० बंसल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1ए/1बी, बम्बई

दिनांक: 6-5-1987

मोहर:

सक्षम आई.टी.एल.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1ए/बी

बम्बई, दिनांक 6 मई, 1987

निर्देश सं० आई-1ए/1बी/37-ईई/66/12666/86-87---

अतः मुझे पी० एन० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फलट नं० 6 और गैरेज नं० 17, अलक नंदा को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, डा० देशमुख लेन, बी० पी० रोड, बम्बई-4 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)/और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 11 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाधित, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रेखावेन चंद्रकांत शहा।

(अन्तरक)

2. श्री किशोर प्रभूलाल तलाटी और अन्य।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा या उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फलट नं० 6 और गैरेज नं० 17, अलकनंदा को-आप०-हाउसिंग सोसायटी लि०, डा० देशमुख लेन, बी० पी० रोड, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की सं० आई-1ए/1बी/37-ईई/10763/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

(पी० एन० बंसल)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1ए/1बी/ बम्बई

दिनांक : 6-5-1987

मोहर.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज/1बी

बम्बई, दिनांक 6 मई, 1987

निर्देश सं० आई/1बी/37-ईई/62/86-87—अतः मुझे,

पी० एन० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लट नं० 25, पेटीट मेन्शन, स्लेटर रोड,  
बम्बई-7 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है)/और जिसका करारनामा आयकर अधि-  
नियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 18  
सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आन्तरिक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भव या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री परमजी एम० कपूर और अन्य।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती सारा युसूफ बुकवाला और अन्य।  
(अन्तरिती)

3. अन्तरकों।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए  
कार्यवाहियां केली हैं।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अधिक बाध में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बंधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लट नं० 25, पेटीट मेन्शन, स्लेटर रोड, बम्बई-7 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० आई/1बी/37-ईई/10755/  
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-  
9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज/1बी, बम्बई

दिनांक: 6-5-1987

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. मैसर्स ओसियन ऐरीअर्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

2. मैसर्स ओमगा होल्डींग्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई, 1987

निर्देश सं० आई/बी/37-ईई/72/86-87—अतः मुझे,

पी० एन० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
अन्तरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायसेस जी 4थी मंजिल पर  
नव रतन इमारत, पी० डिमेलो रोड, कर्नाक बंदर, बम्बई-9  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है)/और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 19 मितम्बर  
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
वर्तमान प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गाया है।

## अनुसूची

कार्यालय प्रिमायसेस जो 4थी मंजिल पर, नव रतन  
इमारत, पी० डिमेलो रोड, कर्नाक बंदर, बम्बई-9 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० आई-1/बी/37-ईई/10771/  
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-  
9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1ए/बी, बम्बई

दिनांक : 6-5-1987

मोहर :

## इस अधिनियम की धारा 269-ख के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (i) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई, 1987

निर्देश सं० अई-1ए/1बी/37-ईई/71/86-87—प्रतः

मृसे पी० एन० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 26, 7वीं मंजिल, और कार पार्किंग स्पेस नं० 4, सेंट्रल कोर्ट, 18, मोटलीबाई स्ट्रीट, बम्बई-11 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 19 सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भव या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन नियतनिमित्त व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—106 GI/87

1. श्रीमती ग्रेटाबेल डिसोसा।

(अन्तरक)

2. श्री हरून टी० मेमन और 3 अन्य।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तमव्यवसी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितस्वरूप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरों के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लेट नं० 26, 7वीं मंजिल, और कार पार्किंग स्पेस नं० 4, सेंट्रल कोर्ट को-ओप० हाउसिंग सोसायटी लि० मोटली बाई स्ट्रीट, बम्बई-11 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-1ए/1बी/37-ईई/10788/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय दिनांक 19-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-1बी, बम्बई

दिनांक: 6-5-1987

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1987

निर्देश सं० आई-1बी/37-ईई/146/12869/86-87

—अतः मुझे पी० एन० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 305/बी, मनिष कमर्शियल सेटर, 216  
ए, डा० ए० बी० रोड, वरली, बम्बई-25 में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और  
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 25 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अन्तर्गत  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संयमित का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अन्तर्गत प्रतिफल से ऐसे अन्तर्गत प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अनील माधवराव पारकर।

(अन्तरक)

2. मेसर्स न्यू होगेसन लिमिटेड एण्ड फायनान्स लिमिटेड  
(अन्तरिती)

3. मेसर्स शिवम् कापोरेशन।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

305/बी, मनिष कमर्शियल सेटर, 216ए, डा० अनी  
बेन्ट रोड, वरली, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-1बी/37-ईई/10812  
/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
25-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

दिनांक: 6-5-1987

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती सुमित्रा सी० शहा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बोमी वरणा कविता।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) की अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

आयकर अधिनियम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1987

निर्देश सं० आई-1बी/37 ईई/63/86-87--अतः

मुझे पी० एन० बंसल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 64, 6ठी मंजिल विकास फील्ड  
टावर्स, प्लॉट नं० 190, परेल सिवरी डिविजन, बम्बई-12  
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है)/और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 25 सितम्बर  
1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्त-  
रितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्बोधन से उक्त अंतरण विहित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) इसी किसी आय या किसी भ्रम या अन्य वास्तविकता  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
अव्यवहारियां करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वादोप :—

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

फ्लेट नं० 64, 6ठी मंजिल, विकास फील्ड टावर्स, प्लॉट  
नं० 190, परेल सिवरी डिविजन, परेल टैन्क रोड, परेल,  
बम्बई-12 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० आई-1बी/37ईई/10816/  
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15  
9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० बंसल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1बी/, बम्बई

दिनांक : 6-5-1987।

मोहर :

प्रथम भाग, टी.एन.एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)  
प्रजन रेंज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई, 1987

निर्देश सं० आई-1बी/37-ईई/147/12910/86-87

—प्रतः मुझे पी० एन० बसल

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 215, 2री मजिल, शहा, नहार  
इंडस्ट्रियल इस्टेट, डा० इ० मोजेस रोड, वरली, बम्बई-18  
में स्थित है, (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है)/और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 25 मितम्बर  
1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
है कि यह विश्वास करने का कारण है कि  
यहां पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अवमान  
प्रतिफल से, ऐसे अवमान प्रतिफल का मूल्य प्रतिफल से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
सूचक से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम की अधीन कर देने में अन्तरक के  
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या जायकर अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री मूलचंद सकाजी बोरा।

(अन्तरक)

2. मेसर्स सालगावकर मार्यानिंग इंडस्ट्रियल प्रायवेट लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मूल्य के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के मूल्य के सम्बन्ध में कोई भी वाद :-

(क) इस सूचना के प्रकाशन से प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या अन्तर्गामी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन से प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के  
पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण :- इसमें प्रयुक्त सबों और वहां का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 215, 2री मजिल, शहा-नहार (वरली)  
लाईट इंडस्ट्रियल इस्टेट, डा० इ० मोजेस रोड, वरली, बम्बई  
-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० आई-1बी/37-ईई/10824/  
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-  
9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी. एन० बसल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)  
प्रजन रेंज-1बी, बम्बई

दिनांक : 6-5-1987।  
मोहर :



प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई, 1987

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/37888 86-87—अतः सुभे

के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 502, 5वीं मंजिल, क्लामर, प्लॉट नं० 50, सी० टी० एस० नं० एफ/850, टी० पी० एस०, 3, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 2 सितम्बर 1986

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विम्बलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स ग्रहारा इंटरप्रायजेस।

(अन्तरक)

2. श्री बिहारी पी और मास्टर अनील

असरानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 502, 5वीं मंजिल, क्लामर इमारत, प्लॉट नं० 50 सी टी० एस० नं० एफ०/850, टी० पी० एस० 3, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० अई-2/37-ईई/37888/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1987

मोहर :

रूप में. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

बांद्रा बम्बई

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई, 1987

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/37889/86-87—अतः मुझे  
के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 502, 5वीं मंजिल प्रकामर  
इमारत, प्लॉट नं० 50, सी० टी० एस० नं० एफ०/850  
टी० पी० एस० 3, बांद्रा, बम्बई-50 जो टेरेस के साथ में स्थित  
है (इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-9-86

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
विशेष में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या वा किवा वाया चाहिए या, जिन्हें में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसूची  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स ग्रहुरा इंटरप्रायजेस।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रीती बी० असरानी और मास्टर सुनील  
बी० असरानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्वय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्वय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 502, 5वीं मंजिल, कलामर इमारत, प्लॉट  
नं० 50, सी० टी० एस० नं० एफ०/850, टी० पी० एस०  
3, बांद्रा, बम्बई-50 जो टेरेस के साथ स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० आई-2/37-ईई/37889/86-  
87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-  
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती नोशिना लखानी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री बिलाल एन. खटाउ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई, 1987

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/37895 और 37968/86-  
87—अतः मुझे के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मधु सरीता अर्पाटमेंट्स ब्लाक ए, फ्लेट  
15, बैरामजी जिजीभाय रोड, बैन्ड स्टेन्ड, बांद्रा, बम्बई-  
400050 में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा, आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1986,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दक्षिण तालुक, बंगलूर  
में धारा 269ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/  
के पास रजिस्ट्रीकृत किया गया है मझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या, धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त'  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मधु सरीता अर्पाटमेंट्स, ब्लाक ए, फ्लेट 15, बैरामजी  
जिजीभाय रोड, बैन्ड स्टेन्ड बांद्रा, बम्बई-400050 में स्थित  
है।

अनुसूची जाँसकी क्र० सं० आई-2/37-ईई/37895 और  
और 37968/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई  
द्वारा दिनांक 1-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ई

दिनांक: 7-5-1987

सोहर:

प्रथम भाग, टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई, 1987

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/37937/86-87--प्रतः मुझे  
के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 233, एम० ए० नं० 233  
जिसका सी० टी. एस० नं० बी-730, बी-731, बी-732,  
बी०/733, बी०/735, माउंट मेरीज रोड और परेरा  
रोड का जंक्शन, बांद्रा, बम्बई-400050 में स्थित है (और  
इससे उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और  
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के का  
कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 2 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किना जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. रेंडरेंड डा० सिमन आय० पिमेंटा।

(अन्तरक)

2. श्री एच० पी० गुप्ता (हि०प्र०कु०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 233, एम० ए० नं० 233 जिसका सी० टी०  
एस० नं० बी/730, बी०/731, बी०/732, बी०/733  
बी/735, माउंट मेरीज रोड परेरा रोड, का जंक्शन, बांद्रा,  
बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-2/37-ईई/37937/86-87  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1986 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 7-5-1987।

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 7 मई 1987

निर्देश सं० अई-2 37-ईई 37945 86-87—अतः मुझे,  
के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 4, गदि बांद्रा ओसिएन व्ह्यू को-  
आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित  
है (और इस उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961  
की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 5 सितम्बर 1987

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक में क्षयित्व  
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर)  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—106 GI/87

1. श्रीमती मुक्ता चंद्रशेखर राव।

(अन्तरक)

2. श्री मोहमदअली हुसैनबारदानवाला, श्रीमती, श्रीना  
मोहमदअली बारदानवाला और श्री मिनहास-  
अली मोहमदअली बारदानवाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

फ्लेट नं० 4, 1ली मंजिल, दि बांद्रा ओ० सी० एन०  
व्ह्यू को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 19, हिल रोड  
बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-237-ईई 37945  
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई दारा दिनांक  
5-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1 डा० रोजर रोडिगज।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2 श्री चंद्र एल० रहेजा और श्री सुरेश एल० रहेजा।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

3. भाइत।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/37982/86-87—अतः मुझे,  
के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 80, टी० बी० एस० 4, बांद्रा  
सी० टी० एस० नं० एफ० 975, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित  
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 5 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जिसका प्लॉट नं० 80, टी० पी० एस० 4, बांद्रा,  
सी० टी० एस० नं० एफ० 975, गुरु नानक रोड, बांद्रा,  
बम्बई-50 जो स्ट्रक्चर्स से साथ स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र० सं० आई-2 37-ईई/37982/86-  
87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
5-9-1986 को रजिस्ट्री किया गया है।

(के० सी० शाह)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1987

मोहर :

प्रमुख भाग, टी. ए. ए. ख.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/38094/86-87—प्रतः मुझे,  
के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-2, 1ली मंजिल, बांद्रा लिबर्टी को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि० 98-बी, हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख [ 9 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायरे में प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायरे में प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब तक प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायरे में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता जा रहा था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती फ्रान्सीस मेरी फनान्डीस।

(अन्तरक)

2. श्री एन० बी० शेड, ट्रस्टी आफ शेफेमिची ट्रस्ट।  
(अन्तरिती)

3. अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्धक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपवादस्वरूपी के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए-2, 1ली मंजिल, बांद्रा लिबर्टी को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 98-बी, हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० अई-2/37-ईई/38094/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. मेसर्स वूडलेन्ड कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(अन्तरक)

2. श्री लाल जे० पंजाबी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निर्देश सं० अई-2 37-ईई 38103 86-87—अतः मुझे,

के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्ले नं० 51, 5वीं मंजिल, श्रीरामान, प्लॉट नं० 158, पेरी रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 9 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लेट नं० 51, 5वीं मंजिल, श्रीरामान, प्लॉट नं० 158, पेरी रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० अई-2/37-ईई/38103/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1987

मोहर :



प्रमुख नोट: टी. एन. एस. -----

(1) मैसर्स देवेन्द्र कन्स्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किंतू के. बजाज ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/38113/86-87:—अतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, माय-कासा, 24वां रास्ता, बांद्रा, बम्बई-52 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9-9-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निश्चित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

फ्लैट नं० 1, 1वीं मंजिल, माय-कासा, 24वां रास्ता, बांद्रा, बम्बई-52 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37-ईई/38113/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मेरे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 7-5-1987.

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई, 1987

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/38119/86-87—अतः मुझे,

के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 2, 2री मंजिल, संडेल इमारत, प्लॉट  
नं० 199, कांटावाडी स्किम, सालसेट कथालिक को-आप० हाउसिंग  
सोसायटी लि०, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9-9-  
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी बाय की सम्पत्ति, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
आई/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या विधान में  
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री डेम्जील डिसोजा,।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मे० परेरा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों या  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में देखा  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 2, 2री मंजिल, संडेल इमारत, प्लॉट नं० 199,  
कांटावाडी स्किम, सालसेट कथालिक को-आप० हाउसिंग सोसायटी  
लि०, पेरी रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37-ईई/38119/86-  
87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-9-1986  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1987.  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/38201/86-87— अतः मुझे,  
के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 15, कसारा को-आप० हाउसिंग  
सोसायटी लि०, प्लॉट नं० 240, पाली रोड, बांद्रा, बम्बई-50  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, तारीख 12-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरवर्गे) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राधाबाई किशोरदास भाटिया ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुनील आर० परवानी और श्रीमती गैला  
आर० परवानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 15, 1ली मंजिल, कसारा को-आप० हाउसिंग  
सोसायटी लि०, 240, पाली रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/38201/86-  
87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-9-1986  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1987.

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/38210/86-87--अतः मुझे,  
के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 12, 1ली मंजिल, क्षितिज, हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 12-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और

मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विम्बिनिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

**[क] अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के अधिनियम से कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा**

**(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;**

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स नटराज कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री आजाद झबरचंद भंडारी और श्रीमती तारा आजाद भंडारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

फ्लैट नं० 12, 1ली मंजिल, क्षितिज हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37-ईई/38210/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1987.

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निर्देश सं० आई-2/37-ईई-38218/86-87:—अतः मुझे,  
के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, 6ठी मंजिल, निर्माणाधीन इमारत  
मसाबिएल, सी टी एम नं० 496, मैन्युअल गोन्माल्वीज रोड और  
सेंट अन्थोनी रोड का जंक्शन, बांद्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और  
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269  
क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है, तारीख 12-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बंदूह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-106GI/87

(1) मेसर्स परेरा कन्स्ट्रक्शन् कंपनी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सविता फर्नान्डीस और श्री लारेन्स फर्नान्डीस ।  
(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 2, 6ठी मंजिल, निर्माणाधीन इमारत, मसाबिएल,  
सी टी एम नं० 496, मैन्युअल गोन्माल्वीज रोड और सेंट अन्थोनी  
रोड का जंक्शन, बांद्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/38218/  
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
12-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1987

मोहर :

प्ररूप आर्क्ष. टी. एन. एस.-----

(1) मैसर्स वेवेन्द्र कन्स्ट्रक्शन कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) बिटे फातिमा और सैयद मोहमद हैबर अबिदी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/38249/86-87:-अतः मुझे,  
के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, 1ली मंजिल, माय-कासा, 24वां  
रास्ता, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है, और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 12-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाह  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 4, 1ली मंजिल, माय-कासा; 24वां रास्ता, बांद्रा  
बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37-ईई/38249/86-  
87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-9-1986  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1987.

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री गुरमित सिंह छड्डा और श्रीमती सुरजीत छेड्डा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) प्रेसमन लिंसिंग लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बम्बई, दिनांक 7 मई, 1987

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/38295/86-87:—अतः मुझे,  
के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 4, 1ली मंजिल, चोपड़ा निवास, 52,  
अल्मेडा पार्क, बांद्रा, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 12-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्लेट नं० 4 1ली, मंजिल, चोपड़ा निवास 52, अल्मेडा  
पार्क बांद्रा बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-2/37-ईई/38295/86-  
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
12-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निदेश सं० आई-2/37-ईई/38331/86-87—घत. मुसे,  
के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 10 कोल्स्का हाउस, 2री,  
मंजिल, सेंट पिटर्स को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि.,  
मैन्युअल गोन्साल्वीज रोड, बान्द्रा बम्बई-50 में स्थित है।  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 16-9-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक  
कम से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अनुसूची में दिये गये किसी भाग की वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
के कर्त्तव्य करने या उचित करने के दायित्व के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य व्यक्तिगत  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के दायित्व  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसंस्करण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पी० पी० डिमेलो।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० डिमेलो और जी० डिमेलो।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू कर रहे हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कर्त्तव्य अधीक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाञ्छी  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 10, कोल्स्का हाउस 2री, मंजिल, सेंट पिटर्स  
को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि० मैन्युअल गोन्साल्वीज,  
रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-2/37-ईई/38331/  
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
16-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1987

मोहर :



प्रश्न भाई.टी.पुन.एस.-----

स्थायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निदेश सं० अई-2/37-ईई/38401/86-87—अतः मुझे, के० सी० शाह

स्थायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 601 ब्लू डायमंड (बान्द्रा ब्लू डायमंड प्रिमायमेस को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०) पेरीक्रास रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 19-9-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का गन्दा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अनुसार के बावजूद न कमी करने या उसके बजने में सूचना दे लिए; बाई/पा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत बम्बई द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) कुमारी नाहीव कामरान।

(अन्तरक)

(2) श्री आनंद राव डी० दास, श्री सुधिर ए० दास और श्री प्रदीप ए० दास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाकी :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जमाहस्ताधारी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 601, जो कि 6ठी, मंजिल, ब्लू डायमंड (बान्द्रा ब्लू डायमंड प्रिमायमेस को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०) पेरी क्रस रोड, बान्द्रा बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-2/37-ईई/38401/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-9-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1987

मोहर :—

प्रकृष बाई. टी. एम. एस.-----

(1) मेसर्स नटराज कारपोरेशन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) वरुण इस्टेट्स प्राइवेट लि०।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निदेश सं० आई-2/37-ईई/38402/86-87-अतः मुझे के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उक्त बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, 1ली, मंजिल, क्षितिज इमारत, हिल रोड, बान्द्रा बम्बई-50 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 19-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बान्तिव से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 11, 1ली मंजिल, क्षितिज इमारत, हिल रोड, बान्द्रा बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-2/37-ईई/38402/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) ठाकुर कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मती लछमी पपु बुटानी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निदेश सं० आई-2/37-ईई/38442/86-87—अतः मुझ  
के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 501, प्लॉट नं० 48, टी० पी०  
एस० 3, 16वां रोड, गुरु नानक पार्क के सामने, बान्द्रा  
(प), बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,  
दिनांक : 19-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्त-  
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पात्र  
निर्दिष्ट में किसे या कौनों।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में विभा-  
षित हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 501, प्लॉट नं० 48, टी० पी० एस० 3,  
16वां रोड, गुरु नानक पार्क के सामने, बान्द्रा (प),  
बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैमाकि क्र० सं० आई-2/37-ईई/384342/  
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
19-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1987

मोहर :

प्रकृष जाई, टी. एन. एस -----

(1) ठाकुर कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कलान उधाराम बुटानी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निदेश सं० अई-2/37-ईई/38443/86-87—अतः सुले,  
के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 601, प्लॉट नं० 48, टी० पी०  
एस० 3, 16वां रोड, गुरु नानक पार्क के सामने, बान्द्रा  
बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है  
दिनांक 19-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
वर्द्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 601, प्लॉट नं० 48, टी० पी० एस० 3,  
16वां रोड गुरु नानक पार्क के सामने, बान्द्रा बम्बई-50  
में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-2/37-ईई/38443/  
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
19-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1987।

मोहर :

प्रकाशक: टी. एन. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निर्देश सं० आई-2/37ईई/38448/86-87—अतः

मूझे के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फलैट नं० 13, दूसरी मंजिल, मेरी निकेतन इमारत माउंट मेरी रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 19-9-86 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि ब्यापारपूर्वक संरक्षित का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है—

(1) श्री हाजी गुलामअली इब्राहिम।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश वाडकर।

(अन्तरिणी)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, कर/का

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8-106GIJ87

फलैट नं० 13, दूसरी मंजिल, मेरी निकेतन इमारत, माउंट मेरी रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की सं० आई-2/37ईई/38448/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1987

मोहर :

प्रकाश बाई. टी. एन. एड. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निदेश सं० अई-2/37ईई/38525/86-87—अतः

मुझे के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 145/155, निम्बाना, पाली हिल बांद्रा बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961, की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 23-9-86

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाण की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती सुरजीत अरोरा।

(अन्तरक)

(2) होस्ट इंडिया लिमिटेड।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों या सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनाहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 145/155, निम्बाना, पाली हिल, बांद्रा बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-2/37ईई/38525/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 23-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० श  
सक्षम प्राधिका  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, बम्

दिनांक: 7-5-1987

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निदेश सं० आई-2/37ईई/38540/86-87—अतः

सुझे के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि आधार संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, चौथी मंजिल, निर्माणाधीन इमारत "मासाबिएल" सी टी एस नं० 496, मैनुएल गोन्साल बीज रोड और सेंट ग्रन्थोनी रोडका जंक्शन बांद्रा (प) बम्बई-50 में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 23-9-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिष्ट—

(1) मेसर्स परेरा कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० सिक्वेरा और श्रीमती हिल्ड सिक्वेरा

(अन्तरिती)

(3) (अन्तरितियों)

वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कृत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, चौथी मंजिल निर्माणाधीन इमारत "मासाबिएल" सी टी एस नं० 496, मैनुएल गोन्साल्वीज रोड और सेंट ग्रन्थोनी रोड का जंक्शन, बांद्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-2/37ईई/38540/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 7-5-1986

मोहर:

**इसका भाग, बी. एन. एन.-----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई, 1986

निदेश सं. अई-2/37ईई/38541/86-87—अतः

मुझे के. सी. शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. फलैट नं. 2, पहली मंजिल, निर्माणाधीन इमारत "मैसाबिएल" सी टी एस नं. 496, मैनुअल गोन्साल वीज रोड और ग्रन्थोनी रोड का जंक्शन बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। ता. 23-9-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मेसर्स परेरा कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) सरीना लोपेस और पालीन लोपेस।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फलैट नं. 2, पहली मंजिल, निर्माणाधीन इमारत "मैसाबिएल" सी टी एस नं. 496, मैनुअल गोन्साल वीज रोड और सेंट ग्रन्थोनी रोड का जंक्शन बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई-2/37ईई/38541/86-87—और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के. सी. शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई A

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निर्माणाधीन व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 7-5-1987

मोहर:



प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बालकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई, 1987

निर्देश सं० आई-2/37ईई/38597/86-87—अतः

मुझे, के० सी० शाह,

बालकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 50-बी (पहले 30), रिबेलो  
हाउस, 132 हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा  
269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 29-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ९ लाख के समान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उससे समान प्रतिफल से, ऐसे समान प्रतिफल का  
सम्बन्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरकों (अन्तरकों) और वसतिगृहों  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, विनिर्दिष्ट उद्देश्यों से उक्त अन्तरण विनिर्दिष्ट से  
व्यक्तिगत रूप से संबंध नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के प्राधिकार को  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रभावार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मती जी मेनोसस और लेफ्टिनेंट जनरल  
एल० एल० मेनोसस (निवृत्त)

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इ० सालहाणा।

(अन्तरित)

(3) अन्तरकों

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
सामग्रीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की सम्पत्ति में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उसके बराबर व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताभरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 50 बी(पहले 30), रिबेलो हाउस, 132,  
हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-2/37ईई/38597/  
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
26-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 7-5-1987

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) लेन्डमार्क बिल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-अ (1) के अधीन सूचना

(2) टी० बी० डिसासो और ए० आय डिसासो।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई, 1987

निर्देश सं० आई-2/37ईई/38641/86-87—प्रतः

सुश्री के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फलैट नं० 10, चौथी मंजिल, रिचक्वीन पलेस,  
सेंट पाल रोड, बांद्रा, बम्बई-58 में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और  
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क,  
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 26-9-87

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
अधी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

फलैट नं० 10, चौथी मंजिल, रिचक्वीन पलेस, सेंट  
पाल रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-2/37ईई/38641/  
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई द्वारा  
दिनांक 26-9-87 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-5-1986  
मोहर :

व्यक्तिगत, टी. एन. ए. ए.

(1) पी जे ट्रेडर्स।

वायफ़्ड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2 बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निदेश सं० अई-2बी/37ईई/38481/86-87—प्रतः

मुझे के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 601, मंगल प्रवेश खार, बम्बई 52 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 22-9-86

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(अन्तरक)

(2) मास्टर प्रेम जी लाखीयानी और मास्टर प्रकाश डी लाखीयानी।

(अन्तरिती)

अब यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त अधिनियम के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति या द्रुत-वस्तु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जयोहस्तकारी से प्राप्त भूमिगत में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 601, जो छठवीं मंजिल, मंगल प्रवेश, प्लॉट नं० 491, सतरवा रोड, खार, बम्बई 400052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-2/37ईई/38481/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम एस राय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-2बी, बम्बई

तारीख : 7-5-87  
मोहर :

प्ररूप आई. डी. एन. एन.-----

(1) पी जे. ट्रेडर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लाजवंती डी लाखयानी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निदेश सं. आई-2/37ईई/38483/86-87—अतः

मुझे एम एस राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 701, मंगल प्रवेश खार, बम्बई  
52 में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधि-  
नियम की धारा धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख  
22-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तक्षेप  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं. 701, जो मांतवीं मंजिल, मंगल प्रवेश,  
प्लॉट नं. 491, सतरवा रोड, खार, बम्बई 400052 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. आई-2बी/37ईई/38483/  
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
22-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम एस राय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

तारीख : 7-5-87  
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. 1987

(1) मेसर्स सरकार बिल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री योगेश जमनादास श्वेरी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई, 1987

निदेश सं० आई-2बी/37ईई/38426/86-87—अतः

मुझे एम० एस० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
₹ 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फलैट नं० 402, सरकार ऐवेन्यू, सान्ता  
क्रूज (प), बम्बई-54 में स्थित है इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारारनामा  
आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री  
है तारीख 19-9-86

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
म से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियां  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा  
के लिए;

फलैट नं० 402, जो चौथी मंजिल, सरकार ऐवेन्यू  
इस्ट ऐवेन्यू रोड, सान्ताक्रूज (प), बम्बई 400054 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2बी/37ईई/38426/  
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
19-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एस० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसूची  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 7-5-87  
मोहर :

प्रकाशक: टी. एन. एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई, 1987

निदेश सं० आई-2बी/37ईई/38427/86-87—अतः

मुझे एम० एस० राय

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फलैट नं० 401, सरकार ऐवेन्यू सान्नाक्रूज (प) बम्बई 54 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के अधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 19-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहा जाए, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की, अनुसरण की, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को अतः—

(1) मेसर्स सरकार बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश जमनादास श्वेरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

इस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फलैट नं० 401, जो चौथी मंजिल सरकार ऐवेन्यू, ऐवेन्यू रोड, सान्नाक्रूज (प), बम्बई 400054 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2बी/37ईई/38427/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एस० राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

तारीख: 7-5-87

मोहर:

प्रारूप आर्क.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स विकास एमोसिएट्स।

(अन्तरक)

(2) नेशनल लीसिंग लिमिटेड।

(अन्तरिती)

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

प्रारूप बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निर्देश सं० अई-2बी/37ईई/38256/86-87—अनः

मुझे, एम एस राय,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफीम नं० 4, विकास सेन्टर, सान्नाकृज  
(प०), बम्बई 54 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख,  
12-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
शुद्धी करने या उसमें घटने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप 2—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफीम नं० 4, जो पहली मंजिल, विकास सेन्टर,  
एम वी रोड, सान्नाकृज (प), बम्बई 400054 में स्थित है  
अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2बी/37ईई/38256/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
12-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया।

एम एस राय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 7-5-1987  
मोहर:

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई, 1987

निदेश सं० आई-2बी/37ईई/38476/86-87—अतः

मुझे एम एम राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 25, मगेट सोसायटी खार, बम्बई 52 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक रजिस्ट्री है तारीख 22-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अधोप्राप्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परवर्त प्रतियोग से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब धारा बना दी-कम निम्नलिखित उद्घोषण के अन्तर्गत लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती हंसा जे नानावटी और जीतेन्द्र नानावटी (अन्तरक)

(2) श्रीमती पूनम हीरानन्द पूरस्वानी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उपरोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविकता—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

ब्यक्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 25, जो पांचवीं मंजिल, मगेट को. ऑफ हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 62, चित्रकार धूरवर रोड, अठरवा रोड, कानेर खार बम्बई 400052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2बी/37ईई/38476/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया।

एम एस राय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

तारीख: 7-5-87  
मोहर:



रूप में टी. एम. एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई, 1987

निदेश सं. अई-2बी/37ईई/38042/86-87—अतः

मुझे एम० एस० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 501, पूजा अपार्टमेंट खार,  
बम्बई 52 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम की धारा 269 ग, ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी,  
के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 8/9-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायित्व प्रतिफल से  
इससे दायित्व प्रतिफल का बंध प्रतिफल से अधिक है और अंत-  
रक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंत-  
रण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य है  
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किना जाना चाहिए था, छिपाने के उद्देश्य  
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सीमा सीतया वी राव  
(अन्तरक)

(2) श्री मुभाव के० मधनानी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 501, जो पूजा अपार्टमेंट सतरवा रोड,  
खार, बम्बई 400052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2बी/37ईई/38042/  
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
8-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एस० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

तारीख: 7-5-87

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती सविता व्ही सूखटनकर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी बी झवेरी, ज बी झवेरी और डी बी  
झवेरी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1987

निर्देश सं० आई-2बी/37ईई/37890/86-87—अतः

मुझे, एम एस राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 13, सान्ताक्रुज वेस्ट व्हीयू  
सान्ताक्रुज (प), बम्बई 54 में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका  
आयकर अधिनियम की धारा 269 ग, ख, के अधीन बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है  
तारीख 1-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
परिह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्लेट नं० 13, जो तीसरी मंजिल, सान्ताक्रुज वेस्ट  
व्हीयू को० ग्रॉप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, एस-बी रोड,  
सान्ताक्रुज (प), बम्बई 400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2बी/37ईई/37890/  
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम एस राय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

तारीख: 1-5-87

मोहर:

**व्यवसायिक अर्थोपपन्न एवम्**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**आयकर अधिनियम**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई, 1987

निदेश सं० अई-2बी/37ईई/38338/86-87--अत.

मुझे एम एस राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 14, प्रोक्स खार (प), बम्बई 52 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-ब, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 17-9-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

(1) श्रीमती कुसुम गोविंदलाल मोडी और श्री गोविंदलाल मोहनलाल मोडी।

(अन्तरक)

(2) श्री माधव बबन सदाशिव गोखले और श्रीमती प्रेमला सुभाष त्रिलोकेकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

**उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

फ्लैट नं० 14, जो तल मेजिल प्रीतम को० ग्रॉप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड प्लॉट नं० 69 ग्यारवा रोड, खार (प) बम्बई 400052 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2बी/37ईई/38338/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम एस राय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

तारीख: 7-5-87  
मोहर।

सकल कार्य.डी.एच.एच. -----

(1) श्री प्रीतम सिंह के मेला।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश एच रमनानी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल, 1987

निदेश सं० अई-2बी/37ईई/38303/86-87—अतः

मुझे एम एस राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, नगेट खार, बम्बई 52  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम  
की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 12-9-86

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सममान  
प्रतिफल के लिए व्यस्तियों को यह और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके सममान प्रतिफल है, ऐसे सममान प्रतिफल का  
कमतर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए उक्त  
पक्ष सदा प्रतिफल निम्नलिखित अन्तरक से उक्त अन्तरक  
स्थित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी भी धन की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यालय में कभी करने या करने करने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी अन्य आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रबोध-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई जाओपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में अन्तर्गत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुष  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताभारी के पास  
स्थित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 9, जो दूसरी मंजिल, मगेट को० ऑप० हाउसिंग  
सोसायटी लिमिटेड, चित्रकार धूरंदर मार्ग, खार बम्बई  
400052 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि क्र० सं० अई-2बी/37ईई/38303/  
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
12-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम एस राय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

तारीख: 30-4-87  
मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) कुमारी जसूमती हिमतलाल शाह।

(अन्तरक)

(2) श्री दरयूश केकी जलनावाला।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1987

निर्देश सं० आई-2बी/37ईई/38207/86-87—अतः

मुझे, एम एस राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फलैट नं० ए/5 पूनम बिल्डिंग खार (प) बम्बई 54 में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 12-9-86

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या प्रकट किया जा रहा था, छिपाने में सुविधा के लिए

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फलैट नं० ए/5, जो दूसरी मंजिल पूनम अपार्टमेंट 67, लीकिंग रोड, खार (प), बम्बई 400054 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2बी/37ईई/38207/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम एस राय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

10—106 GI/87

तारीख : 1-5-87  
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री जोगिन्द्र सिंह सभरवाल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) पी० जे० एसोसिएट्स।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंजे-2बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई, 1987

निदेश सं० आई-2बी/37ईई/37938/86-87—अतः

मुझे एम एम राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 615, 615, खार बम्बई 52 में स्थित है (और इनके उपाध्व अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2-9-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वांछ :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरीती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्लॉट नं० 614, और 615 जो टी पी एस नं० 3, कार्नेर ऑफ खार पाली रोड और चौदवां रोड, खार बम्बई 400052 में स्थित है

अनुमूची जैसा कि क्र० सं० आई-2बी/37ईई/37938/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-86 को रजिस्टर्ड किया है।

एम एस राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंजे-2बी, बम्बई

तारीख : 6-5-87

मोहर :

## मुख्य भाग डी एन. २४

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कोटा नं० १०१/१९८७/१०००/१००० (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5/एल० आर०—  
3/9-86/23—अतः मुझे ए० के० मनमोहनदाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० है तथा जो ब्लॉक डी कनाट प्लेस  
का कुछ भाग में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन सक्षम अधिकारी  
के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की  
धारा 269 क, ख, के अधीन तारीख सितम्बर, 1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि बंधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययों में कमी करने या उक्त व्ययों में वृद्धि  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तर्निरीत द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
वृद्धि के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) प्रमोद प्रकाश ब्रावर्स बी-45, कनाट प्लेस नई  
दिल्ली द्वारा नंद किशोर कपूर श्री शिव साहनी,  
श्रीम प्रकाश कपूर पुत्र श्री एल० शिवराही श्री अतुल  
कपूर पुत्र श्री स्व० मरदारी लाल पुत्र श्री एल०  
मरदारी लाल कपूर, श्रीमती रेखा कपूर पत्नी  
रामप्रकाश, केवल कृष्ण, रमेश कपूर, रमण कपूर  
शालिन कपूर पुत्र श्री स्व० खश्री कपूर न०  
बी-45/47 कनाट प्लेस

(अन्तरक)

(2) आत्मा बिल्डर्स प्रा० लि० द्वारा आत्माराम  
चड्ढा, 42 फेडस कालोनी इस्ट दिल्ली  
(अन्तरिती)की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के विषय  
कार्यवाहिया करता हूँ।

## उक्त सूचित की जायेगी के सम्बन्ध में कोई भी आपावेद—

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि या भी  
अपवाद नष्ट में सम्पन्न होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभिलेखावली के पाठ  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

ब्लॉक डी, कनाट प्लेस का वह भाग (जो कि उपर  
लिखित अन्तरिती द्वारा खरीदा गया है) जिसका दो मजिला  
भवन प्रभात होटल, बाटा शू कम्पनी एम्बेसी होटल आदि  
के अधिभोग में हैं।ए० के मनमोहनदा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-5 नई दिल्लीतारीख : 15-5-87  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/337ईई/9-

86/97—अन मूझे सुभाष कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
संशोधन पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269 ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो प्लॉट न० 7, ई  
सातवीं मजिल कमिशनियल बिल्डिंग नई दिल्ली में स्थित है  
(और इसमें उल्लिखित अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन सक्षम अधिकारी कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख, के अधीन  
तारीख सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से है कि किसी आय का अन्तरक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिनियम  
में कमी करने या उससे बचने में बाधा न आए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्ति को  
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम का  
अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रबोधनार्थ अन्तरिती दवाग प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) सुरकिमा खडारी 12, सुन्दर नगर, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) पमम ओरेंट ब्रान्डम एड स्टोक नि०, हनुमानिया,  
7 वीं मजिल, 15, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि या भी  
अवधि वाद में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त  
सूचना के लिए उचित बाजार मूल्य का निर्धारण करना

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

प्लॉट न० 7, ई 7वीं मजिल कमिशनियल बिल्डिंग  
हनुमानिया 15 बाराखम्बा रोड नई दिल्ली 1

सुभाष कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली 110002

तारीख 12-5-87

मोहर



प्रारूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-7/4/37ईई/9-86/100—

अतः मुझे सुभाष कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो 5 नीलगिरी अपार्टमेंट वाराखम्बा रोड नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से गणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारत/व आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धन प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेसर्स कलास नाथ एण्ड असोसिएट 1006, निम्नविजंगा 18 बारखम्बा रोड, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
- (2) मेसर्स मेहरा एण्ड प्रोडक्ट (प्रा०) लि०, 40 आराकेशन रोड, राम नगर, दिल्ली-55  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में एक आक्षेप।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये गये हैं।

## अनुसूची

फ्लैट क्षेत्र 1600 वर्गफीट नं० 5, पांचवी मंजिल नार्थ टावर एक कार पार्किंग स्पर्श के लिए मल्टी स्टोरी ग्रुप हाउसिंग स्कीम नीलगिरी अपार्टमेंट 9, बारखम्बा रोड, नई दिल्ली-1.

सुभाष कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक :—12-5-1987

मोहर :

प्रकरण भाई.टी.एन.ए. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई०ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/9-86/102-

अतः मुझे सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो 30 जोर बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन संक्षेप प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय प्राप्ति अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन तारीख सितम्बर 1986।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त का है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल के बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एक अन्तरण का लिए तब थाया बड़ा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अधिनियम 1908 के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है - -

(क) अन्तरक से है कि किसी धन या अन्य आस्तियों

अधिनियम के अधीन का धन या अन्य आस्तियों

दायित्व में किसी धन या अन्य आस्तियों के लिए, और/या

के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार अतः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री स्व० श्री ललित मोहन आर०/ओ० 6-सी० केदार नाथ बिट्ठिंग अनुशक्ति मार्ग डनर बम्बई-सतीश नन्दर 7-31 दरिया गंज दिल्ली-3, आर० शरन बी०-1/22-सफ़दर जंग इनक्लेव नई दिल्ली

बी० बी० कुनार, 305 ई० शिपला हाउस नेपियन रोड, बम्बई,

श्रीमती मधुरी निशोर, 48 बी० गोलातालाब नीलू खेड़ी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सत्या मल्होत्रा, 30 जोर बाग नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना के तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिनियम के अधीन किया गया है;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, बाह्यस्थानी के पास किसी व्यक्ति द्वारा, और/या

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

30 जोर बाग नई दिल्ली तदादी 313 वर्ग मीटर।

सुभाष कुमार

संक्षेप प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक :- 12-5-1987

मोहर:-

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयुक्त, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई ए० सी०/एक्यू०/34/37ईई०/9-86/

103—अतः मुझे सुभाष कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो 1,10 वीं मंजिल, 19 बरखम्बा  
रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन सक्षम अधिकारी के  
कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269  
ख के अधीन दिनांक सितम्बर 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
संग्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जोड़ित  
शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपभागा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ज्ञान गंगाधर अलवालिया पुत्र श्री बीर सिंह  
अलवालिया सी० ओ०/ मेसर्स मोडर्न टेलिज एण्ड०  
भारत 16, सनलाईट बिल्डिंग आसफ अली रोड,  
दिल्ली-2 ।

(अन्तरक)

(2) श्री मती मजूमदार श्रीमती नाशी मेहरा  
श्रीमती स्वर्णा मेहरा आर०/ओ० ई० 238, ग्रेटर-  
कैनाश-2, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथक् संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

10वीं, मंजिल 19 बरखम्बा रोड, नई दिल्ली।

सुभाष कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक :—12-5-1987  
मोहर :—

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12.11.1987

निदेश र० आई ए० १०/॥ १-२' ३७६/९-३०'

110—अन मये सुभा० वरार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 40) के अन्तर्गत  
इसके पश्चात् 'उद्यम अधिनियम' बनाया गया है। श्री मंत्री  
269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह बताया कि  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अंशित बाजार मूल्य  
1,00,000/- से अधिक है।

और जिसकी सं० फाट 606 का पता 21, एन. ए. रोड, नई दिल्ली में है। यह एक अलग इकाई है जो मेरे द्वारा पूर्ण रूप से निर्वाह की जाती है। मैं इसे कार्यालय नई दिल्ली में रख रहा हूँ। अक्टूबर 1900 (1900-1-16) के अधिनियम के अंतर्गत ही यह (1908 में भारतीय प्रांतीय विधान 1901 के अंतर्गत 2697, ख के अधिनियम के अंतर्गत 11 अक्टूबर 1900)

को पूर्वांकित सम्पादित को उचित आजार मूल्य में इस क्र. दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित कर। यदि इस अंतरित कर के उचित मूल्य करने का कारण है कि यथावश्यक सम्पादित या उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ए. के. दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और आजार (अंतरित) आजार अंतरित अंतरित (अंतरित) के बीच के ए. के. अंतरण के लिए अंतरित पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उचित अंतरित लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(1) एन० गुमान मन्त्र पत्र० नू० एफ० एक-11,  
जयपुर, ए नटेशन नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विमला कुमार मुष्य दे, एन० अपूर बोजे-  
120, वे० २ शाहीनार बाग, नई दिल्ली-30।

( प्रस्तुति )

क। यह मन्त्र पढ़ी करके पूरा सफाई व अर्जन के लिए

उक्त भूमि। वे अन्तः क सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(3) २५ जनवरी १९८० को तारीख से ४५ दिन की अवधि में तब तक व्यक्तिगत पर सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि ब्राह्मण पर लागू होगी, उसे भी अवधि के अन्तर्गत गिना जाएगा।

(10) दूर जूना को रात्रि में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर छात्रार सम्पत्ति में हितबद्धता अन्य संपत्ति दायित्व तथा अन्य के पास नहीं होनी चाहिए।

इस प्रकार प्रत्यक्ष रूप से और पदों में, जो उक्त  
 रूप में जो अर्थात् १०-क में परिभाषित  
 है वह उक्त रूप में ही है, अर्थात् म दिया  
 गया है।

(क) अन्तरण संहिता किसी भी व्यक्ति को अपने अधिकारों के अतिरिक्त अन्य कानूनी दायित्वों में कमी नहीं लाएगी।

अनसूची

फोटो नं० 706, 22, 1 खम्भा रोड, नई दिल्ली  
क्षेत्र 250 वर्ग फीट।

(ख) ऐसी किसी आग या चाली धन या अन्तः अग्नि।  
को, जिन्हें भारतीय अधिनियम अग्नि 1922  
(1922 का 11) या एम्मा अधिनियम, 1957  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व  
प्रयोजनार्थ अन्तःस्थ द्वारा अन्तः स्थिति  
था या किया जाना चाहिए था, 'छपान म' स्विच  
के लिए,

तुभा ५ ५ ५ र

१५। तथि गरी

प्रा.प्रा. प्रा.प्रा. (निरीक्षण)

अर्जुन - 3, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 219-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 - की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर धर्ती

दिना - 12-5-1987

मोहर

प्ररूप नाम: टी. एन. ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई०ए०सी० एक्ज०/3/37ईई 9-86/120--

अतः मुझे, सुभाष कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 94, है तथा जो सुन्दर नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ग के अधीन दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का आयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्येकान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—106 GI/87

(1) श्री गजेन्द्र कुमार, सत्येंद्र कुमार बृजेन्द्र कुमार, मकान न० 3335, वार्ड-9, कूचा बजराना वाली, बजमाना सीता राम वाली, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चंद्रप्रभा अतुल 2, वेस्टर्न एवेन्यू, महा रानी बाग, दिल्ली-5 पुष्पावती वतल धौलपुर हाउस, महात्मा गांधी, आगरा।

(अन्तरिती)

(3) श्री प्रेम नारायण खश्राजूकामो इनन द्वारा 50 सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाध में बयान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितगुरु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्थाक्षरी के माध्यम से निवेदन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्ना 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

49, सुन्दर नगर, नई दिल्ली। 866.66 वर्ग गज

सुभाष कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 12-5-1987

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/3/37ईई/9-86/121ए—

अतः मुझे, सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो फ्लैट न० 1101बी,  
बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), सक्षम अधिकारी के  
कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269कख के अधीन दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
भ, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) असल प्रोपर्टीज एण्ड इन्व्स्टीज प्रा० लि०, 115-  
असल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) कुमारी श्वेता असल, अभिभावक श्री गोपाल  
असल, 57-ओर बाग, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1101-बी, 21-बाराखम्बा रोड, क्षेत्र 500  
वर्ग फिट।

सुभाष कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-111, नई दिल्ली।

दिनांक . 12-5-1987  
मोहर.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्यू०/3/37 ईई/9-86/121-  
सी०—अतः सुभे, सुभाष कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं है तथा जो 21, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली,  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269कख के अधीन दिनांक  
सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए इस  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी वन या अन्य वास्तवों  
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अंसल प्रोपर्टीज एण्ड इंडस्ट्रीज, लिमिटेड 115-  
अंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) दीपक अंसल (एच० य० ए०) 57-जोर बाग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पत्रोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 812-बी, 21, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।  
450 वर्ग फिट।

सुभाष कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987  
मोहर :

प्रश्न भाई, टी, एन, एल, ---

मानक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**नाइव कसबा**

कार्यालय, सहायक नायकर नायक (निराक्षर)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निर्देश सं० आर्इ० ए० सी०/एक्यु-7/3/37ईई/9-86/III—

अतः मुझे, सुभाष कुमार

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

5,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 504 है तथा जो बाराबम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भागतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269कख के अधीन, दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतीय रूप से कथित है कि वा गबा है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाव की वापस, उक्त अधिनियम से अधीन रहने के अन्तरण के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ हों, जिन्हें भारतीय आदकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संबंध के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब को, अनुसूची में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) डा० अरुण कुमार मिसैज प्राशा श्रीवास्तव  
मास्टर आदर्श कुमार 5, शंकराचार्य मार्ग,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री भगवान गम्भीर सुपुत्र श्री एस० गुरबचन सिंह 6, डीरलेन एबन्यू, आटोबा आनलेटों, केनेडा।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के संचयन में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समझा होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के एवमपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के माध्यमिष्ठ से किए जा सकेंगे।

**समाधान :-** इसमें प्रयुक्त शब्दों की वषों का, जो उक्त क्षीयनियम, से अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## प्रमुख सूची

25 प्रतिशत प्लेट नं० 504, तादादी 595 वर्ग फिट, पांचवां खेड; 21, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

सुभाष कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आककर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987  
मोहर :



प्ररूप भाई टी एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्यू०/-7/3/37ईई/9-86/

112--अतः मुझे सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 504 है तथा जो, बाराखम्बा रोड, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269 क, ख के अधीन तारीख सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अतः यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से बड़े दृश्यमान प्रतिफल के  
प्रत्यक्ष प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिणी  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तर्गत से हुई किसी बात की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
कार्यक्रम में कमी करने या उचित करने में बाधा  
आए/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाँहिए था, किन्नाम के कारण  
है लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० अरुण कुमार, श्री मती आशा श्रीवास्तवा  
मास्टर् आदर्श कुमार, निवासी-5 शकराचार्य  
मार्ग दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्दर गाम्बर पत्नी श्री भगवान गोम्बर  
निवासी-6 धिरलेन एवेन्यू ओटावा ओनरिया  
कनाडा, के०-2ई-6 डब्ल्यू-8,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

25 प्रतिशत भाग, प्लेट नं० 504, तावावी-598 वर्ग  
फिट, पाँचवी मजिल, 21 बाराखम्बा रोड नई दिल्ली।

सुभाष कुमार

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

दिनांक 12-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-7/3/37-ईई/9-86/118-

अतः मुझे, सुभाष कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 504, है तथा जो 21, बाराखम्बा रोड, दिल्ली में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क के अधीन दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्षतः :—

(1) डा० अरूण कुमार (2) मिर्जेज आशा श्रीवास्तव मास्टर आदर्श कुमार निवासी 5, शंकराचार्य मार्ग, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मिस मीरा गम्भीर यू०/जी० श्री भगवान गम्भीर निवासी-6, वीरलन एवेन्यू, ओटोवा आनलटो, कैनेडा।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

25 प्रतिशत प्लेट नं० 504, तादावी 595, वर्ज फिट पांचवां खंड, 21, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

सुभाष कुमार  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-3/37ईई/1सी-86/  
125--अतः सुझे, सुभाष कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 504, तादादी है तथा जो 21, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1961 की धारा 269-ख के अधीन दिनांक सितम्बर, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) डा० अरुण कुमार मिसेज आशा श्रीवास्तव मास्टर आदर्श कुमार 5, शंकराचार्य रोड, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
- (2) मिस रीना गम्भीर यू/जी भगवान गम्भीर 6, डीलन, एवेन्यू, ओटोबा, आनखेश कौनेडा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों-और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

25 प्रतिशत फ्लैट नं० 504, तादादी 595 वर्ग गज पांचवां खंड, 21 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

सुभाष कुमार  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-3/37-ईई/9-86/164--

अतः मुझे, सुभाष कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 201 है, तथा जो 19/41, पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, दिनांक मितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैमर्स गीयनिका बिल्डिंग प्रा० लि० थ्रू एस० के० मरगोई डारैक्टर एन-86, कनाट प्लेस नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) मैमर्स मयूर कर्मिकल लि० एन-85, कनाट प्लेस नई दिल्ली-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास-लिखित में किए जा सकेंगे।

साष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 201, 19/41, पंजाबी बाग नई दिल्ली-26

सुभाष कुमार

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहूर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-3/37-ईई/9-86/165--

अतः मुझे, सुभाष कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 202 तथा जो 19/41, पंजाबी बाग  
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

12-106 GI/87

(1) मैसर्स गोमति का बिल्डर्स प्रा० लि० द्वारा श्री एस०  
के० सरगई (डॉक्टर) एन-86, कनाट प्लेस  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स जी० आर० जी० एसोसिएट्स प्रा० लि० 2/72,  
पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
व्यर्थबर्हिहण करत हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थवर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय के विना  
गया है।

## अनुसूची

प्लेट नं० 202, 19/41, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।  
प्लॉट एरिया 1213.96 वर्ग फिट चार्जएबल 1173.83  
वर्ग फिट।

सुभाष कुमार

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली।

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/37-ईई/9-86/117-

अतः मुझे, सुभाष कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी है तथा जो सं० फ्लैट नं० 707, 12, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बड़ा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को यावत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शक्ति में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/वा

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती प्रिया मेहरा, एस-44, पंचशील पार्क, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मनु गुप्ता, 11/10, शक्ति नगर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 707, 21, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली । क्षेत्र 595 वर्ग फिट ।

सुभाष कुमार

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/9-86/155-

अतः मुझे, सुभाष कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो 16/2166-67 नाइवाला,  
करोलबाग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किता जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती आशा रानी, 16/2166-67, नाइवाला,  
करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरज)

(2) श्री अवतार सिंह, डी-11, एन० डा० एस० ई०-II  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

16/2166-67, नाइवाला, करोलबाग, नई दिल्ली।

सुभाष कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर

प्रकृष नीति. टी. एन. एड.-----

भाषांतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/9-86/

660—अत भुमि, एम० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके इसमें इससे पहले 'अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेचित करने का कारण है कि स्थानिक संघर्ष जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० है तयाजो सी-1/16 वसंत विहार नई दिल्ली-

1100057 में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और

पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय

नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908

का 16) के अधीन, दिनांक मितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवेचित का कारण है कि उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री यू० एम० टेकचन्दानी, ए-1/71, आजाद अपार्ट-मेंट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अन्तर सैन जैन, विनोद सागर जैन, अरुण सागर जैन, राजदुलारी जैन, 1, धर्ममार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादों :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाबद्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सी०-1/16 वसंत विहार, नई दिल्ली-110057 क्षेत्र  
342.8 वर्ग मीटर।

एम० सी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :



प्रत्यक्ष आर्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेश सं० आर्ष० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/9-86  
661--अत. मुझे, एस० सी० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खींचत बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं० 267 वर्ग गज है तथा जो ए-8/28, बसंत विहार, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवस्था प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास उत्पन्न का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य उसके व्यवस्था प्रतिफल से, ऐसे व्यवस्था प्रतिफल का पक्ष प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया था प्रतिफल निम्नलिखित दृष्टिकोण से उक्त अंतरण मिश्रित से तात्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) इकबाल सिंह सोढ़ी सुपुत्र स्वर्गीय श्री हरि सिंह निवामी 2075, सैक्टर, 21 सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीन्दर सिंह सरना सुपुत्र देवा सिंह सरना बी-7 एक्सटेंशन/18, सफदरजंग एन्क्लेवन नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों को सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते हैं।

संकेतितः—इसके अग्रिम वर्गों की वस्तुओं, जो उक्त अधिनियम के बन्धन 20-क से परिभाषित हैं, नहीं बर्त होना जो उस बन्धन के विषय में है।

अनुसूची

प्रापटी नं० ए-8/28 बसंत विहार, नई दिल्ली। तादावी 267 वर्ग गज।

एस० सी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/9-86/

663--अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 33, है तथा जो स्ट्रीट नं० 5, शांति निकेतन  
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कथ के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बादिले में कमी करने या उचित बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती कृष्णा सूरी पत्नी स्वर्गीय श्री रामनाथ सूरी,  
जे-186 ए, राजोरी गार्डन, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कांता वशेश्वर चड्ढा पत्नी श्री वशेश्वर नाथ  
चड्ढा, सी-5/7, वसंत विहार, नई दिल्ली-1100057।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुक्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताधारी के पाठ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

साष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

प्लॉट बियरिंग नं० 33, स्ट्रीट नं० 3, शांति निकेतन, नई  
दिल्ली मकान व अवासीय प्लॉट। तादासी 601 वर्ग गज।  
तल खंड 1729.44 वर्ग फिट प्रथम खंड 201.56 वर्ग  
फिट कुल 1931.00 वर्ग फीट

एस० सी० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987  
मोहर :

## प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 260-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर-3/9-86/

664- अतः मझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ई-4/5, है तथा जो बसन्त बिहार, नई दिल्ली-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एल० सी० भसीन,  
बी-4ए/17, राणा प्रताप बाग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री एन० आर० ढोंगरे, और  
श्रीमती उमिला एल० ढोंगरे,  
डी-7/5, बसन्त बिहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही बर्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ई-4/5, बसन्त बिहार, नई दिल्ली (410 वर्ग गज)  
लगभग 600 वर्ग फीट तल खण्ड।

एस० सी० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 दिल्ली

तारीख : 15-5-1987  
मोहर :

प्रकृष आर्. डी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्/1/एस आर-3/9-86/  
665—अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस० 283, है तथा जो  
पंचशीला को-ऑपरेटिव हाउस, बिल्डिंग में स्थित है (और इसमें  
उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यन्त्रपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
अवधारण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः व्हा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० महेन्द्र प्रसाद जैन,  
एस०-287, पंचशीला पार्क,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती माला रानी मेहरा,  
डी-80, गूलमोहर पार्क,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना करी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

लीज होल्ड 1 प्लॉट क्षेत्र 847.80 वर्ग गज बराबर  
706 वर्ग मीटर नं० 283, ब्लॉक एस्, के-आउट प्लान  
पंचशीला को-ऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड,  
साथ में अपूर्ण बिल्डिंग व फिटिंग।

एस० सी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेश सं० सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर-3/9-86/

666—अन० मुक्त, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ए-11/16, है तथा जो बसन्त बिहार, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसी द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

—106 GI/87

1. श्रीमती कमला सुरी  
पत्नी श्री स्वर्गीय पी० एन० सुरी  
एन-115, ग्रेटर कैलाश भाग-1,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सत्यपाल जैन  
सुपुत्र जे० के० जैन  
ए-96, न्यू फ्रेंड्स कालोनी,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी नं० ए-11/16, बसन्त बिहार, नई दिल्ली  
तादादी 600 वर्ग गज।

एस० सी० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली

दिनांक: 15-5-1987

सोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस आर/3/9 86/670-

अतः मुझे, एस० भी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो गेरेज प्लॉट प्राप्टी नं० तथा जो एस-5, जी० के०-1 नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-वर्ती अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का दस प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सूचिभा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुरेश चन्द जैन  
मुमुज एस० प्रधान चन्द जैन  
2 वा 6, दादावरी कोटा।

(अन्तरक)

2. मैमर्न ओसिगन कस्ट्रक्शन इण्डस्ट्रीज लिमिटेड  
ई-588, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।  
द्वारा जुगल किशोर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गेरेज प्लॉट प्राप्टी नं० एस-5, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। नावादी 500 वर्ग गज। पूर्ण क्षेत्र 100 वर्ग गज।

एस० सी० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987  
साहू :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर-3/9-86/  
671—अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एल-5 है तथा जो ग्रेटर  
कैलाश-1, नई दिल्ली 500 वर्ग गज में स्थित है (और  
इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख सितम्बर, 1987

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर के गृहीत हैं और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

1. श्रीमती सरला जैन पत्नी  
श्री सुरेश चन्द जैन  
2 का 6, दवावरी, कोटा।

(अन्तरक)

- 2 मैसर्स ओसियन कंस्ट्रक्शन इण्डस्ट्रील लिमिटेड  
ई-588, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली  
द्वारा जुगल किशोर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रापटी का भाग नं० एस-5, ग्रेटर कैलाश-1, तावादी  
500 वर्ग गज नई दिल्ली।

एस० सी० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-4, दिल्ली.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 15-5-1987  
मोहर.

प्रकट आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एसयू/1/एस० आर-9/-86/672-

अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या एस-5, है तथा जो ग्रेटर कैलाश  
1, नई दिल्ली, तादादी 500 वर्ग गज में स्थित है (और  
इससे उपाख्य अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पक्ष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए द्य पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आधिकारिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
निबन्ध के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सूचिभा के लिए  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिभा  
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री राकेश जैन सुपुत्र श्री सुरेश चन्द जैन  
2 का 6, दादाबरी कोटा।

(अन्तरक)

2. मैसर्स ओसियन कंस्ट्रक्शन इण्डस्ट्रीज लिमिटेड  
ई-588, ग्रेटर कैलाश-2,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रापटी का भाग, न० एस-5, तादादी 500 वर्ग गज,  
स्थित ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

एस० सी० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987  
मोहर.



**अध्याय 21. एन. एन. एन.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज-1, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

सं० आई० ए० सी०/एक्यू 1/एस० आर-3 9-86 673-

अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बेसमेंट बी०-223 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अर्थानुसार अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. स्टूडिंग अपार्टमेंट प्रा० लि०

1205, नई दिल्ली हाउस,

27, बराकम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. रणजीत सिंह सुपुत्र स्वर्गीय प्रताप सिंह

निवासी -10 बी, श्री कृष्णापुरी,

पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेसमेंट बी-223, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-110048,  
1620 वर्ग फीट।

एस० सी० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

प्रकरण बाई-टी.एच.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1 एस० आर०-3/  
9-86/674—अतः मुझे एस० सी० गुप्ता  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए, तल खण्ड बी-23 है तथा जो  
ग्रेटर कैलाश-1 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर  
1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
संग्रह प्रतिफल में अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से सक्त अंतरण निहित में  
वित्तीयिक रूप से अधिक नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम की अधीन करने के अन्तरक को  
बाधित में कमी करने या उसमें बचत में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) स्टूडिंग अपार्टमेंट प्रा० लिम० 1205, नई  
दिल्ली हाउस, 27 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती मेहता पत्नी श्री सुनील मेहता निवासी  
10वीं श्रीकृष्णापुरी पटना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही कराता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए, तल खण्ड बी-223, ग्रेटर कैलाश-1,  
नई दिल्ली, 3 बेड रूम, तीन बाथ रूम, एक ड्राइंग  
डाइनिंग और एक किचन। क्षेत्र 1620 वर्ग फीट।

एस० सी० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस०आरे०-3/9-86/

675--अतः मुद्रा, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० बी 223 मैजानिन खण्ड है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मैसर्स स्ट्रुलिंग अपार्टमेंट प्रा० लिमिटेड  
1205, नई दिल्ली हाउस,  
27, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001  
(अन्तरक)

1. डा० मिसेज दीवानतला सिंह  
पत्नी रणजीत सिंह  
10-बी, श्रीकल्याणपरी पटना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी बी 223, मैजानिन खण्ड ग्रेटर कैलाश-1, दिल्ली-48, एक कमरा, एक बाथरूम और एक किचन क्षेत्र 405 वर्ग फीट।

एस० सी० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, दिल्ली नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987  
मोहर :

प्रत्येक आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं० आई ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर०-3/9-86/

676—अतः मुझे, एम० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 118, ब्लॉक नं० एन०  
जी० के०-1 है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और  
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पक्ष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आमत्यक्ष रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्तियों :—

1. एस० त्रिलोचन सिंह भ्रानन्द  
मुपु श्री एस० तथा सिंह भ्रानन्दा  
ई-124, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मास्टर नितिन महाजन  
मुपु श्री ललित महाजन  
और मास्टर जैतिन महाजन  
मुपु श्री ललित महाजन  
द्वारा पिता और अभिभावक  
218, गुलमोहर एनक्लेव,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबोध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/3 शेयर प्रापटी प्लॉट नं० 118, ब्लॉक नं० क्षत्र  
300, बर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

एस० सी० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1 दिल्ली नई दिल्ली

दिनांक 15-5-1987  
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर०-3/9-86/  
677—अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि म्हावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 118, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि म्हापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
14—106 GI/87

1. एस० त्रिलोचन सिंह आनन्द  
सुपुत्र एस० नथा सिंह आनन्द  
निवासी ई-124, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
2. महाजन फाउण्डेशन द्वारा ट्रस्टी ललित महाजन  
सुपुत्र जे० मित्र महाजन  
निवासी-1411 चिरनजीव टावर, 43, नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली-19  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वार सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 शेयर प्राप्टी प्लॉट नं० 118, ब्लाक एन, तावादी  
300 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

एस० सी० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

प्ररूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेश सं० आर्डी० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर-3/9-86/  
678—अतः सुझे, एस० सी० गुप्ता ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन मन्त्रिमण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या प्लॉट नं० 118 है तथा जो ग्रेट  
कैलाश-1, 300 वर्ग गज नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें  
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मन्त्रिमण यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

1. एस० त्रिलोचन सिंह आनन्द  
सुपुत्र एम० तथा सिंह आनन्द  
ई-124, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

(अन्तर्क)

2. अनिला महाजन पत्नी श्री ललित महाजन,  
निवासी 219, गुलमोहर एनक्लेव, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् स्थावर के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3, गेयर प्रापर्टी प्लॉट नं० 118, ब्लॉक एन० 300  
वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।

एस० सी० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987  
मोहर

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेशनं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर-3/9-86/

679-अतः मुझे, एम० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 1/4 भाग सी० 189 है तथा जो  
ग्रैंटर कैलाश-1 नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर  
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुरजीत कौर  
पत्नी स्वर्गीय सरदार सन्तोष सिंह  
सी-189, ग्रैंटर कैलाश-1,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. चन्द्र सेन जैन सुपुत्र श्री मिलर सेन जैन  
एस-150, ग्रैंटर कैलाश-2,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जहाँ उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/4 अविभाज्य शेयर प्रोपर्टी नं० सी०-189, ग्रैंटर  
कैलाश-1 नई दिल्ली क्षेत्र 400 वर्ग गज।

एम० सी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली

दिनांक 15-5-1987

मोहर

**व्यवस्थापक. डी. एच. एच. ----**

**भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्वांसिप, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेशसं० आई० ए० सी०/एचयू/1/एस० आर-3/9-86/

680-अत मुझे, एस० सी० गुप्ता,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/-रु से अधिक है

और जिसकी संख्या सी०-189, है तथा जो ग्रेटर  
कैलाश-1 नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का  
पञ्चगुण प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीया) के बीच एन अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती सुरजीत कौर  
पत्नी स्वर्गीय सरदार सन्तोष सिंह  
सी० 189, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री राकेश जैन (एच० यू० एफ०)  
द्वारा कर्ता राकेश जैन सुपुत्र चन्द्र सेन जैन  
एस-150, जी० के-2,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप .—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कुछ  
बहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बाधोपस्थापकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

1/4 अविभाज्य शेयर प्रापर्टी न० सी०-189, ग्रेटर  
कैलाश-1, नई दिल्ली 1 क्षेत्र 400 वर्ग गज।

एस० सी० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक 15-5-1987

मोहर



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर०-3/9-86/

681-अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बी-189, है तथा जो ग्रेटर  
कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सुरजीत कौर पत्नी स्वर्गीय सन्तोष सिंह  
सी-189, ग्रेटर कैलाश-1,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. उवसर्ती जैन पत्नी राकेश जैन  
एस-150, ग्रेटर कैलाश-2,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/4 अविभाज्य गयर प्रापटी नं० सी-189, ग्रेटर कैलाश,  
1, नई दिल्ली। (1/4 भाग का 400 वर्ग गज)।

एस० सी० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

अरूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर 3/9-86/682—अतः भुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्रापटी नं० सी०-189 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से गुंसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच गुंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुरजीत कौर  
पत्नी स्वर्गीय सन्तोख सिंह  
सी०-189, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री राकेश जैन,  
सुपुत्र श्री सी० एस० जैन,  
एस०-150, ग्रेटर कैलाश-2,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 अविभाज्य शेयर प्रापटी नं० सी०-189, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। 1/4

वर्ग गज।

एस० सी० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली

दिनांक: 15-5-1987

मोहर:

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/9-

86/683 --अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रापटी नं० एम०-66 बी० के० है तथा जो 1

तावादी 750 वर्ग फीट में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण है हुई किसी बात की वानत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा

(ख) एकी किसी बात या किसी धन का अन्य वास्तविकता को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री धूषण कुमार उप्पल सपुत्र स्वर्गीय श्री मूलब्राज उप्पल टी-64, पंचशील एंक्लव, नई दिल्ली।

(अन्तःक)

(2) श्रीमती पुनीता खोखड़ा पत्नी श्री शुभाष चोपड़ा एम-127, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तर्गति)

को यह सूचना जारी करण, पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाईयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समवधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी का भाग ग्रांडड फ्लोर नं० एम-66, तावादी 750 वर्ग फीट ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

एस० सी० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 15-5-1987.

मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०/89-  
86/684—अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ग्राउंड फ्लोर है तथा जो एम-66, ग्रेटर कैलाश-I  
मार्केट, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भूषण कुमार उप्पल सुपुत्र स्वर्गीय मूलख  
राज उप्पल डी-64, पंचशील एन्क्लेव, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष चोड़ा सुपुत्र वीरान मूलख प्रकाश  
चोपड़ा, 7 ए/27, डब्लू इ० ए०, करोल बाग, नई  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

ग्राउंड फ्लोर का भाग प्रापटी नं० एम-66, ग्रेटर कैलाश-I  
मार्केट-1, नई दिल्ली। प्लॉट एरिया 196 वर्ग गज। फ्लैट एरिया  
750 वर्ग फीट।

एस० सी० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

तारीख : 15-5-1987.

मोहर :

एक बार, डी. एन. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए, सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-3/  
9-86/685 —अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-28 है तथा जो निजामुद्दीन  
ईस्ट, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख मितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पक्ष प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के संबंध के  
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में छविता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
वच-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युक्ति  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
15-106 11/87

- (1) श्री ग्यान सिंह, सी-66, मालवीय नगर, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
- (2) राज नागयण खन्ना, सी-28, निजामुद्दीन ईस्ट,  
नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के विषय  
कार्यवाही शुरू करवा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रूप किसी व्यक्ति द्वारा। अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

सी-28, निजामुद्दीन ईस्ट, नई दिल्ली। जी० एफ० 1140  
एफ० एफ० सेम, एस० एफ०-240

एस० सी० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 15-5-1987  
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/  
9-83/686—अन: मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० डी-21, है तथा जो निजामुद्दीन नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
शायित्य में बन्नी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीसंतोष धमीजा पत्नि श्री जी० एल० धमीजा, श्रीमति  
संयोगता मल्होत्रा पत्नि कैलाश चन्द्र, निवासी—  
डी-21, निजामुद्दीन वेस्ट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तापती मिहीकी पत्नि श्री शाहिद सिद्दीकी,  
2, निजामुद्दीन वेस्ट मार्केट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रापटी प्लॉट नं० डी-2, निजामुद्दीन वेस्ट नई दिल्ली  
तादादी लगभग 278 वर्ग गज।

एस० सी० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख 15-5-1987  
मोहर

**अनुसूची-टी.एन.ए.ए.-----**

**भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1987

निर्देश सं० आई ए सी/एक्यू/1/एस आर-3/9-86/687:-

में अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो बी-40, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब जाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

**(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की जायत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या**

**(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;**

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :

1. श्री वेद रतन<sup>1</sup> श्री राजीव रतन, श्री संजीव रतन 6, मास्टर प्लान रोड, वर्तमान पता 42, लागपत कुंज, आगरा

(अन्तरक)

2. श्रीमती राजकुमारी भाटिया सर्वश्री ए० के० भाटिया, पी० के० भाटिया, अनिल भाटिया एवं सुनिल भाटिया निवासी ए-18, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

**को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।**

**उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :-**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा.

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे.

**स्पष्टीकरण :-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

बी-40, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

एस० सी० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

प्रकट आई.डी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भाष्य द्वारा

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली,

दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/-1/एस० आर०-3/9-86/  
688:—अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो बी-101, ग्रैंटर  
कैलाश-1, नई दिल्ली 1000 वर्ग गज में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अधोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धित में  
वास्तविक रूप से कटिबद्ध नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुए किसी बाव की वापस, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. शारदा शेषाद्रि,  
29, मालवा रोड, नई दिल्ली।
2. राजेश खन्ना  
डी० वीला स्टेशन रोड, जयपुर।
3. हिमांस खन्ना  
जे०-20, जंगपुरा, एकमटेन्शन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. सुधीर सरीन  
बी-101, ग्रैंटर कैलाश-1,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला बंगला नं० बी-101, ग्रैंटर कैलाश-1,  
नई दिल्ली दो गैरज, तादावी 1000 वर्ग गज। दो सर्वे  
क्वाटर।

एस० सी० गुप्ता  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

सं० आई०.ए० सी०/एक्यू/7/37-जी/9-86/689:--

आ. म. से, एम० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो मकान नं० बी-

229 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपा-  
बद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर,  
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
यह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री रघुवंश किशोर निगम  
बी-229, ग्रेटर कैलाश-1,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री गुरविन्दर सिंह खुराना,  
2. दमोदर सिंह खुराना,

3. सुरजीत सिंह खुराना  
ई-21-ए०, ईस्ट आफ कैलाश,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-229, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।  
तादादी 300 वर्ग गज।

एम० सी० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987  
मोहर :

## प्रथम भाग, टी.एच.एच. 20-11-1922

बाधक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/7-32-4/9-86/690-

अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

बाधक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रु. 1,00,000/- से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो बी-162, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की क्षयमान प्रतिफल से लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्षयमान प्रतिफल से ऐसे क्षयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाधक अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बाधक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कब्जाएँ द्वारा प्रकट नहीं किया गया या कि या प्रकट करा जाए या, जिन्हें न सूचित किया गया;

उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रताप सिंह पुत्र श्री सरदार गुरुमुख सिंह,  
सी०-162, ग्रेटर कैलाश-1,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मेसर्स फटिलाइजर कं० लिमि०,  
सी०-114, ग्रेटर कैलाश-1,  
नई दिल्ली द्वारा श्री उत्तम सरोफ  
पुत्र श्री राम रतन सरोफ  
पता एस०-533-ग्रेटर कैलाश-2,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के निम्न कार्यवाहीय सूचक करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में उद्घाटित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिल मकान नं० सी०-162, ग्रेटर कैलाश-1,  
नई दिल्ली, तादावी 338 वर्ग गज।

एस० सी० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

## सहायक आयकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस आर-3/9-86/692:—

अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या हाउस बियरिंग नं० ई-30, ग्रैंटर कैलाश-1 में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घोष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की मात्रा, उक्त अधिनियम के अधीन कय होने की अवस्था में बाधित हो कभी कटने या उक्त सूचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्ह भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वाय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकाशनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किन्तु बाधा बाधिए था, विधान के सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमता प्रेम कौर सहगल पत्नी श्री बाल कृष्णसिंह सहगल ई-30, ग्रैंटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० अरोड़ा फार्म प्रा० लिमि० द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर श्री बंसीनाल अरोड़ा सुपुत्र स्वर्गीय किशन चन्द 105/27, सरस्वती हाउस, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संघर्ष के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक मंजिल मकान बियरिंग नं० ई-30, ग्रैंटर कैलाश-1, नई दिल्ली। तादादी 400 वर्ग गज।

एस० सी० गुप्ता,

प्रामथम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली।

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

साधारण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एम० आर-3/9-86/693-

अतः मुझे, एम० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और ज़मीन संख्या ई-62, तादादी 556 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली में स्थित है (और इसका उदाहरण अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मितम्बर, 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

इस अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16 —106 GI/87

1. श्रीमती रुक्मणी देवी पत्नी श्री किशोर चन्द  
निवासी के-7, कैलाश कालोनी,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. एवरेस्ट बिल्डिंग प्रो० लिमिटेड  
6-7, खंड अशोका भवन, नं० 93,  
नेहरू प्लेस, नई दिल्ली द्वारा  
असिस्टेंट मैनेजर पी० एन० गुप्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी नं० ई-62, तादादी 556 वर्ग गज स्थित  
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

एम० सी० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

हृदय बाई., टी. एन. ए. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रोज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर-3/9-86/693 ए-अतः मुझे, एम० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो प्रापटी नं० एम 42 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली तादादी है 510 वर्ग गज में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिवार्य द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ए० पी० महगल सुपुत्र आर० बीमाधो प्रसाद एम० 42, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री जे० जी० सुब्रीजा सुपुत्र चमन दाम सुब्रीजा 2897 कैप्टन स्ट्रीट दरिया गंज नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रथम खण्ड प्रापटी नं० एम०-42, तादादी 510 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली पूर्ण क्षेत्र 2250 वर्ग फीट।

एम० सी० गुप्ता

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

प्रकृष माह.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर-3/9-86/  
694:—अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी संख्या है तथा जो एस-94, ग्रेटर  
कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाय  
अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर,  
1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चन्द्र कांता पत्नी श्री अशोक कुमार  
टी-64, पंचशील एनक्लेव,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सन्तोष भगत सुपुत्र श्री पी० एल० भगत और  
श्रीमती शकुन्तला भगत पत्नी सन्तोष भगत  
निवासी ई-246, ग्रेटर कैलाश-1,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रथम खण्ड तादादी 300 वर्ग गज, प्रापटी नं० एस०  
94, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

एस० सी० गुप्ता,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अग्रवाल हाउस, 4/14ए आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०आर०-3/9-86/

696--अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या डब्ल्यू-48, तादादी 500 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-1 है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी वास्तविक या अल्प, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती ललिता गर्ग पत्नी श्री एम० एल० गर्ग, द्वारा एटोरनी नरेश चन्द्र जैन सुपुत्र स्वर्गीय मदन लाल जैन, एम-15, लाजपत नगर-3, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. मनोहर लाल कोठारी सुपुत्र श्री स्वर्गीय एम० एल० कोठारी ललित कोठारी सुपुत्र एम० एस० कोठारी श्रीमती पूनम कोठारी पत्नी ललित कोठारी और अमय कोठारी सुपुत्र एम० एल० कोठारी डब्ल्यू-48, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रार्थी न० डब्ल्यू-48, तादादी 500 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

एस० सी० गुप्ता

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर-3/9-86/  
697—अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या बांग्ला न० ए० सी०  
(8) कालकाजी तादादी 866 वर्ग गज है (और  
इससे उपाब्द्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
सितम्बर, 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राधान्यार्थ  
व्यतिरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए या जिन्हें वे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
नहीं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा—

1 श्रीमती लक्ष्मी साहनी, राजिन्दर सिंह साहनी,  
सुरिन्दर सिंह साहनी, श्रीमती हरबंस मलिक,  
श्रीमती सन्वत्त ग्राहलुवालिया पत्नी, सुपुत्री और  
श्री सुरजीत सिंह साहनी द्वारा ए सी (II) कालकाजी,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती स्नेह लता गुलिया  
पत्नी श्री कृष्णा कुमार गुलिया  
475, चिराग दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बांग्ला न० ए० सी० (8) कालकाजी, नई दिल्ली,  
तादादी 866 वर्ग गज।

एस० सी० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-1/एस० आर-3/9-86  
/698-अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो प्लॉट नं० सी० (सी)

24, कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपा-  
बद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
सितम्बर, 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति पुष्पा तलरेजा पत्नी श्री कृष्ण तलरेजा,  
रंगून स्टूडियो, जनपद,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. डा० मिस रंजना त्यागी सुपुत्री बलजीत सिंह त्यागी  
निवासी सी (सी०), 24, कालकाजी, नई दिल्ली  
और श्रीमति शांति त्यागी  
पत्नी श्री बलजीत सिंह त्यागी  
निवासी 24, कालकाजी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी  
अवधि बाव में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० सी० (सी०) 24, कालकाजी,  
नई दिल्ली। तादादी 867 वर्ग गज।

एस० सी० गुप्ता,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I-नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

प्रत्यक्ष भावः, टी. एम. ए. ....

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I-नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं० आर्डी० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर०— 3/9—  
86/699—अनः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो ई-77, कालकाजी,  
नई दिल्ली 300 वर्ग गज में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री नती अधिकारी  
के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर,  
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम्में दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिक्तियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तब तक  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री अनुराज चट्टोप  
मुपुत्र श्री स्वर्गीय आर० एम० देवी दयाल चण्डोक  
सी-395, डिफेंस कॉलोनी,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री नृपमिह दास अग्रवाल  
मुपुत्र श्री स्वर्गीय श्रीमान अग्रवाल  
ई-77, कालकाजी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा चुकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रावर्ती बियरिंग न० ई-77, कालकाजी, नई दिल्ली  
तादादी 300 वर्ग गज।

एस० सी० गुप्ता,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I- नई दिल्ली

दिनांक 15-5-1987

मोहर.

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1-नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं० आर्.टी.एन.एस./एस० आर० III/

9-86/700:-अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो 162, एफ० मालजा  
रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
बहु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लक्ष्य  
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुबोध से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वारिक में कमी करने या उत्तम बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

17-106 GI/87

1. श्री भवतार सिंह सुपुत्र जीवन्द सिंह  
डी-11, एन० डी० एस० ई-2, नई दिल्ली  
द्वारा एटोरनी बिमला जैनी, कृष्णा जैन,  
सरला रानी मरुप ।

(अन्तरक)

2. रिपू दमन बिन्ना सुपुत्री श्री भवतार सिंह  
डी-11, एन० डी० एस० ई-2, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्तमवर्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रापटी बियरिंग नं० 111, ब्लॉक नं० 48, (बोल्ड)  
डिप्लोमेटिक एनक्लेव, नई दिल्ली नया नं० 172, एफ०  
मालवा मार्ग दिल्ली । ताबादी 375 वर्ग गज ।

एस० सी० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

प्रकाश आर्ट्स, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, नई दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1-एस० एम०-3/9-86/  
701-अतः मुझे एम० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो नाप 195 वर्ग गज  
नं० एम०-26, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (और  
इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित सूच्येय से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(ब) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के शायित्य में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. एस० जसवीर सिंह गिल पुत्र श्री सरमुख सिंह गिल  
2. मैसर्स प्रेम जीत गिल,  
3. जगमोहन सिंह गिल (एच० यू० एफ०)  
4. एस० सुख मोहन सिंह गिल एच० यू० एफ०  
द्वारा एस० जसवीर सिंह गिल  
2057, सेक्टर 15-सी, चण्डीगढ़। (अन्तरक),  
2. 1 श्री राकेश वर्मा,  
2. राजन वर्मा,  
3. रीप्ता सेठ,  
4. प्रवीन सेठ  
ए 342, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

प्रापटी बियरिंग शाप नं० एम-26, ग्रेटर कैलाश, नई  
दिल्ली। 195 वर्ग गज।

एस० सी० गुप्ता,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

प्रत्येक अधि. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं. आई. ए. सी. 0/एन्यू/1/एस. आर-3/9-88/702-अंतः मुक्त, एस. सी. 0 गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो सी. 0-38, 1/1-2, स्टोरी बिल्डिंग ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री एस. के. सोनी,  
2 बी एकडेलिया प्लेस,  
कलकत्ता-19।

(अन्तरक)

2. श्री जोगिन्द्र कपूर,  
सी-38, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ग्राह्य परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी नं. 0 सी/38, 1/1-2, स्टोरी बिल्डिंग, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली। क्षेत्र 500 वर्ग गज।

एस. सी. 0 गुप्ता

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-87

मोहर :

**प्रत्यक्ष बार्ड, टी. ए. ए. ए.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्पू/1/एस आर-3/9-86  
/703— अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो सी-160, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली (एम० मंजिल हाउस) में स्थित है (और इसमें उाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के व्यवधान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यथा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किता आना चाहिए या छिपाने के सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तर्गत न, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री करतार सिंह सुपुत्र श्री साहिब सिंह,  
सी-170, ग्रेटर कैलाश-1,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स बन्धू बिल्डिंग्स प्रा० लिमि०  
बी-12, कालका जी एक्सटेंशन,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पाटी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों के सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन बंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सी-160, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली (एक मंजिल  
मकान) क्षेत्र 1620 वर्ग फीट ।

एस० सी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :



प्रकृति भाई.टी.ए.ए.ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/6/37ईई/9-86/

183— अतः मूझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो प्लॉट नं० 807 अम्बादीप 14, के० जी० मार्ग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है (सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन तारीख सितम्बर, 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का अन्तर्गत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सेल्स बर्थ इण्डिया प्रा० लिमि०  
38, लोकनायक भवन खान मार्किट,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मास्टर राजबगरिया नं० 16/5,  
बिभी क्रिसेंट बेंसन टाउन,  
बंगलौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपां :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ग्रह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी रूप से लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और रवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुप्राणी

प्लॉट नं० 807, अम्बादीप, 14, कस्तूरबा गांधी मार्ग,  
नई दिल्ली।

टी. के० शाह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

प्रत्येक आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी/एन्यू/6/37ईई/9-86/84—

अतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापित करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो फ्लैट नं० बी-1/5, ब्लॉक नं० 1, ग्रुप हाउसिंग आवासीय काम्पलेक्स 9 राज नारायण रोड दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 बख के अधीन, तारीख सितम्बर, 1987।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) होती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार न, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रजुसीचें बहुरिं श्री राजेश बहादुर,  
श्रीमती शीला घर, श्री अभिनव घर और  
श्री माधव घर,  
9 राज नारायण रोड, सिविल लाइन्स,  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

2. श्री राजीव खन्ना (एच० यू० एफ०),  
संजीव खन्ना (एच० यू० एफ०),  
विविन्दर चन्द खन्ना एण्ड  
श्रीमती माया खन्ना।  
19 रतन चन्द रोड, वि माल,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अप्रुक्त

फ्लैट बी-1/3, दूसरा खण्ड ब्लॉक 1 ग्रुप हाउसिंग  
आवासीय काम्पलेक्स 9 राज नारायण रोड, सिविल लाइन्स,  
दिल्ली-110054।

टी० के० शाह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987  
मोहर :

प्रश्न आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

सं० आई० ए० सी० एन्यू 6 37ईई 9-86 85:— अतः मुझे टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो ए० एच० 34, शान्ति नगर बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपा बद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन तारीख सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिफल से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त वचन में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जहाँ :—

1. नपिन्दर कौर सेठ  
पत्नी मुरजीत सिंह सेठी  
100-सी, न्यू राजिन्दर नगर,  
नई दिल्ली-110000।

(अन्तरक)

2. श्री राजिन्दर कुमार एच राजेश कुमार  
सुपुल श्री प्यारा लाल 7, जवाहर नगर,  
मोगा पंजाब।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ए० एच-34, शान्तिनगर बाग, दिल्ली।

टी० के० शाह,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, दिल्ली

तारीख : 15-5-1987

मोहर :

**अधिनियम 269-न (1) के अधीन सूचना**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 6 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

सं० आई० ए० सी० ए० न्यू 6,37ईई 9-86 86— अतः

मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो 195 टेगोर पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986।

जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपबंध से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अभिलेखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाक की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सिकन्दर लाल मलिक एण्ड दलजीत मलिक ए-2 17, टेंगोर पार्क, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. पुष्पा देवी कावा एण्ड शकुन्तला कावा, 17, टेंगोर पार्क, दिल्ली।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

**उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी धारणा :—**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद र. समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों को से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवशुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

195 टेगोर पार्क, दिल्ली तल खण्ड गैरेज 1559 वर्ग फीट प्रथम खण्ड एक अपरासी मकान 218 वर्ग फीट कुल 1777 वर्ग फीट।

टी० के० शाह,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-6 4/14ए, असफली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

सं. आई. ए. सी./एक्यू/6/37ईई/9-86/82---अतः  
मझे, टी. के. साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो 10, आसफ अली रोड, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधि-  
नियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन तारीख स्तिम्बर,  
1986।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्याक्तया, अधिनियम :—

18—106 GI/87

1. एकसल प्रापटीज एण्ड इण्डस्ट्रीज,  
बी-10, लार्स रोड औद्योगिक क्षेत्र नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. रामजस प्रा. लिमिटेड 5वां खण्ड, 231, डा.  
डी. एन रोड, बम्बई-1।  
(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन को  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

500 वर्ग फीट के समूह एम्पन हाउस 10 आसफ अली रोड,  
नई दिल्ली।

टी. के. साहा,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रंज-6 नई दिल्ली

तारीख : 15-5-1987  
मोहर :

## प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

## शासन सचकाय

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 64/14ए, आरमफमल रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निर्देश सं०आई.ए० सी०/एक्यू/6/37ईई/9-86/81:- अनः

मुझे, टी. के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो 18, ब्लाक बी०  
प्लॉट० (पूर्वी) शालीमार बाग, दिल्ली में स्थित है (और  
इसमें उपावद्ध अनुपूर्वी में पूर्ण रूप में वर्णित है),  
सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम  
, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, तारीख मितम्बर,  
1986।

और पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की इश्यामान  
प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके इश्यामान प्रतिफल से ऐसे इश्यामान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रावधानों के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए --

1. श्री राजेश गुलाटी  
बी एन-18 (पूर्वी), शालीमार बाग,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. पद्मल गुलाटी श्री राजीव गुलाटी  
रीता गुलाटी  
96 टेगोर पार्क, दिल्ली।  
अमर कुमार अमरानी और श्रीमती पदमा अमरानी  
निवासी एफ. 15, कृष्णा नगर, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तिगत या  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि. जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

प्रापटी सं० 18, ब्लाक बी० प्लॉट० (पूर्वी) शालीमार  
बाग, दिल्ली।

टी० के० शाह,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक . 15-5-1987  
मोहर :

**प्रमुख बातें टी.एन.एस.-----**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/6/37ईई/9-86/96—अतः

मुझे, टी० के० साह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16ए/19, जी० 4 शाप नं० है तथा जो डब्ल्यू० इ० ए०, करोलबाग में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269कख अधीन, दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कौचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कभी कटने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)

(1) श्री राधेश्याम कृष्ण कुमार, राजिन्दर कुमार पार्देनर मैसर्स उमासंम 16ए/19, डब्ल्यू० ए०, करोलबाग, नई दिल्ली-110005

(अन्तरक)

(2) वासुदेव शावनी आर-535 न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली (2) श्रीमती पदमा रानी आर-535, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

शाप नं० जी-4, तादादी 1072 वर्ग फिट 16ए/19, डब्ल्यू० इ० ए०, करोलबाग, नई दिल्ली।

टी० के० साह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

निदेश सं० आई ए० सी०/एसयू०/6/37ईई/9-86/94—अतः  
मुझे, टी० के० साह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विन्यास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-64 है तथा जो कीर्ति नगर, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269कख के अधीन, दिनांक  
सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्चय  
करने का कारण है कि सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं उपाबद्ध धन से  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

**(क) सम्पत्ति से हुए किसी आय की वास्तविक उक्त  
अधिनियम की धारा 269-घ के अधीन अन्तरण के  
अधिनियम में कभी करने या उससे करने में अड़थका  
के लिए; और/वा**

**(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता  
के लिए;**

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कांता कुमारी बी 1-610, जनकपुरी,  
नई दिल्ली-110058

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तुप्ता पत्नी श्री सुरिन्दर छावड़ा 2  
श्रीमती बीना पति श्री जोगिन्दर पाल श्रीमती  
नलिनी पति श्री अशोक कुमार निवासी 66-  
रानी झंसी रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
आवश्यक करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान प्रापटी इ-64, कीर्ति नगर, नई दिल्ली-110015  
कंस्ट्रक्टेड क्षेत्र 320.85 वर्ग गज।

टी० के० साह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :



## प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6 37ईई/9-86/93-

अतः मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अपार्टमेंट नं० 5/2 है, तथा जो प्रथम खंड ब्लाक 5, राजनारायण रोड, सिविल लाइन्स, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्राह्य पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भा र्तीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन, दिनांक मिनस्वर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री रघुराज बहादुर श्री राजेश बहादुर, शीलाधर, (श्रीमती) अभिनवधर, माधवधर 9-राज नारायण रोड, सिविल लाइन्स, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) दीक्षा होल्डिंग प्रा० लिमिटेड पंजीकृत कार्यालय, भारत होटल, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

३३

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अपार्टमेंट नं० बी 5/2 प्रथम खंड, ब्लाक बी 5, 9-राज नारायण रोड, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110054।

टी० के० साह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37-ईई/9-86/89-

अतः मुझे, टी० के० साह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 112 है तथा जो प्रथम खंड एरसन हाउस आसफ अली रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1961 की धारा 269कख के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
मोहर :

(1) एस्सल प्रापर्टीज एण्ड इंडस्ट्रीज बी-10, लारेंस रोड  
औद्योगिक क्षेत्र, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री फतेह पाल सिंह और रविन्दर पाल सिंह  
सुपुत्र श्री बी० एस० छावड़ा, ए-48-ए/1, नारायण  
विहार नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 112, प्रथम खंड 352.92 वर्ग फीट एस्सल  
हाउस 10-आसिफ अली रोड, नई दिल्ली।

टी० के० साह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निवेश सं० अई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/9-86/87--

अतः मुझे, डी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 123 टैगोर पार्क, दिल्ली में स्थित  
है (इसमें और उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),

सक्षम अधिकारी के कार्यालय में आयकर अधिनियम 1908 की धारा  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
बना जा चुका था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री ओमप्रकाश (2) सजीव सदरा (3) सदीप  
सदरा निवासी 197-ए, साकेत, मेरठ यू० पी०  
(अन्तरक)

(2) श्री अनिल कुमार खन्ना (2) शत्रुघ्न कुमार खन्ना  
174-टैगोर पार्क, दिल्ली-110009  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुमोदित

बिल्डिंग 123, टैगोर पार्क, दिल्ली-110009।

डी० के० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6 नई दिल्ली

दिनांक : 15-5-1987

मोहर :

न्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन मूल्यांकन

भारत सरकार

कायालय सहायक न्यायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1987

निदेश सं. आई० ए० सी० /एम्प/6/37ईई/9-86/83—

अतः मूझे, टी० के० शाह, न्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह जिम्मा देकर का कारण है कि आधार पर, निम्नलिखित उचित राशि मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. पत्र नं० 111/358 29 वर्ग फट है तथा जो प्रथम खड एम्प हाउस, 10, आसफ अली रोड, नई दिल्ली में स्थित है (प्रो. इसमें उचित अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में आयुक्त अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक पितम्बर सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं दृश्यमान प्रतिफल से पद्धतिपूर्वक रूप में अधिक है और अन्तर (अन्तर) और अन्तर (अन्तरितियों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तय बाजार मूल्य अन्तरण, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में समुचित रूप में नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, सक्षम अधिकारी को दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों की, जिन्हें भारतीय न्यायकर अधिनियम, 1922 (का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (का 27) या प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा पत्र नं० 111/358 29 वर्ग फट या या किया जाना चाहिए या जिसे अन्तरण के लिए, और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) एम्प प्रोपर्टी एंड इन्स्टीट्यूट वी-10, लारेस रोड, ग्रीवांगिक क्षेत्र, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) एम्प प्रोपर्टी एंड इन्स्टीट्यूट वी-213, कलाश 26-कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए कार्यवाही शुरू कर रहा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के सम्बन्ध में कार्य भी बाधक है—

(क) इस सूचना के सारण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के सारण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सारण सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पदाहस्ताक्षरों के द्वारा लिखित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण — इसमें पृथक् कानूनी और वडा का, या उक्त अधिनियम, के अध्याय 27-ग में परिभाषित है, वह अर्थ होगा जो 1957 अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

पत्र नं० 111/358 29 वर्ग फट प्रथम खड एम्प हाउस 10, आसफ अली रोड नई दिल्ली

टी० के० शाह

सक्षम अधिकारी

सहायक सक्षम अधिकारी (निरीक्षण)

प्रजन रेज 6 नई दिल्ली

दिनांक 15-5-1987

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
की धारा 269 घ (1) की अधीन संचालन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-6 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/9-86/167—

अतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 307, कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लॉट नं०  
2, 34, 5 है तथा जो नंगल राय, नई दिल्ली में स्थित है  
(और इसमें उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269-घ के अधीन दिनांक सितम्बर,  
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
शतक से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाय, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिवों  
को बिना भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
में, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनि :—

19-106 GI/87

(1) अंसल हाउसिंग फाइनैस एण्ड लीजिंग क० लिमि०  
1110, अंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मसम भूषण कमिशियल एंटरप्राइसिस डब्ल्यू०  
106, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के साथ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 307, कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लॉट नं० 2, 3, 4, और  
5 नंगल राय, नई दिल्ली तादादी 554 वर्ग फीफट।

टी० के० शाह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक: 12-5-1987

मोहर:

प्रकृष जाई, टी. एन. एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/9-86/168--

अत मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट न० 209 है कीर्तीवीप बिल्डिंग  
प्लॉट न० 2, 3, 4 और 5 नगल राय, नई दिल्ली में  
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधि-  
नियम 1961 की धारा 259कख के अधीन, दिनांक सितम्बर  
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पड़ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भी बात को बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हाथिए में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) असल हाउसिंग फाइनेस एण्ड लीजिंग क० लिमि०  
1110, असल भवन, 16, के० जी० मार्ग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) भूषण कमिशियल एण्टरप्राइसेज लिमि० डब्ल्यू०-  
106, ग्रेटर कैलाश भाग-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लैट न० 209 कीर्तीवीप बिल्डिंग, प्लॉट न० 2, 3, 4,  
और 5 नगल राय, नई दिल्ली ताबावी 554 वर्ग फीट

टी० के० शाह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक 12-5-1987  
मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

बम्बई, दिनांक 28 अप्रैल, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/6/37ईई/9-86/169—

अतः सुमे, टी० के० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट न० 212-ए है तथा जो कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लॉट नं० 2, 3, 4 और 5 नंगल राय, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय

अधिनियम 1961 की धारा 269कख के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अमल हाउसिंग फाइनेंस एंड लीजिंग कं० लिमि० 1110, अमल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) भूषण कर्मशायल इण्टरप्राइजिस लिमि० डब्ल्यू०-106, ग्रेटर कैलाश, भाग-2, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शिकायत :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 212ए, कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लॉट नं० 2, 3, 4 और 5 नंगल राय, नई दिल्ली। तादादी 554 वर्ग फीट

टी० के० शाह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/9 -86/170--

अंतः मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 213 है कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लॉट नं० 2, 3, 4 और 5 नागल राय, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारत आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269कख के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बंधु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स ग्रंथल हाउसिंग फाइनेय एण्ड लीजिंग कम्पनी लिमि० 1110 ग्रंथल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स भूषण कमर्शियल इन्टरप्राइसिस लि०, 106 ग्रेटर कैलाश पार्ट-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 214 कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लॉट नं० 2, 3, 4, और 5 नागल राय, नई दिल्ली।

टी० के० साह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987  
मोहर :



प्रकाशक: टी. एन. एस. ....

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/8/37-ईई/6-86/171—

प्रतः मुझे, टी० के० शाह

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 210 कीर्तिदीप प्लॉट नं० 2,3,4 और 5 नागलराय, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), संक्षम अधिकारी के कार्यालय में आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269कख के अधीन, दिनांक पितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य भास्तिथों को, चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स अंसल हाउसिंग फाइनेस एण्ड लीजिंग कं० लिमि०, 1110 अंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स भूषण कर्मशायल इन्टरप्राइज लि०, उन्ल्यू-106, ग्रेटर कैलाश पार्क-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 210 कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लॉट नं० 2, 3, 4 और 5 नागल राय दिल्ली एम० जी० 554 वर्ग फिट।

टी० के० शाह  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एम. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37-ईई/9-86/172—

अतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
अंतरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 211 कीर्तिवीप बिल्डिंग  
प्लॉट नं० 2,3,4 और 5 नागल राय, नई दिल्ली में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269क के अधीन दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ॥—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैक्स ग्रंथल हाउसिंग फाइनेंस एण्ड लीजिंग कं०  
लिमि० 1110 ग्रंथल भवन, 16 के० जी० मार्ग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैक्स भूषण कर्मशायल इन्टर प्राइसेज लि० उल्क्यू०  
106, ग्रेटर कैलाश, पार्ट-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन में सक्षम  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाद ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 211 कीर्तिवीप बिल्डिंग प्लॉट नं०  
5 नागल राय नई दिल्ली 554 वर्ग फीट।

टी० के० शाह  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० एन्यू० 37ई 9-86/173--

अतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 206 है तथा कीर्तिदीप  
बिल्डिंग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय  
में आयकर अधिनियम 1908 की धारा (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिबों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स अंसल हाउसिंग फाइनेंस और लीजिंग कं०  
लि० 1110 अंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग  
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मैसर्स भूषण कम्पियल इंटरप्राइसिस लिमि० उल्यू-  
106 ग्रेटर कैलाश पार्ट-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 206 कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लॉट नं० 2,3,4 और  
5, नागलराय दिल्ली मार्ग, वर्ग फीट।

टी० के० शाह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्रकाश जाई. टी. एच. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० एसी० एक्चू०/6/37ईई 9-86/174—

प्रतः मुझे, टी० के० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 307 है तथा जो कीर्तिदीप बिल्डिंग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिटर कर्ता अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1908 की धारा (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अनुसूची से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आरामों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स अंसल हाउसिंग फाइनेंस और लीजिंग कम्पनी लि० 1110 ग्रामन भवन, 17 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स भूतन कैमिकल इन्टरप्राइजिज लि० डब्ल्यू० डब्ल्यू-106, ग्रेटर कैलाश पार्ट-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के संबंध में लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 207 कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लॉट नं० 2, 3, 4 और 5 नागल राय, नई दिल्ली मार्ग 554 वर्ग फीट

टी० के० शाह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-6, नई दिल्ली

दिन क 12-5-1987

मोहूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० एम्यू०/6/37ईई 9-86/175—

अतः, मुझे टी० के० शाह,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो फ्लैट नं० 268  
कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लॉट नं० 2, 3, 4 और 5 नई दिल्ली में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में आयकर अधिनियम 1908  
(1908 का 16) की धारा के अधीन, दिनांक सितम्बर, 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के व्यवधान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमे यह विस्वास करने  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
इसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक पांचवां भाग  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से अधिष्ठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भव या अन्य वास्तवों  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या किया जाना चाहिए या, विधान में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
20—106 GI/87

(1) मैसर्स अंसल हाउसिंग फाइनेंस और लीजिंग कम्पनी  
लि० 1110 अंसल भवन 16 के० जी० मार्ग  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स भूपण कमिकल इन्टरप्राइजिज लि० डब्ल्यू०-  
106, ग्रेटर कैलाश पार्ट-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अमृतजी

फ्लैट नं० 208 कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लॉट नं० 2, 3, 4 और  
5 नागलराय नई दिल्ली मार्ग 455. वर्ग फीट।

टी० के० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987  
मोहर :

प्ररूप आर्द्द.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा)  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं०आई०ए०सी० ए व्यू० 6/37ईई 9-86/170—

अतः मुझे, टी० के० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 204 है तथा जो कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लॉट नं० 2, 3, 4 और 5 नागलराय, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अथवा अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1908 की (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-दर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स ग्रंसेल हाउसिंग फाइनेंस और लीजिंग कम्पन लि० 1110ग्रंमल भवन, 16 के० जे० मार्ग नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स भूषण कमिकल इन्टरप्राइजिज निमि० डब्ल्यू०-106, ग्रेटर कैलाश पार्क-2, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लैट नं० 204 कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लॉट नं० 2, 3, 4 और 5 नागलराय नई दिल्ली मार्ग 554 कृग फिट।

टी० के० शाह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्ररूप आर्द्. टी. एन. एस. ———

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/6/37-ईई/9-86/

177—अतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 201 कीर्तिद्वीप बिल्डिंग में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति व उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरीती (अंतरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेमर्स ग्रंथल भवन हाउसिंग फाइनैन्स और लीजिंग कम्पनी लि०, 1110 ग्रंथल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स भूषन केमिकल इन्टरप्राइजेज लि०, डब्ल्यू 106 ग्रेटर कैलाश पार्ट-2, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के मा. कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध से कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा-

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 201 कीर्ति द्वीप बिल्डिंग, प्लॉट नं० 2, 3, 4, 5, नागल राय, नई दिल्ली, मार्ग 554 वर्ग फीट ।

टी० के० शाह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

तारीख : 12-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० एम०/एक्यू०/6/37ईई/9-86/

178—प्रतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 202, कीर्ति दीप बिल्डिंग, प्लॉट नं० 2, 3, 4, 5, नागल राय, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) ग्रंथल हार्जिसिंग फार्मिनेस एण्ड लीजिंग क० लि०,  
1110, ग्रंथल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स भूषण कमर्शियल इन्टरप्राइजेज लि०, डब्ल्यू०  
106, जी०के०-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 202, कीर्ति दीप बिल्डिंग, प्लॉट नं० 2, 3, 4  
नागल राय, नई दिल्ली।

टी०के० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

तारीख : 12-5-1987

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० / एक्यू०/6/37ईई/9-86/  
179—अतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जमकी सं० प्लेट नं० 203, कीर्ति दीप बिल्डिंग प्लॉट नं०

2, 3, 4, 5, नगल राय, नई दिल्ली में स्थित है (अर्ज इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में अर्ज पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269 कख के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

(1) अमल हाउसिंग फाईनेन्स एण्ड लीजिंग क० लि०,  
1110, अमल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) भूषण कमर्शियल इन्टरप्राइजेज लि०, डब्ल्यू०-106  
जी०के०-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास-  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त-  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

प्लेट नं० 203, कीर्ति दीप बिल्डिंग 1 प्लॉट नं० 2, 3, 4, 5,  
नगल राय, नई दिल्ली ताबादी 554 वर्ग फीट।

टी०के० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/9-86/  
4180—अतः मुझ, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 12, कीर्ति दीप बिल्डिंग, प्लॉट नं०  
3, 4, 5, नगल राय, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय  
में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के  
अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आवधिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भक्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) प्रंसल हाउसिंग फार्मिन्स एण्ड लीजिंग क० लि०  
1110 प्रंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली,  
(अन्तरक)

(2) मूषग कमशियल इन्टरप्राईजेज लि०, डब्ल्यू०-106,  
ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या  
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्ण  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उ  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दि  
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 212, कीर्ति दीप बिल्डिंग प्लॉट नं० 2, 3, 4  
नगल राय, नई दिल्ली।

टी० के० :

सक्षम प्राधि

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष  
अर्जन रेंज, नई दि

तारीख : 12-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० /एफ्यू० /6/37ईई/9-86/  
181—अतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
को पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
; स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 203, कीर्ति दीप बिल्डिंग प्लॉट नं०  
2, 3, 4, 5, नगल राय, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय  
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कब्र के  
अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
सैक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
तशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
तफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
स्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अंमल हाउसिंग फार्मिनेन्स एण्ड लीजिंग क० लि०  
1110, अंमल भवन, 16, के०जी० मार्ग, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)

(2) भूषण कमणियल इन्टरप्राइजेज लि०, डब्ल्यू०-106,  
जी०के० भाग-2, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 205, कीर्तिदीप बिल्डिंग । प्लॉट नं० 2, 3, 4,  
5, नगल राय, नई दिल्ली । तादादी 554 वर्ग फीट

टी० के० शाह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-6, नई दिल्ली

तारीख : 12-5-1987

मोहर :

प्रत्येक भाग में टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अध्यक्ष, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ 6/37ईई/ 9-86/

188—अतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 113, मिडिकेट हाउस, 3, ओल्ड  
रोहताक रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची  
में और पूर्णरूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में  
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के  
अधीन, तारीख अक्टूबर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए ता पया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
अनुसूची से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में दर्शाया  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बाबत या किसी धन या अन्य वास्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेजर एस० बी० सेलः प्रा० लि०, यू०बी०-1,  
अमल भवन 16, के०जी० मार्ग, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
- (2) अब्दुल कादिर, डी-8, कालिन्दी कालोनी, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थ के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

स्पेस सं० 113, बिल्डिंग मिडिकेट हाउस, 3, ओल्ड रोहताक  
रोड, नई दिल्ली। क्षेत्र 320 वर्ग फीट।

टी० के० शाह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

तारीख : 12-5-1987  
मोहर :

प्रश्न आई.टी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निवेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू० /6/37ईई/9-87/

197—अत मुझे, टी०के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
'69-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
गरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
, 00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट न० 107, तादादी 335 वर्ग फीट सिंडीकेट  
हाउस 3, ओल्ड रोहतक रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269  
क ख के अधीन, तारीख मितम्बर, 1986

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का  
मूल्य प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक  
य से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

21—106 GI/87

(1) मेसर्स एस० बी० सेल्स प्रा० लि०, यू०बी०-1, अमल  
भवन, 16, के०जी० मार्ग- नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) बेबी उर्सा सुपुत्री श्री ओबदयार रहमान 203,  
कुसूल बाजार, नेहरू प्लेस, 32-33, नेहरू प्लेस  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाद :-

(क) इस सूचना के उद्यम में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वृत्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धित:-इसके अन्तर्गत उक्त और वहाँ का, यह उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही वर्ष होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट न० 107, तादादी 335 वर्ग फीट सिंडीकेट हाउस,  
3, ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली ।

टी० के० शाह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-6, नई दिल्ली

तारीख तारीख : 12-5-1987  
मोहर

प्रकरण भाई.टी.एम.एस.-----

(1) साकेत प्रापर्टीज प्रा० लि०, 345, डिफेंस कालोनी नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) अरूण कुमार सोधी सुपुत्र श्री पूर्ण चन्द सोधी, जिला केन्द्र—जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू० /6/ 37ईई/ 9-86/

195—अतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्की सं० फ्लेट नं० 309, प्लॉट नं० 12, जिला केन्द्र—जनकपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कक्ष के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गृह्य प्रतिष्ठान से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद को कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण से, मैं भारत अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सच्चा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 319, प्लॉट नं० 12, जिला केन्द्र—जनकपुरी, नई दिल्ली।

टी० के० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

तारीख : 12-5-1987

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० एफ०/ 6/37ईई 9-86/  
196—अतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 318, प्लॉट नं० 12, जिला व केन्द्र—  
में जनकपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्णरूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में भारतीय आयकर अधिनियम, 1908 की धारा (1908 का 6) के  
अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम कटौतमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या प्रकट जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) साकेत प्रापर्टीस प्रा० लि०, डी-345, डिफेंस कालोनी  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मिस नीतू सोधी सुपुत्री पिता और अभिभावक  
राजकुमार सोधी एम-103, साकेत, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहृत/अपहृत के पात्र  
निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

इलेट नं० 318, प्लॉट नं० 12, जिला व केन्द्र जनकपुरी ।  
नई दिल्ली ।

टी० के० शाह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

तारीख : 12-5-1987  
मोहर :

प्रकरण आई.टी.एच.एच.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

नगरपालिका

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० एचयू० /6/37ईई/ 9-86

194—अतः मुझे, टी० के० शाह,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसकी पर्याय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 309, प्लॉट नं० 12, जिला केन्द्र जनकपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय्य अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम, 1908 की (1908 का 16) कक्ष के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य का ज्ञान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके व्यवस्थित प्रतिफल से, ऐसे व्यवस्थित प्रतिफल का पक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की, बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी भाव या किसी भन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) साकेत प्रापरटीज प्रा० लि०, डी-345, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) अनिल कुमार सोधी सुपुत्र श्री पी० सी० सोधी, एम-105, साकेत, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने के लिए सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 309, प्लॉट नं० 12, जिला केन्द्र जनकपुरी, नई दिल्ली ।

टी० के० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

तारीख : 12-5-1987

मोहर :



प्रारूप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्यू० 6/ 37ईई 9-86

193—अतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 9, चौथा खण्ड, विशाल टावर, तादात्री 599 वर्ग फीट, प्लॉट नं० 10, जनकपुरी, जिला व केन्द्र दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम, 1908 की (धारा 1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अजय इन्टरप्राइजेज इरोज सिनेमा के बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) राजीव अग्रवाल पुत्र श्री जसवन्त राय, सी-2-01 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 9, 4था खण्ड विशाल टावर लगान क्षेत्र 599 वर्ग फीट। प्लॉट नं० 10, जनकपुरी जिला व केन्द्र, दिल्ली।

टी० के० शाह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
[अर्जन रेंज-6 नई दिल्ली]

तारीख : 12-5-1987  
मोहर :

प्राख्य आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्ज्यू० 6/37ईई 9-86

189—अतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 112, आफ 320 सिडीकेट हाउस,  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है) सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम  
1988 की 19(08 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1986  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) मेसर्स एस० बी० मेल्स प्रा० लि० यू० बी०-1,  
अंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अलदुल कादर डी०-8, कालिन्वी कालोनी  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी न्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

स्पेस नं० 112 आफ 320 सिडीकेट हाउस, 3, ओल्ड  
रोहतक रोड, नई दिल्ली।

टी० के० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपात्त :—

तारीख : 12-5-1987

मोहर :

## हकूत बाई-टी.एच.एस.

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## राज्य सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, 4/14ए, आसफअली रोड, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू० /6/37ईई/ 9-86/

187--अन: मुझे, टी० के० शाह,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 114 सिडीकेट हाउस, 3-ओल्ड  
रोहतक, में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), मक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन,  
तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में स्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिदा  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स एल० बी० सेल्स प्रा० लि०, यू० बी-1,  
भवन, के०जी० मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) बेबी हमजा कादरपुत्री श्री अब्दुल कादर, 203,  
कुशल बाजार 32-33, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरितां)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बर्चोद्देश्य की बात  
लिखित में लिखे जा सकेंगे ।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

स्पेस नं० 114, पहली मंजिल, सिडीकेट हाउस, 3 ओल्ड  
रोहतक रोड, दिल्ली । हैविंग एन एरिया आफ 320 एस० एफ०  
टी०

टी० के० शाह

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

तारीख : 12-5-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) अजय इन्टरप्राइसिस लि० इरोज सिनेमा बिल्डिंग,  
जगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली-14

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना(2) जसवंत राय एण्ड मिसेज राज रानी, द्वारा सी-201,  
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, 4/14ए, आसफ़अली रोड नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/9-86/192

अतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० स्पेस नं० 8, 4था खण्ड, विशाल टावर, लगभग  
599 वर्ग फीट 10, जनकपुरी, केन्द्र व जिला नई दिल्ली में स्थित  
है (और इससे सम्बन्धित अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269 कख के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986  
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके हयमान प्रतिफल से ऐसे हयमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 8, 4था खण्ड विशाल टावर लगभग क्षेत्र 599  
वर्ग फीट प्लॉट नं० 10, जनकपुरी, जिला व केन्द्र, नई दिल्ली।

टी० के० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

तारीख : 12-5-1987

मोहर :

प्रकाश जाई.टी.एन.एच. -

(1) एस० वी० सेल्स प्रा० लि० यू०बी०-1, अंसल भवन  
16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-क (1) के अधीन सूचना(2) बेबी हर्षा रसीद सुपुत्री सी प्रमदुल रशीद डी-8,  
कैलाश कालोमी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

## आगत सूचना

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, 4/41 आसफअली रोड नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू० /8/ 37ईई/ 9-86/

190--प्रतः मुझे, टी० के० शाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 212, तादादी 485 वर्ग फीट,  
सिडीकेट हाउस, 3, ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली।

में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269 कख के अधीन, तारीख सितम्बर, 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता बिलेड के अनुसार अंतरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान  
प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नतः में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की भावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) इसी किसी भाव का किसी भव या अन्य अस्तित्वों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-  
22-106 GI/87

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 212, तादादी 485 वर्ग फीट सिडीकेट हाउस,  
3, ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली।

टी० के० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

तारीख: 12-4-1987

मोहर:

प्रारम्भ आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, 4/14 आसफ अली रोड नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी, /एक्यू० /6/37ईई/ 9-86/

191--अतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 7, 4थी मंजिल, विशाल टावर प्लॉट नं० 10, जनकपुरी, डि०-सेंटर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स अजय इन्टर प्राईज लि० इरोज सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति सारिका अग्रवाल डी०/ओ० श्री जशवन्त राय सी/201, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

स्पेस नं० 7, 4थी मंजिल, विशाल टावर उपरोक्त 372 एस० एफ० टी० प्लॉट नं० 10 जनकपुरी डि०-सेंटर नई दिल्ली ।

टी० के० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

तारीख : 12-5-1987

मोहर :

प्रमाण नम्बर टी. एच. एच. ———

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-6, 4/41 आसफ अली रोड नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एचयू० 6/37ईई/9-86/185-  
अतः मुझे टी० के० साहू

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट न० 818 है तथा जो 14 के० जी० मार्ग,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय  
रजिस्ट्रीकर अधिनियम 1961 की धारा 269क के अधीन  
दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी व्यक्ति की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
अन्तरण से नहीं कटने या उक्त अन्तरक से अधिक  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के चिन्ह भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भाषकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या किना जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए.

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, कि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरेश विरमानी मिसेज नीना विरमानी, द्वारा  
विरमानी एसोसिएट्स इ-1, कनाट प्लेस नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रेणु गुप्ता बी-7एक्सटेशन/117-ए,  
सफदरजग एक्लेष, नई दिल्ली.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्सम्भन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही बर्त होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

50 प्रतिशत प्लॉट न० 818 तादादी 535 वर्ग फिट  
14, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

टी० के० साहू

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक: 12 मई, 1987

माहुर

**अध्याय 2—टी.एन.एच.—**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-6, 4/41 ए मासफ मनी रोड नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/9-86/186—

अतः मुझे, टी० के० साहू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 818 है तथा जो 14, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269कख के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अर्जती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरेश विरमानी, मिसेज नीना विरमानी द्वार ।  
विरमानी एसोसिएट्स इ-1 कनाटप्लेस, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री नरेश गुप्ता बी-7 एक्सटेंशन/117-ए, सफवर  
जंग एंग्लेव, नई दिल्ली ।

(अन्त रिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-युक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

50 प्रतिशत शेयर फ्लैट नं० 818 तादादी 535 वर्ग  
फिट 14, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली

टी० के० साहू

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :



प्रत्यक्ष आई.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7 4/14 आसफ़ अली रोड नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6-37ईई/8-86/142-

अतः मुझ टी० के० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 25, प्लॉट नं० 10 है तथा जो विशाल टावर, जनकपुरी (जिला केन्द्र, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269कख के अधीन दिनांक सितम्बर, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अजय इंटरप्राइसिस लिमि० इरोज सिनेमा बिल्डिंग अंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मास्टर आदित्य मल्होत्रा सुपुत्र श्री राकेश मल्होत्रा 350/25, लाजपत नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेश नं० 25, तीसरा खंड, विशाल टावर लभग क्षेत्र 186 वर्ग फिट प्लॉट नं० 10, जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ली।

टी० के० शाह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

## वक्ता भाई.डी.एन.एस.-----

भाषक, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
वापस सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (नरीक्षण)

अर्जन रेज-7, 4/11 ए आर अना रोड नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 12मई, 1987

निदेश सं० आई० ए०सी० /एम्पू 7/6/37ईई/9-86/143—

अतः मुझे, टी० के० साहू

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेश न० 9 विशाल टावर प्लॉट न० 10,  
तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में  
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क के  
अधीन, दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का  
एम्पू प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और वत-  
रती (अंतरक) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
सार्वजनिक रूप से अधिस्त नहीं किया गया है —

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
बाबत से कभी करों या उसके बर्षों में सूचना  
के बिना प्रेष/वा

- (1) मैसर्स अजय इंटर्प्र्राइसिस लि० इरोज सिनेमा  
बिल्डिंग जगपुरा एक्सटेन्शन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- (2) मैसर्स कोर्ड इडिचा प्रा० लि० 3, सी/25, लाजपत  
नगर, दूसरी मजिल, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्षों के निम्न  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्षों के सम्बन्ध में कोई भी बाजार —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जहाँहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किसे या क्यों है।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के बन्धन 20-क में परिभाषित  
हैं, वही बर्ष होगा जो उस बन्धन में दिया  
गया है।

## नोट

- (क) ऐसी किसी बाह्य या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सूचना के लिए;

स्पेश न० 9 पौखरी मजिल, विशाल टावर क्षेत्र  
599 वर्ग फाट प्लॉट न० 10 जगपुरी डिस्ट्रिक्ट सेन्टर,  
नई दिल्ली.

टी० के० साहू

सक्षम अधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (नरीक्षण)

अर्जन रेज-7, नई दिल्ली

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
मे. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिस्त :—

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० आई० ए०सी०/एक्यू०-7/37ईई/9-86/

144/अतः मुझे, टी० के० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 7 है तथा जो विशाल टावर प्लॉट  
नं० 10 नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में  
नई दिल्ली में आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269कख  
अधीन, दिनांक सितम्बर 1986

और पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से ऐसे व्ययमान प्रतिफल का  
गुण्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

(1) मैसर्स अजय इंटरप्राइज लिमि० हरोज सिनेमा  
बिल्डिंग, जनकपुरी एक्सटेंशन नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स कोर्ड इन्डिया प्रा० लि० 3सी/25 लाजपत  
दूसरी मंजिल, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्थायिकी के पक्ष  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

स्पेश नं० 6 पांचवां मंजिल विशाल टावर क्षेत्र 372  
वर्गफिट प्लॉट नं० 10 जनकपुरी डिस्ट्रिक्ट सेन्टर, नई दिल्ली

टी० के० शाह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक: 12-5-1987

नोट:

**प्राकृतिक अर्थ-टी.एन.एच.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**क्षेत्रीय सरकार**

कार्पोरेशन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निवेश सं० आई० ए० सी०/एम्पू०/6/37ईई/9-86/145—

अतः मुझे, टी० के० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निवेदन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 8 है तथा जो विशाल टावर, प्लॉट नं० 10, जनकपुरी में स्थित है (और इससे उपाय प्रमुखी है और पूर्ण रूप से वर्णित है) सक्षम अधिकारी कार्यालय नई दिल्ली में आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से ऐसे व्ययमान प्रतिफल का इन्तर्गत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिती) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित से वास्तविक रूप से कथित नहीं कहा गया है।

(क) अन्तरक से हुए किसी भी भाग की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा से लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भी भाग या किसी भी अन्य वास्तव्यो को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार करने, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को अधिसूचित करता हूँ—

(1) मैसर्स अजय इन्टरप्राइजिज लि० इरोज मिनेमा जनकपुरी नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) मैसर्स कोर्डस इण्डिया प्रा० लि०, 3सी/25, लाजपत नगर दूसरी मजिल, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति में वर्जन के संबंध में कोई भी बायोपे—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

स्पेस नं० 8, पांचवी मजिल विशाल टावर, क्षेत्र 599 प्लॉट नं० 10, जिला सेटर, जनकपुरी नई दिल्ली

टी० के० शाह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-7, नई दिल्ली

दिनांक 12-5-1987

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/7/37ईई/9-86/146—

अतः मुझे, टी० के० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 10, है तथा जो विशाल टावर, प्लॉट नं० 10, जंक्चुरी जिला केन्द्र नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्गती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
23-106 GI/87

(1) अजय इंटर प्राइमिस लिमि० इरोज सिनेमा के बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कोर्डम इंडिया प्रा० लिमि० 3-सी-25, लाजपत नगर, दूसरा खंड, नई दिल्ली।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 10, 5वा खंड विशाल टावर, लगभग क्षेत्र 342 वर्ग फिट प्लॉट नं० 12, जंक्चुरी जिला केन्द्र, दिल्ली।

टी० के० शाह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-6, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश नं० आई. एन. सी०/एक्यू/6/37 ईई/9-86/119—

अन. मुझे, टी० के० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 410 है तथा जो चौथी मंजिल एम्सेल हाउस में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) सक्षम अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) एस्सेल प्रापर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज बी-10 लारेस रोड इन्डस्ट्रियल क्षेत्र, नई दिल्ली-35

(अन्तरक)

(2) मैसर्स आर० बी० ट्रेडर्स इन्साइड गांधी गेट, अमृतसर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 410, चौथी मंजिल, 33.138 बर्गफीट एम्सेल हाउस, 10 अग्रगण्य अली रोड नई दिल्ली।

टी० के० शाह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

इक्ष्वा नाह्, टी, एन, एस्, = इक्ष्वा नाह् नाह्

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) से अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायव्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्य/6/37ईई/9-86/120--

अतः मझे, टी० के० शाह,

बायकुर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 409 है तथा जो 4थी मंजिल एस्सेल हाउस में स्थित है (और इसमें उबाखद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) मक्षम अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 क धारा 269 क, ख) के अधीन, दिनांक मितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और  
यह विश्वास करने का कारण है

कि— यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिली (अंतरिलियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) कलकत्ता में हुए हिंदी माध्यम की वास्तविक अवस्था की जाँच के लिये एक समिति का गठन करने के लिये आवश्यक नीति निर्धारण के लिये कार्य का अथवा समिति में प्रतिभा के लिये कार्य/या

(ख) किसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों के जिनमें भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या बाब-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तर्गत प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्होंने वे विधि के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैमर्स एम्बेल प्रा. लि. हंडस्विच, बी-10, लारेन्स रोड क्षेत्र, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स सेनटरी इम्प्रोभमेन्ट एण्ड टाइल्स मैनफैक्चरिंग कं.  
इन्फाइट गांधी रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधये :-

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना को राष्ट्रपति में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वशुप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जमोहस्थाकारी न पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिए गया है।

## वन-सञ्जी

प्लेट नं० 409/4 मंजिल/331.14 वर्गफीट एस्पेल  
हाउस 10 आणफ अली रोड, नई दिल्ली।

टी० के० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वू/6/37ईई/9-86/III-

अतः मुझे, टी० के० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 15, प्रीतिविहार कम्युनिटी  
सेक्टर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है) सक्षम अधिकारी के कार्यालय नई  
दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269 क, ख के अधीन, दिनांक मितम्बर, 1986

और पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाब की जाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हाथिए में कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैमर्स सावित्री प्रायर्टीस प्रा० लिमि० जी-5/92,  
नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मिसेज कांता गुप्ता पतिन स्वर्गीय बी० डी०  
गुप्ता 198, मधुबन आई पी० एक्सटेन्शन, नई  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

नमूना

प्लॉट नं० 202, 734 वर्ग फीट सुपर कवर एरिया  
सावित्री सदन-2, प्लॉट नं० 15, प्रीति विहार, कम्युनिटी सेक्टर,  
दिल्ली।

टी० के० शाह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेवे-6, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/9-86/112—

अतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 203 है तथा जो सावित्री सदन-2  
फ्लैट नं० 15 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में नूतनित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक मितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पट्टा प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक को दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए अतः छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अत्र उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित धर्तियों, अधिनियम :—

(1) मैमर्स मावित्री प्राधर्ती प्रो० लि० जी-5/92, नेहरू  
प्लेस, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कान्ता गुप्ता पत्नि स्व० श्री बी० डी०  
गुप्ता 198, मधुबन, आई० पी० एक्सटेंशन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 203, 400 वर्ग फिट सुपर कवर क्षेत्र रीड  
सावित्री सदन-2, प्लॉट नं० 15, प्रीति विहार, काम्पुनिटी  
सेक्टर दिल्ली।

टी० के० शाह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेवे-6, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

(1) अजय इंटरप्राइमिस लिमि० इरोज सिनेमा बिल्डिंग  
4 जंगपुरा एक्सटेशन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री अविनाश टण्डन सुपुत्र ए० एन० टंडन 31,  
सी०वाई०, वित्तमणी रोड, दरभंगा, कालोनी,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-6, नई दिल्ली

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/9-86/117-

अतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० स्पेश न० 12, प्लॉट नं० 10 है तथा  
जो जनकपुरी, जिला केन्द्र दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी  
के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की  
धारा 269क,ख के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

स्पेश नं 12, दूसरा खंड विशाल टावर, क्षेत्र 608  
बर्ग फीट प्लॉट 10, जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ली।(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

टी० के० शाह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-6, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 12-5-1987

मोहर।

प्राकृतिक आर्. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/6/37ईई/9-86/118—

प्रतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेश नं० 9, है तथा जो विशाल टावर, प्लॉट नं० 10, जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 धारा 269 क,ख के अधीन दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की यावत् उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अजय इट/प्राइसिस लिमि० इरोज सिनेमा विल्डिंग जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110014 (अन्तरक)

(2) श्री अविनाश टंडन सुपुत्र ए० एन० टंडन, 31, ए० सी० वार्ड० वितमणी रोड, दरभंगा, कालोनी इलाहाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्थाक्षरी के पास लिखित में लिखे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेश नं० 9, तल खेड, विशाल टावर, लगभग क्षेत्र 332 वर्ग फीट प्लॉट नं० 10, जनकपुरी जिला केन्द्र, नई दिल्ली।

टी० के० शाह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस.

(1) साकेत प्रोपर्टीज प्रा० लिमि० डी-345, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वी० के० रहेजा सुपुत्र स्वर्गीय हरिचन्द रहेजा प्रोप० ए० बी० सी० एजेंसी, 290, अरावली अपार्ट-मेंट, अलखनन्दा, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/6/37ईई/9-86/115---

प्रतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 812, प्लॉट नं० 12 है तथा जो जिला केन्द्र, जनकपुरी नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वावर, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 812, प्लॉट नं० 12, जिला केन्द्र जनकपुरी नई दिल्ली-110058।

टी० के० शाह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ———

(1) साकेत प्रार्टीज निमि० डी-345, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वी० के० ग्रेजा सुपुत्र श्री स्वर्गीय हरिचन्द्र ग्रेजा प्रोप० एबीसी एजेसी, 290 अरावली, अपार्टमेंट्स अलखनन्दा, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/9-86/116—

अतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० जी-26 प्लॉट नं० 12, जिला केन्द्र, जनकपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय, में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के एीसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम के धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
24—106 GI/87

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० जी-26, प्लॉट नं० 12, जिला केन्द्र, जनकपुरी नई दिल्ली।

टी० के० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्रत्यक्ष बाई. टी. एन. एस. = = =

भारतीय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

नारायण बाबा

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 6/37/ईई 9-86/107

अतः मुझे, टी० के० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 310, प्लॉट नं० 12 है तथा जो जिला केन्द्र जनकपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन दिनांक मितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में दर्ज नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उसमें बचन में मूल्य का निराधार/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान या सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की व्यवस्था के अन्तर्गत अधिनियम की धारा 269-व की व्यवस्था (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) साकेत प्रोपर्टीज प्रा० लिमि० डी-345, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मिस इदीप मेरी सुपुत्री टी० एस० मेरी, मिसेज अनीत मेरी पत्नि टी० एस० मेरी, एस-192, ग्रेटर कैलाश-2, पो० बाक्स० 21969, कुवैत ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी प्रविधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों को सूचना देनी होगी।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अर्ध किन्वा अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रहस्थाक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

नारायण

प्लेट नं० 310, प्लॉट नं० 12, जिला केन्द्र, जनकपुरी, नई दिल्ली ।

टी० के० शाह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

राज्य बाह्य टी.ए.ए.ए.

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
**धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 प्रजनन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37 ईई/9-86/108--

अतः सुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 218 प्लॉट नं० 12

है तथा जो जिला केन्द्र, जनकपुरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
 अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय  
 में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख  
 के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1986

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
 प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरितो  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
 रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सापेक्ष  
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
 और/या

(ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
 अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
 जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
 के, और उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) प्रोपर्टी प्रा० लिमि०, डी-345, डिफेंस  
 कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मि० हरमोनिका मैनी सुपुत्री श्री टी० एस० मैनी,  
 त्रिलोचनसिंह मैनी सुपुत्र मेहताब सिंह मैनी लोकल पता :  
 एस-192, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली बाहर का  
 पता—पो० बॉ० बाकस नं० 21969, कुवैत।

(अन्तरितो)

यदि यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थ के लिए कार्य-  
 नाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थ के संबंध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्पादक के पास  
 निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
 अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो  
 उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 218, प्लॉट 12, जिला केन्द्र जनकपुरी, नई  
 दिल्ली।

टी० के० शाह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

प्रजनन रेंज-6, नई दिल्ली

तारीख : 12-5-1987।

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

अन्तः सरकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/9-86/110—

अतः मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्रेषित करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-75, है तथा जो डेरावाल  
नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, तारीख  
सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अनुमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि महापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त अनुमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का  
अनुकूल प्रविष्टत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से क्रियत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत उक्त अधि-  
नियम में अधीन सूचना देने के अन्तर्गत के दायित्व में  
कमी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

(1) श्री इन्द सिंह अरोड़ा सुपुत्र गणेश दास अरोड़ा, ए-75,  
डेरावाल नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश प्रकाश अरनेजा सुपुत्र श्री रामजीदास  
ए-6074, ईस्ट रोहतास नगर, गाहदरा, दिल्ली।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति की वर्धन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित  
रखने वाली अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रापट्री नं० ए-75, डेरावाल नगर, दिल्ली तादावी 289  
वर्ग गज प्रथम खंड कम्पराहसिंग मैजानिन खंड।

टी० के० साह  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली 110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-5-1987

मोहर :



प्रथम भाग, टी. एन. एस. -----

वासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निर्देश सं० आर्. एं० सी०/एन्सी०/6/37ईई/9/86-109:—

अतः मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-75 है, तथा जो डेरावाल नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री इन्दरसिंह अरोड़ा सुपुत्र श्री गणेश अरोड़ा ए-75, डेरावाल नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शांति अरनेजा पत्नी रामजीदास ए-6074; बंस्ट रोहतास नगर, शाहदरा, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रार्थी नं० ए-75, डेरावाल नगर, दिल्ली तादादी 289 वर्ग गज घरातल खंड।

टी० के० साह,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

तारीख : 12 मई, 1987।

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/9-86/165—

अतः मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 310 कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लॉट नं० 2 3 4 5 है तथा जो नगल राय नई दिल्ली में स्थित है (और इनसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, तारीख मितम्बर, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय राजाजीनगर बंगलूर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/के पास रजिस्ट्रीकृत किया गया है और मुझे यह विश्वास करने (अन्तरिमियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या, धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिमि द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री असल हाउसिंग फाइनेंस एंड लिजिंग कं० लिमि०  
110, असल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)

(2) भूषण कमशियल एंटरप्राइजिज लिमि० डब्लू०—  
106, ग्रेटर कैलाश भाग-2, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिमि)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 310, कीर्तिदीप बिल्डिंग, प्लॉट नं० 2 3 4 5  
नगल राय, नई दिल्ली ।

टी० के० साह,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

तारीख : 12 मई, 1987  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

- (1) ग्रंथल हाउसिंग फाइनेंस एंड लिजिंग कम्पनी लिमि०  
110 ग्रंथल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/9-86/ 163

:—प्रतः मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उपरान्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ग के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 310 है तथा जो कीर्तिदीप बिल्डिंग 2, 3, 4, 5 नगल राय, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कृत विनिर्दिष्टित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण न हुई किसी नाय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कभी कभी या उक्त अन्तरण के अधीन की किताब आई/वा

(ख) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य वास्तविकों के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(अन्तरक)

- (2) भूषण कर्माशयल एंटरप्राइज लिमि०, डब्लू-106,  
ग्रेटर कैलाश भाग-2, नई दिल्ली।

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से अन्तरण के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

**उक्त सम्पत्ति से अन्तरण के अन्तर्गत में कोई भी वास्तव :-**

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 312, कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लॉट नं० 2, 3, 4, 5,  
नगल राय, नई दिल्ली।

टी० के० साह,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12 मई, 1986

मोहर :

**प्रत्येक बाई-सी.एन.एन.एन.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एन्यू/6/37ईई/9-86/162—

अतः मुझे टी० के० साह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य और जिसकी सं० फ्लैट नं० 311, है तथा जो कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लॉट नं० 2, 3, 4, 5, नंगल रोड नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम की 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन तारीख मितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि संभाव्य पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भू या अन्य वास्तव्य को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) असल हाउसिंग एंड फार्निशर्स लिजिंग कम्पनी लि०, 110, असल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) भूषण कार्मिशियल एंडरप्रायसेस लि०, डबल्यू 106, ग्रेटर कैलाश भाग-2, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मूल्य के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के मूल्य के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

फ्लैट नं० 311, कीर्तिदीप बिल्डिंग, फ्लैट नं० 2, 3, 4, 5, नंगल राय, नई दिल्ली।

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

तारीख : 12-5-87

मोहर :

प्रथम भाग टी.एन.एस. 1987-88-89-90

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू/6/37ईई/9-86/164—

प्रतः मुझे टी० के० साहू

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 309 है, तथा जो  
कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लॉट नं० 2, 3, 4, 5, नंगल राय  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269  
क, ख, के अधीन तारीख सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल से ऐसे अद्यतन प्रतिफल के  
पश्चात् प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाग की वापस, उक्त  
अधिनियम की अनुसूची कर देने की अन्तरक की  
वापस में कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण  
की, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

25 —106 GI/87

(1) मेसर्स ग्रंथल हाउसिंग फार्मर्स एंड लीजिंग  
कम्पनी लि०, 110, ग्रंथल भवन, 16 के० जी०  
मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स भूषण कमिश्नियल एंटरप्रायसेस लि०, डब्ल्यू  
106, ग्रेटर कैलाश, भाग-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सबको और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के बन्धन 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त बन्धन में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 309, कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लॉट नं० 2, 3,  
4, 5, नंगल राय, नई दिल्ली ताबादी 554 वर्ग फीट।

टी० के० साहू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली 110002

तारीख : 12-5-87

मोहर :

प्राकृतिक आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/6/37ईई/9-86/166—

अतः मुझे टी० के० साह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 308 है तथा जो कीर्ति  
दीप बिल्डिंग प्लॉट नं० 2, 3, 4, 5, नंगल राय नई दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
वर्णित है) सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन  
तारीख सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
वर्षा प्रतिशत से अधिक है और अंतर (अंतरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, विनिश्चित अनुपेक्ष से उक्त अंतरण निश्चित से  
वास्तविक रूप से कम नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) असल हाउसिंग फाईनेस एंड लिजिंग क० लि०  
110, असल भवन, 16, के० जी० मार्क, नई दिल्ली,  
(अन्तरक)
- (2) भूषण कमशियल एंटरप्रायसेस लि०, डब्ल्यू-  
106, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताकारी के  
फलतः निश्चित में किष्ट जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 308, कीर्तिदीप बिल्डिंग प्लॉट नं० 2, 3  
4, 5, नंगल राय नई दिल्ली।

टी के साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12 मई, 1987

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एसयू/6/37ईई/9-86/113—

प्रतः मुझे टी के साहू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० औद्योगिक प्लॉट नं० 4, है तथा जो उद्योग नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ग, ख के अधीन तारीख सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण

है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वापस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को सूचित करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या, धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कृष्णा गुप्ता द्वारा मीरा और कम्पनी लि०, जी टी रोड, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) भारत भूषण बत्रा, बी-3/109, जनकपुरी नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

औद्योगिक प्लॉट नं० 4, कैटेगरी के उद्योग नगर, दिल्ली

1 तादादी 618 वर्ग गज।

टी के साहू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

तारीख : 12 मई, 1987

मोहर :

**अन्तर्गत प्राधिकार**

(1) फतेह सिंह गोयल, 1223/83, शास्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) विमला रानी, अनीता गुप्ता, सरोज गुप्ता, प्रीमिला गुप्ता, सरला गुप्ता निवासी—सी-2/125, अशोक विहार, फेस-2, दिल्ली।

(अन्तरिति)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**आयकर अधिनियम**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निवेश सं०आई० ए० सी०/एक्यू/6/37ईई/9-86/114—

अतः मुझ टी के साह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16 बी एन है तथा जो पूर्वी (शालीमार बाग आवासीय स्कीम दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसूची से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उसके बचने में सुविधा के बिना; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहेतु था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाईयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधाएं :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

6 बी एन (पूर्वी) शालीमार बाग आवासीय स्कीम दिल्ली।

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

तारीख : 12 मई, 1987  
मोहर :



प्रकाश आई. टी. एन. एन. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यपालिका, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी० एफ०/6/37ईई/9-86/121:—

अतः मुझे, टी० के० माह,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लैट० नं० 105 है तथा जो  
सिन्डीकेट हाउस, 3-ग्रोल्ड रोहतक रोड, नई दिल्ली में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1809 (1908 का 16) के अधीन, सक्षम  
अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269 क ख के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का  
वैध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) वही किसी आय या किसी भन या अन्य जातिवों  
के बिन्दु भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगत, वर्णित :—(1) श्री एस० जी० सेल्स, प्रा० लि०, यू बी-1, ग्रंथल भवन,  
16, कस्तूरबा गान्धी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मास्टर नादिरआविज पुत्र श्री आविजर रहमान, 203,  
कुशूल बाजार 32-33, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में स्थापित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा दधोहस्ताक्षरी के पाठ  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 105, तादादी 335 एस० एफ० टी० सिन्डीकेट  
हाउस, 3, ग्रोल्ड रोहतक रोड, नई दिल्ली।टी० के० माह,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
ग्रजन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12 मई, 1987।

मोहर :

प्रश्न नम्बर.डी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/न्यू०/ 637 ईई/9-86/  
125:—अतः मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 214, है तथा जो  
सिन्डीकेट हाउस, 3-ग्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (और  
इससे उपायुक्त अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सक्षम अधिकारी  
के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269 क, ख के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
उम्मीद प्रविष्ट से अधिक है और अंतरक (बंहरका) और अंतरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निहित या वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय का वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के बंधन के  
कारण से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) एस० बी० सेल्स प्रा० लि० यू बी-1, अंसल भवन  
16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल रसीद, पुत्र श्री अब्दुल वाजिद, वाजिद  
हाउस, प्रिंस रोड, मुराबाबाद, (उ० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन की भिन्न  
आवश्यकता करवा है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जिस  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 214, तावादी 320 एस० एफ टी सिन्डीकेट हाउस,  
3-ग्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली।

टी० के० साह,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-11002

तारीख : 12 मई, 1987।

साहू :

प्रकरण बाई. टी. एन. एन. - - - - -

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) की अधीन सूचना

## सहायक आयुक्त

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-6, 4/14 ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफयू०/6/37 -ईई/9-86/  
127—अतः मुझे, टी० के० शाह,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब की अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विचार करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 110 आफ

335 एस एफ टी सिन्डीकेट हाउस, 3-प्रोल्ड रोहतक रोड, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयुक्त अधिनियम,  
1961 की धारा 269 ब, ख के अधीन, तारीख मितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वचनपूर्वक रूप से का उचित बाजार  
मूल्य, उस से व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
वस्तु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
वादा नवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वर्गीकरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

वस्तु धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के वर्णन :-

(1) मैसर्स बी० सेल्स प्रा० लि०, यू बी-1, अंसल भवन,  
16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री० नूर आलम, मोची गेली, रसीद पुरा, मुरादाबाद  
(उ० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाद :-

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्तम्बनी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
निश्चित में किया जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही बर्तन होगा जो उक्त अधिनियम में किया  
गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 110 आफ 335 एस एफ टी सिन्डीकेट हाउस,  
3-प्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली।

टी० के० शाह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्रमाण आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, 4/14 ए, आर.एफ. एल. रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37 ईई/9-86/

126—अतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 215 सिन्डीकेट हाउस, 3-घोल्ड रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायधन धनुस्वी में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18)  
के अधीन, सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन तारीख  
सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि उपायधन सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण के लिए किसी भी व्यक्ति द्वारा, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तर्गत के वास्तविक  
के अर्थ में या उक्त अन्तरण के अन्तर्गत के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोज्यार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मैक्स एक्सीटैन्स प्रा० लि०, यू बी-1, प्रंसल भवन,  
16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अन्तुल रसीव पुत्र श्री अन्तुल वाजिद, वाजिद हाउस,  
प्रिस रोड, मुराबाद (उ० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करत है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्तर्गत में कोई भी बाधाएं—

(क) इस सूचना के अन्तर्गत में प्रकाशन की तारीख के 45  
दिन की अवधि या उसके भी व्यक्तिगत में यह सूचना  
की तारीख के 30 दिन की अवधि, या भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के अन्तर्गत में प्रकाशन की तारीख के 45  
दिन के भीतर उक्त अन्तरण सम्पत्ति में छिप-  
वस्तु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्तर्गत के  
प्रकट लिखित में लिखे या कथित।

लक्ष्यकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होना जो इस अधिनियम में दिया  
गया है।

सन्तुष्टी

फ्लैट नं० 215 तादापी 320 एस एफ टी, सिन्डीकेट हाउस,  
3-घोल्ड रोड, दिल्ली।

टी० के० शाह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 12-5-1987

सोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस. 269-ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, 4/14 ए, आसफ अली रोड नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी० एफ०/6/37 ईई/9-86,

124—अतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 104,

मिन्डीकेट हाउस, 3-ग्रोन्ड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है  
(और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सक्षम  
अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की  
धारा 269 ग के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबत में कभी कहने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और

(ख) एस किसी आय या किसी धन या अन्य कोरतया  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, स्थान में सूचना  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

26-106 G1/87

(1) मैक्स एस०बी० सेल्स प्रा० लि०, यू बी-1, अंसल  
अवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मास्टर अब्दुलाह आबिद पुत्र श्री आबिदर रहमान,  
203, कुशूल बाजार, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के साथ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 104 तादादी 335 एस एफ टी, मिन्डीकेट हाउस,  
3-ग्रोन्ड रोहतक रोड, नई दिल्ली।

टी० के० शाह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

तारीख : 12-5-1987

1 जेहर :

प्रकरण आई. बी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-6, 4/14 ए, ग्रामफमली रोड नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37 ईई/9-86/

123--अत मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 103 मिन्डीकेट

हाउस, 3, ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), र. र. कर्ता  
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सक्षम अधिकारी  
के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961  
की धारा 269 क ख के अधीन, तारीख मितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
शामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में शान्तिपूर्ण रूप से कोशित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण का  
दायित्व से कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, बिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
नं०, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैक्स एस० बी० सेल्स, प्रा० लि०, यू बी-1, अंसल  
भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) बेबी मेहजाबीन, डी/ओ० श्री आविदर रहमान,  
203, कुशुल बाजार, 32-33, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 103, तादादी 335 एम एफ टी, मिन्डीकेट हाउस,  
3-ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली।

टी० के० शाह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक 12-5-1987

साठर :

प्राकृष्ट भाग टी.एन.एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली 4/44ए, आगफ अली रोड,

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37 ई०ई०/9-86/

122--अतः मुझे, टी० के० शाह,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह प्रत्यक्ष करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 121 आफ

320 एस एफ टी, सिन्डीकेट हाउस, 3-ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सक्षम  
अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 269 क ख के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
प्राक्कृत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
नहीं मिलेगी; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तविकता  
को चिन्ह भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसर्स एस० बी० गैल्स प्रा० लि०, यू बी-1 अमल  
भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) सरफराज आलम पुत्र श्री नूर आलम, 203, कुशूल  
बाजार, 32-33, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिता शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 121 आफ सिन्डीकेट हाउस, 3-ओल्ड रोहतक  
रोड, दिल्ली।

टी० के० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-2-1987

मोहर .

प्रारूप आर्द्. टी. एन. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-6, 4/14ए, आनफमर्ल रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आर्डी ए० सी०/एक्यू०/6/37 ई०ई०/9-86/  
129—अतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 102

सिन्डीकेट हाउस, 3-ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सक्षम अधिकारी  
से भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के  
अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स एस० बो० सेल्स प्रा० लि०, यू बी-1, अंसल  
भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री आबिद उर रहमान, पुत्र श्री अब्दुल वाजिद,  
वाजिद हाउस, प्रिंस रोड, मुगदाबाद (उ० प्र०)।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 102 ताबादी 335 एस एफ टी, सिन्डीकेट हाउस,  
3, ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली।

टी० के० शाह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12 मई, 1987  
मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, 4/14 ए, आर्यप्रली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

(1) मैसर्स एस० बी० सेल्स प्रा० लि०, यू बी-1, अंसल भवन,  
16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री वसुदेव उर महमान, पुत्र श्री अश्विन वाजिद,  
आजिद हाउस, प्रिन्स रोड, मुरादाबाद (उ० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गाया है।

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37 ई०ई०/9-86/  
130—अतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 101,

सिन्डीकेट हाउस, 3, ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है

(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-

करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सक्षम

अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की

धारा 269 क ख के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

फ्लैट नं० 101 तावादी 335 सिन्डीकेट हाउस, 3-ओल्ड  
रोहतक रोड, दिल्ली।

टी० के० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, 4/14ए, आनफ़र्ली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37 ई०ई०/9-86/

128—अतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 111, सिन्डीकेट

हाउस, 3, ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सक्षम अधिकारी  
के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 क ख के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वावक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वावक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) मैसर्स एस० बी० सेल्स प्रा० लि०, यू बी-1, अंसल  
भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) चौ० नूर आलम, मोची गेली रसीदपुर, मुरादाबाद  
(उ० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी न्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 111 आफ 335 एस एफ टी, सिन्डीकेट हाउस,  
3, ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली।

टी० के० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, 4/14 ए, आसफअली रोड, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/9-86/131—

अतः मुझे, टी के शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फलट नं० 216 मिन्डीकेट

हाउस, 3, ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (और  
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
थाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
ई, ए, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के संबंध :—

(1) मसर्स एम० बी० सेल्स प्रा० लि०, यूबी-1, अंसल भवन  
16 के० जी० गांधी रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) बेबी मुहंमद रसीद, डी/प्रो० श्री अब्दुल रसीद,  
सी-131, हाउस सोमायटी एन० डी० एम०  
ई०-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फलट नं० 216, तावाद्री 320 एस एफ टी, मिन्डीकेट  
हाउस, 3 ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली।

टी० के शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

तारीख . 12-5-1987

मोहर :

उत्तर भाग टी.एन.एफ. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-5, 4/14ए, आमफ़ अली रोड, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5/37ईई/9-86/133—

अतः मुझे, टी० के० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फलट नं० 216ए, सिन्डीकेट 3, ओल्ड रोहतक  
रोड, दिल्ली हाउस में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, सक्षम अधिकारी के कार्यालय,  
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269 क ख, के अधीन तारीख सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितीया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वर्षाव में कमी करने या उससे बढ़ा में सूचना  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स एस० बी० सेल्स प्रा० लि०, अंमल भवन,  
16 के० जी० रोड, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) बेबी माधिला रसीद डी/ओ० श्री अब्दुल रसीद,  
सी-31 हाउसिंग सोसायटी, एन डी एस ई-1,  
नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बर्णों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ़ैलट नं० 216-ए, तादादी 320 एस एफ टी,  
सिन्डीकेट हाउस, 3-ओल्ड रोहतक रोड दिल्ली।

टी० के० शाह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

तारीख : 12-5-1987  
मोहर :

प्रत्यक्ष रूप से एम.एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० आई ए सी/एक्यू०/6/37ईई/9-86/134—

अन. सुधे टी० के० साह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ... है तथा जो स्पेस नं० 15 मिन्डीकेट हाउस में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) मध्यम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कर ख, के अधीन तारीख सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

27—106 GI/87

(1) मेसर्स एम बी सेल्स प्रा० लि०, यूबी-1, अंसल भवन, 16, के जी मार्ग दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) बेबी फाजा कादिर, डी/ओ/श्री अब्दुल कादिर सी-31, हार्डिंग मोसाफटी एन डीएम ई-1 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी कांश्च —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनष्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के शेष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 115 आफ 320 एम एफ टी मिन्डीकेट हाउस, 3-ओल्ड रोहनक रोड दिल्ली।

टी० के० साह

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, दिल्ली

तारीख : 12-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37 ई०ई०-9/86/

135—अतः मुझे, टी० के० माह,

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ..... है तथा जो म० नं० 106 सिड्डीकेट  
हाउस, 3-ओल्ड रोहता रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की  
धारा 269-घ के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स एस० बी० मेल्स प्रा० लि० यू०बी०-1, अंसल  
भवन 16-के०जी०, मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) बेबी रोबीना जेपीन डी०/ओ० श्री आविद रहमान  
सी-31, हाउसिंग मोसाइटी एन० डी० एम० ई०-1,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 106, तादादी 335 एम० एफ० टी० सिड्डीकेट  
हाउस 3 ओल्ड रोहता रोड, दिल्ली।

टी०के० माह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

तारीख : 12-5-1987

मोहर :

प्रस्प. अ.ई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू० /6/37ईई/ 9-86/  
132—अत. मुद्दे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- में अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 116 आफ 485 एस० एफ० टी० सिडीकेट हाउस, 3-ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख, के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स एस० बी० सेन्स प्रा० लि० यू० बी०-1, अंसल भवन, 16-के०जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) बेबी नाजिया कादिर डी/प्रो० श्री अब्दुल कादिर सी-31, हाउसिंग सोसाइटी एन० डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

अब यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्याप्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में उचित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 116 आफ 485 एस० एफ० टी० सिडीकेट हाउस,  
3-ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली।

टी०के० साह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

तारीख : 12-5-1987

मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आर्डी० ए० सी०/एसयू०/6/37इ/9-86/147--

अतः मुझे, टी० के० साह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और ज़िमकी मन्दा प्लैट नं० 301, मिडिकेट हाउस 3,  
ओल्ड रोहतक रोड़, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधि-  
नियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन दिनांक, मितम्बर  
1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
प्रदान की जायेगी

(1) एस० बी० सेल्स प्रा० लिमि०, यूबी-1, अंसल भवन,  
16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) यू० पी० टाउन ट्रेडिंग एंड इन्वेस्टमेंट्स लिमि०  
504/32-32, कुमूल बाजार, नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 301ए, मिडिकेट हाउस, 3, ओल्ड रोहतक रोड़,  
दिल्ली। तादादी 335 वर्ग फीट।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य आस्तियां  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
पराधर्मी अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 12-5-1987  
मोहर :

टी० के० साह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002



**प्रकरण भाग टी एम एस.-----**

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

**269-ब (1) की अधीन सूचना****साइड सड़का****कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37इड/9-86/154--

अतः मुझे, टी० के० साहू

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, प्रिण्गला रचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या स्पेश नं० 306, 335 वर्ग फीट सिटीकेट हाउस 3, ओल्ड रोहतक रोड़, है तथा जो दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), मक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269कख के अधीन दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीयत नहीं पाया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना समझा था, छिपाने में सक्षम के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

(1) एस० बी० सेल्म प्रा० लिमि० यूवी-1, अंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स यू० पी० टाउन ट्रेडिंग एंड इन्वेस्टमेंट लिमि० 504, 32-33, कुसूल बाजार, नेहरू प्लेस । नई दिल्ली ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति की बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधे :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सख्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेश नं० 306, 335 वर्ग फीट सिटीकेट हाउस, 3, ओल्ड रोहतक रोड़, दिल्ली ।

टी० के० साहू,

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37इड/9-86/151—

अतः मुझे, टी० के० साह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेश नं० 203, सिडीकेट हाउस, 3, ओल्ड रोहतक रोड, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भा या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) एस० बी० सेल्स प्रा० लिमि०, यूबी-1, अंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) यू० पी० टाउन ट्रेडिंग एंड इन्वेस्टमेंट लिमि० 504, कुल बाजार, 32-33, नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेश नं० 203, 335 वर्गफीट सिडीकेट हाउस, 3-ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली।

टी० के० साह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37इड/9-86/150—

अतः मुझे, टी० के० साह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेश नं० 303, 335 वर्ग फीट 3 ओल्ड  
रोहतक रोड है तथा जो दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269-क के अधीन दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अधीन या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) एस० बी० मेल्स प्रा० लिमि०, यूबी-1, अंसल भवन,  
16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) यू० पी० टाउन ट्रेडिंग एंड इन्वस्टमेंट लिमि० 504,  
32-33, कुसूल बाजार, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

स्पेश नं० 303, 335 वर्ग फीट मिडीकेट हाउस, 3, ओल्ड  
रोहतक रोड, दिल्ली।

टी० के० साह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37इड/9-86 149—

अतः मुझे टी० के० साह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं०..... है तथा जो स्पेश नं० 302ए,  
मिडिकेट हाउस, रोहतक रोड में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय  
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कब के  
अधीन, दिनांक मितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
उन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स एम० बी० सेल्स प्रा० लिमि० यूबी-1 ए ग्रंसन  
भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स यूबी० टाउन ट्रेडिंग एंड इन्वेस्टमेंट लिमि०  
504, 32-33, कुसूल भवन, नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कायदाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

स्पेश नं० 302ए, 335 वर्ग फीट मिडिकेट हाउस, 3,  
ओल्ड रोहतक रोड, नई दिल्ली।

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्ररूप आहू. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37इड/9-86/161—

अतः मुझे, टी० के० साहू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं०..... है तथा जो स्पेश नं० 208,  
सिडीकेट हाउस, 3, प्रोल्ड रोहतक रोड, नई दिल्ली में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधि-  
नियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, दिनांक सितम्बर  
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिस्ती  
(अन्तरिस्ती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से  
प्रयोजनार्थ अन्तरिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

28—106 GI/87

(1) एस० बी० सेल्स प्रा० लिमि० यूबी-1, अंसल भवन  
16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) यू० पी० टाउन ट्रेडिंग एंड इन्वेस्टमेंट लिमि०  
504, कुसुल बाजार, 32-33, नेहरू पलेस, नई  
दिल्ली। (अन्तरिस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अभाव में दिया  
गया है।

अनुसूची

स्पेश नं० 208 दूसरा खंड 335 बर्ग फीट सिडीकेट हाउस,  
3-प्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली।

टी० के० साहू,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-6, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37इ/9-86/148--

अतः मूझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं०..... है तथा जो स्पेश नं० 302, 335 बर्ग फीट सिडीकेट हाउस, ग्रेल्ड रोहतक रोड, दिल्ली-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और औरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत में कमी करने या उससे घटने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अन्तरणों, अर्थात् :--

(1) एस० बी० सेल्स लिमि० यूबी-1, अंसल भवन 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) यू० पी० टाउन ट्रेडिंग इन्वेस्टमेंट लिमि० 504, 32-33, कुसूल बाजार, नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त उपाबद्ध के अर्जन के संबंध में कोई भी अन्तरण :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्धारा 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्धारा में दिया गया है।

अध्यापक

स्पेश नं० 302, 335 बर्ग फीट सिडीकेट हाउस, 3, ग्रेल्ड रोहतक रोड, दिल्ली।

टी० के० साह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-5-1987

सोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37इड/9-86/157--

अतः मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का रण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं०..... है तथा जो फ्लैट नं० 316, सिडीकेट हाउस, 3, ओल्ड रोहतक रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क के अधीन, दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दक्षिण तालुक, बंगलूर में धारा 269-बी के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/के पास रजिस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता बाह्य था, छिपाने में सृजित के लिए;

उक्त अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसर्स एस० बी० सेल्स प्रा० लि०, यूबी-1, मंसल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(सस्तरक)

(2) मैसर्स यू० पी० टाउन ट्रेडिंग एंड इन्वेस्टमेंट लि०, 504/32-33 कुसूल बाजार, नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 316, तादादी 335 वर्ग फीट सिडीकेट हाउस,  
3, ओल्ड रोहतक रोड, नई दिल्ली।

टी० के० साह,

सह सहायक

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

मोहिर :



प्रकाश बाई. टी. एन. एस. : -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आगत आगमन

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए यू०/6/37इड/9-86/158--

अतः मुझे, टी० के० माह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं०..... है तथा जो प्लॉट नं० 315, सिडीकेट हाउस, 3, ओल्ड रोहतक रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन दिनांक मितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि तथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व से कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मैसर्स एस० बी० सेल्स प्रा० लि०, यूबी-1, असल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स यू० पी० टाउन ड्रेडिंग इन्वेस्टमेंट लि०, 504/32-33, कुसूल बाजार, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही कराया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 315 तादादी 335 वर्ग फीट सिडीकेट हाउस 3, ओल्ड रोहतक रोड, नई दिल्ली।

टी० के० माह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987  
मोहर :

प्ररूप आइः टीः एनः एसः -२२-२२२

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश स० आर्इ० ए० सी०/एफ०/६/३७३६/९-८६/१५६—  
अतः मझे, टी० के० साह,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं०..... है तथा जो प्लैट नं० 316ए, सिडीकेट हाउस 4, 3 ओल्ड रोहतक रोड दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) वन्तरण से हुई किसी आय को बायत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

से (1) एस० बी० सेल्स प्रा० लि०, यू० बी-1; मंसल  
भवन 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) यू० पी० टाउन ट्रेडिंग एंड इन्वस्टमेंट्स लि०;  
504/32-33, कुसूल बाजार, नेहरू प्लेस, नई  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाराएं ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**प्रतुसणी**

प्लेट नं० 315-ए, 320 वर्ग फीट सिंडीकेट हासस, 3-  
ग्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली ।

टी० के० साह

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37इ/9-86/155—

अतः मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) [(जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)], की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेश नं० 305, है तथा जो सिडीकेट हाउस, 3 ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क के अधीन, दिनांक सितम्बर 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) एस० बी० सेल्स प्रा० लिमि०, यूवी-1, अंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(3) मैमर्स यू० पी० टाउन ट्रेडिंग एंड इन्वेस्टमेंट लिमि० 504, 32-33, कुसूल बाजार, 32-33 नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेश नं० 305, वर्ग फीट सिडीकेट हाउस, 3, ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली।

टी० के० साह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एच०/6/37ई० ई०/9-86/  
160—अतः मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० स्पेस नं० 303-ए, है तथा जो सिडिकेट हाउस दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, दिनांक मितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स एस० बी० सेल्म प्रा० लि० यूबी०-1,  
अंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स यू० पी० टाउन ट्रेडिंग एंड इन्वेस्टमेंट लि०  
504, 32-33, कुणूल बाजार, नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बांध में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० 303-ए आफ 335 एस० एफ० टी० सिडिकेट  
हासस, 3, ओल्ड रोहतक रोड़, नई दिल्ली।

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

**वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली**

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/63/7इड/9-86/136—

अतः मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लैट नं० 103, तथा जो जनकपुरी प्रोजेक्ट  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कब्र के अधीन,  
दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-  
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिदा  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, स्थानों में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
29-106 GL/87

(1) अंसल प्रोपर्टीस एंड इंडस्ट्रीज प्रा० लिमि० 115,  
अंसल भवन, के० जी० मार्ग, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मालती जैन पत्नी श्री आनंद कुमार जैन  
31-राजेन्द्र पार्क, पूसा रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
अव्यवहारियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 103, सं० 8, जनकपुरी प्रोजेक्ट, नई दिल्ली।

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एब.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी० ए०/6/3755/9-86/138—

अतः मुझे, टी० के० साहू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, है तथा जो  
नं० 8, जनकपुरी प्रोजेक्ट, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें  
उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी  
के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की  
धारा 269-क, ख के अधीन, दिनांक मितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच एवं अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण यह है कि किसी बाब को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्षाई ६—

(1) अमल प्रोपर्टीज एंड इंडस्ट्रीज प्रा० लिमि० 115,  
अमल भवन, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) आनंद कुमार जैन एंड संम (एच० यू० एफ०) दीपक  
कुमार जैन एंड संम (एच० यू० एफ०) 31,  
राजिन्द्र पार्क, पुमा, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएँ ६—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—दरमि प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 101, नं० 8 जनकपुरी प्रोजेक्ट, नई दिल्ली।

टी० के० साहू

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

राजपत्र आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37इड/9-86/139--

अतः मुद्रा टी० के० साह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 114 है तथा जो नं० 8, जनकपुरी प्रोजेक्ट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, दिनांक सितम्बर 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत न कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

(1) असल प्रोपर्टीस एंड इंडस्ट्रीज प्रा० लिमि० 115, असल भवन, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुमित्रा जैन पत्नी स्वर्गीय एम० के० जैन 31-राजन्दि पार्क, पूसा रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 114, नं० 8, जनकपुरी प्रोजेक्ट, नई दिल्ली ।

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्रा.रूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

**सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37डि/9-86/141--

अतः मुझ, टी० के० साहू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 106 है तथा जो नं० 8, जनकपुरी प्रोजेक्ट, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन, दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अंसल प्रोपर्टीस एंड इंडस्ट्रीज प्रा० लिमि० 115, अंसल भवन, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरीता जैन पत्नी श्री दीपक कुमार जैन, 31-राजिन्द्र पार्क, पूसा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

प्लेट नं० 106, नं० 8, जनकपुरी प्रोजेक्ट, नई दिल्ली।

टी० के० साहू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर



## संक्षेप भाग 1, पृष्ठ 55, 56

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना  
आवश्यक

कार्यलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37इ/9-86/140---

अतः मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 110 है तथा जो.....

नं० 8, जनकपुरी प्रोजेक्ट, दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269-ग के अधीन, दिनांक सितम्बर 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के निम्न अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि तथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उक्तके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित अनुसूची से उक्त अंतरण निश्चित के  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरक से हुई किसी धन की आवृत्ति, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के  
विवरण से कभी करने या उक्त करने के विषय  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सहिष्णुता के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) अंसल प्रोपर्टीस एंड इंडस्ट्रीज प्रा० लि० 115,  
अंसल भवन, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राजिन्द्र कुमार जैन सुपुत्र स्वर्गीय श्री जे० एम०  
दास 31, राजनन्दर पार्क, पूसा रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाहियां करवा दीं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक-

(क) इस सूचना के लक्ष्य के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि या की  
व्यक्ति का यह भी सम्भव होनी है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवशुक्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपवादस्थायी के लिए  
निहित के लिए या अन्यथा।

सम्झौताकरण :- इसमें प्रयुक्त सभी शब्दों का, या उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 110, नं० 8, जनकपुरी प्रोजेक्ट, नई दिल्ली।

टी० के० साह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37इड/9-86/137---

अतः मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० फ्लैट नं० 102, है तथा जो .....

नं० 8, जनकपुरी प्रोजेक्ट, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपामुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन दिनांक सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, उस दृश्यमान प्रतिफल के कुछ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अनुसूची में दिये गये किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अर्जन कर से वे अनुसूची में दिये गये कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अंसल प्रोपर्टीज एंड इंडस्ट्रीज प्रा० लि० 115, अंसल भवन, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सिद्धार्थ जैन सुपुत्र श्री आनंद कुमार जैन, सुधामीनी जैन सुपुत्री दीपक कुमार जैन, 31-राजिन्दर पार्क, पूसा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 102, नं० 8, जनकपुरी प्रोजेक्ट, नई दिल्ली।

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1987

मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 31st March 1987

No A 19014/7/82-Admn I—On completion of his tenure at Centre, Shri A J Bajaj (IIS) Deputy Secretary has been relieved of his duties in the office of Union Public Service Commission w.e.f. 31-3-87 (AN)

2 Shri A J Bajaj has been granted Earned Leave from 1-4-87 to 6-4-87 and from 6-7-87 to 17-7-87 (affixing both days falling on 4th, 5th, 18th and 19th July, 1987 to his leave) and during the period from 7-4-87 to 3-7-87 Shri Bajaj will be on foreign training/course on "Financial Planning and Management in Central & Local Govt" at Strathclyde Business School, Glasgow, U K under Colombo Plan.

3 On the expiry of his leave, Shri A J Bajaj is directed to report in his parent department i.e. Directorate General of Supplies and Disposals, Parliament Street New Delhi on 20-7-1987

M P JAIN  
Under Secy (Pers Admn)

## GRIH MANTRALAYA

## DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi, the 18th May 1987

No O II 2/85 Adm 3—Consequent on his retirement on superannuation Shri Mohan Singh, JAD (A/Cs)/Audit Officer (Ad hoc) Internal Audit Party (North Zone) CRPF relinquished charge of the post of Audit Officer on the afternoon of 30-4-87

Sd/ ILLEGIBLE  
Deputy Director (Adm)

New Delhi-110003, the 20th May 1987

No O II-2032/85 Estt I.—The President is pleased to sanction pro forma promotion to Shri K P Speake (Inspector) presently on deputation to CISE to the rank of Dy S P in the CRPF with effect from 28-3-86

ASHOK RAI MAHEPATI  
Assistant Director (Estt)

## DIRECTORATE GENERAL

## CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 14th May 1987

No E-16013 (2)/4/83 Pers I—On repatriation to parent cadre, Shri V Balachandran, IPS (TN 76) relinquished the charge of the post of Asstt Inspector General South Zone, CISE Madras w.e.f. the afternoon of 4th May, 1987

2 On repatriation to parent cadre, Shri P L Viswanathan, IPS (TN SPS) relinquished the charge of the post of Comdt, CISE Unit MPT Madras w.e.f. the afternoon of 7th May, 1987

Sd/- ILLEGIBLE  
Director General/CISE

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi the 21st May 1987

No 7/3/86-Ad I—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee and in consultation with the Union Public Service Commission the President is pleased to appoint Dr K P Ittaman, who is presently officiating on the post of Senior Research Officer (Social Studies) in the

Office of the Registrar General, India, New Delhi in substantive capacity on the same post with effect from 14-4-85

V S VERMA  
Registrar General, India

## MINISTRY OF FINANCE

## DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS

## BANK NOTE PRESS

Dewas the 19th May 1987

F No BNP/C/5/87—Shri Keshav J Bakshi, Sectional Officer (Accounts) is appointed to officiate as Accounts Officer on regular basis in the revised scale of pay of Rs 2375-75-3200-EB 100 3500 (Group B' Gazetted) in the Bank Note Press, Dewas (M P) with effect from 12-5-87 (FN) until further orders

M V CHAR  
General Manager

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUD I),  
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 18th May 1987

No Adm I Prom 8132/87 88/DP No 31—The Accountant General (Audit I) Andhra Pradesh, Hyderabad is pleased to promote the following Assistant Audit Officer to officiate as Audit Officer in the scale of Rs 2375-75-3200-EB-100 3500 with effect from the date noted against him until further orders

Name and Date of assumption of charge

1 Sri R Sampathkumaran—15-5-1987 FN

The promotion is ordered without prejudice to the claims of his seniors if any, and is also subject to the result of the writ petition in the Andhra Pradesh High Court/Supreme Court. He should exercise his option within one month of his date of promotion in terms of Govt of India O M No F 7/1/80 Estt (Pt I), dated 26-9-1981

Sd/- ILLEGIBLE  
Sr Dy Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUD I),  
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 19th May 1985

No Admn I/Prom/8132/87-88/33—The Accountant General (Audit I), Andhra Pradesh Hyderabad is pleased to promote the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officers in the scale of Rs 2375-75-3200-EB-100-3500 with effect from the dates noted against them until further orders

Name and Date of assumption of charge

1 Sri B Narasinga Rao—18-5-1987 FN

2 Sri A Srinivasan—15-5-1987 AN

The promotion is ordered without prejudice to the claims of their seniors, if any and is also subject to the result of the Writ Petition in the AP High Court/Supreme Court. They should exercise option within one month of their date of promotion in terms of Govt of India O M No 7/1/80 Estt Pt (1), dated 26-9-1981

Sd/- ILLEGIBLE  
I/c Sr Dy Accountant General (Admn)

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENL. (A&amp;E),

J&amp;K, SRINAGAR

Srinagar, the 5th May 1987

No. Admn. I/A&E/60 (19) 1/87-88/401.—Accountant General (A&E) J&K Srinagar has been pleased to appoint the following Temporary Section Officers to the posts of Accounts Officers in the pay scale of (Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500) in an officiating capacity w.e.f. the date (s) indicated against each, till further orders :

1. Sh. Seva Ji Koul—21-4-87 (F.N.)
2. Sh. Shibani Lal Bhan—21-4-87 (F.N.)

Their inter se seniority will be in the above order.

Sd./- ILLEGIBLE  
Dy. Accountant General, A&E

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT-I)  
MAHARASHTRA

Bombay-20, the 4th May 1987

No. Admn. I/Audit/Genl/AO/1(1)/35—The Accountant General (Audit) I, Maharashtra, Bombay is pleased to appoint the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officers, with effect from the dates mentioned against their names, until further orders:—

Sr. No.	Name	Date of appointment as Audit Officer
1.	Shri B.N. Bywar	16-2-87 (FN)
2.	Shri M. J. Kande	2-3-87 (FN)
3.	Shri D.S. Rangnekar	2-3-87 (FN)
4.	Shri N.V. Godbole	30-3-87 (FN)
5.	Shri Sayed Mansoor Ali	17-3-87 (FN)
6.	Shri V. Srinivasan	14-4-87 (FN)
7.	Shri S.B. Chitnis	14-4-87 (FN)

Sd./- ILLEGIBLE  
Sr. Dy. Accountant General/Admn.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E),  
ORISSA

Bhubaneswar, the 18th May 1987

No. E.O. 10.—The Accountant General (A&E), Orissa is pleased to appoint Sri B.V.R. Patnaik, Section Officer, of this office to officiate as Accounts Officer in the scale of pay Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 with effect from 1-5-87 (F.N.) until further orders in accordance with the provisions of the I.A.&A.D. (Administrative Officer, Accountants Officer & Audit Officer) Recruitment Rules 1969. This promotion is on adhoc basis and subject to the final decision of the Supreme Court/High Court on the cases subjudice in the Court and without prejudice to the claims of his seniors.

P. NARAYANA MURTHY  
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

## MINISTRY OF LABOUR

(LABOUR DEPARTMENT)

LABOUR BUREAU

Shimla-171 004, the 5th June 1987

No. 5/1/87-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base : 1960=100 increased by five points to reach 691 (Six hundred ninety one) for the month of April, 1987. Converted to Base : 1949=100 the index for the month of April, 1987 works out to 840 (Eight hundred forty).

BALRAM.  
Joint Director  
Labour Bureau  
Shimla-171 004

## MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS  
AND EXPORTS

New Delhi, the 11th May, 1987.

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1609/86-Admn.(G)/2492.—On attaining the age of superannuation, Shri B.K. Vats, Controller of Imports and Exports in the Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports (CLA), New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of the 28th February, 1987.

SHANKAR CHAND  
Dy. Chief Controller of Imports and Exports  
For Chief Controller of Imports & Exports

## MINISTRY OF TEXTILES

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 18th May 1987

No. A-32013/1/82-Estt.II.—The President is pleased to permit Shri H.D. Naik, Director (Processing) in the Weavers' Service Centre, Delhi, under the Office of the Development Commissioner for Handlooms, Ministry of Textiles to retire from Government service with effect from the afternoon of 30th April, 1987 on attaining the age of superannuation.

No. A-32015(1)/86/Estt.I.—The Development Commissioner for Handlooms is pleased to permit Kumari A.C. Lala, Assistant Director Grade, II (Non-Technical) in the Weavers' Service Centre, Bombay, under the Office of the Development Commissioner for Handlooms, Ministry of Textiles, to retire from Government service with effect from the afternoon of 30th April, 1987 on attaining the age of superannuation.

JINDIRA MANSINGH  
Joint Development Commissioner for Handlooms

## MINISTRY OF INDUSTRY

## DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

## OFFICE OF THE ECONOMIC ADVISER

New Delhi, the 5th May 1987

No. A-32013(1)/87-Ec.Ad.—The President is pleased to appoint Shri Mridul Boroghain, an Indian Economic Service Probationer of the XVIIIth Batch, as Research Officer in the Office of the Economic Adviser, Department of

Industrial Development with effect from the forenoon of 30th April, 1987.

N. NATARAJAN  
Assistant Economic Adviser.

# OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

## SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi the, 18th May, 1987

No. 12(388)/63.Admn.(G) Vol I.—On attaining the age of superannuation Shri T.R. Rajagopalan, Deputy Director (Electrical), Small Industries Service Institute, Hyderabad retired from Government service with effect from the afternoon of 31st December, 1986.

C. C. ROY  
Dy. Director (Admn.)

## ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

### KHAN VIBHAG

## GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-7000 16, the 18th May 1987

No. 3713C/A-19011(1-ABR)/85-19A.—The President is pleased to appoint Shri A. Bhopal Reddy to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 2-3-87 until further orders.

The 20th May 1987

No. 3113B/A-19012 (3-KNM)/85-19B.—Shri K.N. Mukhopadhyay, STA (Chem), Geological Survey of India is appointed by the Director General, GSI, to the post of Assistant Chemist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 2000-60-2400-FB-75-3200-100-3500/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30-3-87, until further orders.

No. 3776C/A-19011(1-UC)/86-19A.—The President is pleased to appoint Shri U. Chidambaramathan to the post of Geologist (Jr) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 2200-75-2800-FB-100-4000/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 4-3-87, until further orders.

A. KUSHARI  
Director (Personnel)

Calcutta-16, the 18th May 1987

No. 3733C/A-19011(5-DH)/86-19B.—The President is pleased to appoint Sri D. Hore, Superintending Engineer (Civil), CPWD, as Suptdg. Engineer (Civil Construction) in the Geological Survey of India on deputation in the scale of 3700-125-4700-150-5000/- (Revised) w.e.f. 15-4-87 (FN) on usual terms of deputation for a period of two years, until further orders.

D. K. GUPTA  
Sr. Dy. Director General (P)

Calcutta-700016, the 20th May 1987

No. 3763C/A-19011(1 SDL)/86-19A.—The President is pleased to appoint Shri S. D. Lalit, Mineralogist (Senior) G.S.I. on promotion as Director (Mineral Physics) on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 3700-125-4700-150-5000/- in the same department in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 6-2-1987, until further orders.

N. K. MUKHERJEE  
Sr. Dy. Director General (Opn.)

## INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 18th May 1987

No. A-19012(228) 87-Estt.A.—Shri Nandlal, Assistant Mining Geologist has relinquished the charge of the post of Assistant Mining Geologist in Indian Bureau of Mines on the afternoon of 30-4-87 on his appointment as Geophysicist (Jr.) in Geological Survey of India, Calcutta.

G. C. SHARMA  
Asstt. Administrative Officer  
for Controller General

## MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY

### INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 19th May 1987

No. A.38019, II/83-E.I.—Shri P. C. Dutta, Assistant Meteorologist, Regional Meteorological Centre, Calcutta, India Meteorological Department, retired from the Government service w.e.f 31-3-1987 on attaining the age of superannuation.

ARIJUN DEV  
Meteorologist (Gaz. Estt.)  
for Director General of Meteorology

## NATIONAL ATLAS & THEMATIC MAPPING ORGANISATION

### DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY

Calcutta-19, the 19th May 1987

No. 35-2(AO)/57-Estt.—Shri R. N. Chatterjee, Office Superintendent is appointed to the post of Administrative Officer, General Central Service, Group 'B', Gazetted in the National Atlas & Thematic Mapping Organisation (Scale of Pay Rs. 2000-3500 revised) on ad hoc basis with effect from 1st May, 1987 (forenoon) and until further orders.

G. K. DUTT  
Director

## NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 12th March, 1987

No. F. 10/83 Estt.—The Director of Archives, Government of India, hereby appoints the undermentioned (Group 'B' Gazetted) Officers in a substantive capacity in the post and the date shown against each of them:—

S. No.	Name & present designation of the officer.	Name of the post to which substantively appointed on substantive basis.	Date of appointment.	Remarks
1.	Sh. Rajinder Prasad. Pmt. Asstt. Chemist Grade I and Offg. Scientific Officer	Scientific Office	1-3-82	Vice Sh. V.V. Talwar, retired.
2.	Dr. Gu meet Singh Scientific Officer	Do.	1-9-83	Vice Sh. Y. P. Kathpalia, retired.

A. K. SHARMA  
for Director of Archi

## DIRECTOR GENERAL DOORDARSHAN

New Delhi, the 20th May 1987

No. 3/12 87-SH.—Kum B. Sudha Hindi Officer at Doordarshan Kendra Tirvandrum expired on 9-2-1987.

No. 3/12/87-SH—Director General, Doordarshan is pleased to appoint the following Officers as Hindi Officers in the pay scale of Rs. 650-1200 (pre-revised) on deputation basis for a period of two years and to post them at the offices indicated below w.e.f. the dates mentioned against their names:—

S. No.	Name	Posted at	With effect from
(1)	Sh. Ajit Kumar	Doordarshan Kendra, Bangalore	7-11-86 (AN)
(2)	Sh. Sidh Nath] Gupta	Doordarshan Kendra Calcutta	20-3-87 (FN)
(3)	Kum B. Sudha	Doordarshan Kendra Tirvandrum	27-10-86 (FN)

PREM SINGH TOKAS  
Deputy Director Administration  
for Director General

## MINISTRY OF INFORMATION &amp; BROADCASTING

## FILM DIVISION

Bombay-26, the 18th May 1987

No. 5/5 58-Fst-I.—Shri S. A. Naik retired voluntarily from Service and relinquished charge of the post of Branch Manager in Films Division, Hyderabad in the forenoon of 20th April, 1987.

V. R. PESWANI  
Asstt. Administrative Officer  
for Chief Producer

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 4th May 1987

No. A.12025/2/82(CRI)/Admn./EPL.—The President is pleased to appoint Shri Hera Lal Wangnoo, in a substantive capacity to the permanent post of Bio-Medical Engineer, Central Research Institute, Kasauli-173205 (H.P.) with effect from the 8th November, 1984.

JESSIE FRANCIS  
Dy. Director Administration (PH)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 085, the 14th May 1987

Ref. No. DPS/41/1/85-Adm./21194.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Chowannur Vijayan, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 from 20-04-1987 (FN) to 01-06-1987 (FN) in the same Directorate *via* Shri K. P. S. Pillai, Asstt. Purchase Officer granted leave.

B. G. KULKARNI  
Administrative Officer

## NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 15th May 1987

No. NFC : PAR : 0704 : 1180.—Dy. Chief Executive (A), Nuclear Fuel Complex, appoints Shri N. R. Mohan Rao, Permanent Assistant Security Officer to officiate as Security Officer, on adhoc basis in Nuclear Fuel Complex on an initial pay of Rs. 2000/- p.m. in the scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 from 15-5-87 to 11-6-87 or until further orders whichever is earlier.

N. V. RAMAN  
Manager, Personnel & Admn.

Hyderabad-500 762, the 19th May 1987

No. NFC/PAR/0703/1220.—Deputy Chief Executive (A), Nuclear Fuel Complex, appoints Shri D. Gopala Rao, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in an initial pay of Rs. 2000/- p.m. in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 on adhoc basis with effect from 12-5-1987 to 13-6-1987 or until further orders, whichever is earlier.

No. NFC/PAR/0709/1221.—Deputy Chief Executive (A) Nuclear Fuel Complex, appoints Shri G. N. Khedkar, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 on adhoc basis with effect from 12-5-1987 to 11-6-1987 or until further orders whichever is earlier.

GOPAL SINGH  
Manager Personnel & Admn.

INDIRA GANDHI CENTRE FOR ATOMIC  
RESEARCH

Kalpakkam, the 18th May 1987

No. IGCAR/A.32023/1/87-R/223.—The Director, Indira Gandhi Centre for Atomic Research is pleased to appoint Shri Joseph Dorairaj, a permanent Upper Division Clerk and an officiating Selection Grade Clerk of Indira Gandhi Centre for Atomic Research as Assistant Administrative Officer on ad hoc basis in the same Centre with effect from 18-05-1987 (FN) to 19-6-1987 (AN).

P. VENUGOPALAN  
Administrative Officer

## DEPARTMENT OF SPACE

## VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-22, dated the 18th May, 1987

No. VSSC/EST/A/87/1155.—The Director, VSSC hereby appoints the following officials as Scientist/Engineer 'SB' in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department of Space on a purely temporary and provisional basis with effect from the dates shown against each and until further orders:

Sl. No.	Name	Divn.	Date of appointment
	Shri/Smt/Kum.		
1.	K. Anil kumar	ISI	02-09-86
2.	Najeeb Abdul Majeed	ELS	04 09 86
3.	J. Girija	..	26-11-86
4.	S. Sree Kumar	CGD	12-01-87
5.	Dilip K. Varma	..	20-01-87
6.	S. Kumar	..	03-03-87
7.	A. Selvi	ELS	20-04-87
8.	R. Jyothi	..	23-04-87

K. G. NAIR  
Admn. Officer-II (EST)  
for Director, VSSC.

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 8th May 1987

No. A. 32013/1/86-EI.—The President is pleased to continue ad-hoc appointment of the following officers to the grade of Deputy Director/Controller of Airworthiness in the Civil Aviation Deptt. for a further period of 6 months mentioned against each:—

S. No.	Name	Extent of period of ad-hoc appointment	
		From	To
	S/Shri		
1	R.C. Gupta	1-3-87	31-8-87
2	J I. S. Bedi	1-3-87	31-8-87

The 18th May 1987

No. A.21021/2/87-E.I.—On attaining the age of superannuation Shri K. Himmat Singh, Controller of Airworthiness retired from the Government Service on 30-4-1987 (AN).

M. BHATTACHARJEE, Dy. Director of Administration

## CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 18th May 1987

No. 3-775/87-CH(Estt).—Shri Sanjeev Kumar Bhatnagar is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. (Group-B) (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000/- in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board with his Headquarter at Central Region, Nagpur w.e.f. 23-3-87 (FN) till further orders.

No. 3-777/87-CH(Estt).—Shri Sudhanshu Shekhar is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. (Group-B) (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000/- in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board, Eastern Region, Calcutta with his Headquarter at State Unit Office, Patna, w.e.f. 14-4-87 (FN) till further orders.

No. 3-790/87-CH(Estt).—Shri Rana Chatterjee is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. (Group-B) (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000/- in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board with his Headquarter at Central Region, Nagpur, w.e.f. 31-3-1987 (FN) till further orders.

No. 3-792/87-CH(Estt).—Shri D. Venkateshwaran, is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. (Group-B) (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000/- in the revised

scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board with his Headquarter at Central Region, Nagpur w.e.f. 9-4-1987 (FN) till further orders.

No. 3-793/87-CH(Estt).—Shri Debashis Biswas is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. (Group-B) (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000/- in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board North Eastern Region, Guwahati with his Headquarter at State Unit Office, Shillong w.e.f. 30-3-1987 (FN) till further orders.

No. 3-794/87-CH(Estt).—Shri Sanjeev Mehrotra is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. (Group-B) (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000/- in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board with his Headquarter at North Central Region, Bhopal w.e.f. 9-4-1987 (FN) till further orders.

No. 3-796/87-CH(Estt).—Shri Dalel Singh is appointed as Junior Hydrologist, G.C.S. (Group-B) (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000/- in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board with his Headquarter at North Central Region, Bhopal w.e.f. 19-2-1987 (FN) till further orders.

B. P. C. SINHA, Chief Hydrogeologist &amp; Member

MINISTRY OF INDUSTRY  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. The Dharwad Vyaparottejaka Company Ltd.*

Bangalore-9 the 18th May 1987

No. 868/560/87.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Dharwad Vyaparottejaka Company Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Kerala Commercial Enterprises Private Ltd.*

Bangalore-9, the 18th May 1987

No. 3697/560/87.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Kerala Commercial Enterprises Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE  
Registrar of Companies,  
Karnataka, Bangalore

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
57, RAM TIRTH MARG  
LUCKNOW

Lucknow, the 5th May 1987

G.I.R. No. G-95/Acq.—Whereas I, MRS. SAROJNI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Khasra Nos. 717 to 727 & 739 situated at Vill. Barora Hussain Bari, Salarbagh, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 2-2-1987, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gulab Singh  
(Transferor)
- (2) Ganga Yamuna Sahkari Avas Samiti Ltd.,  
Lucknow Through Secretary Shri Rajesh Kumar.  
(Transferee)
- (3) Shri Gulab Singh.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as arc defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Land Khasra Nos. 717 to 727 and 739 total area 6 bigha 1 Biswa situated at Vill. Barora Hussain Bari, Salarbagh, Lucknow (as mentioned in Form 37G).

SMT. SAROJNI LAL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 5-5-1987  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
57, RAM TIRTH MARG  
LUCKNOW

Lucknow, the 5th May 1987

G.I.R. No. T-47/Acq.—Whereas, I,

MRS. SAROJNI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing

No. Khasra Nos. 7, 8, 20 situated at Ram Nagar, Lucknow,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 6-2-1987

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : —

- (1) Shri Jagdish Prasad. (Transferor)  
(2) Trans Gomti Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Khasra No. 7, 8, 20 area 4 Bigha 8 Biswa 16 Biswansi situated at Ram Nagar, Pargana Tehsil and District Lucknow (as mentioned in Form 37G).

SMT. SAROJNI LAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 5-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
57, RAM TIRTH MARG  
LUCKNOW

Lucknow, the 14th April 1987

G.I.R. No. S-416/Acq.—Whereas, I, SMT. SAROJNI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Nos. 487/1, 487/2, 487/4, 488/1, 488/4, 488/2, 488/3, 494/1 and 494/3 situated at Vill. Bhigwara, Teh. Kichha, Parg. Rudrapur, Distt. Nainital, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 18-9-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Kashmir Singh  
2. Shri Shameer Singh.  
3. Smt. Kartar Kaur.  
4. Shri Veer Singh.  
5. Shri Harbhajan Singh.  
all acting through their Power of Attorney holder Mr. Harbhajan Singh  
S/o Shri Darshan Singh. (Transferor)
- (2) Shriram Honda, Power Equipment Limited, having its Regd. office at 19, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, Through Mr. Siddharth Shriram, Director of the Company. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing Khalsa/Khatauni Numbers 487/1, 487/2, 487/4, 488/1, 488/4, 488/2, 488/3, 494/1 and 494/3 measuring 31.98 acres situated at Village Bhigwara, Tehsil Kichha, Pargana Rudrapur, District Nainital (U.P.) (as mentioned in 37G Form).

SMT. SAROJNI LAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 14-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
"SIVASAKINI BUILDING" (II FLOOR)  
31, G.N. CHETTY ROAD, T. NAGAR  
MADRAS-17

Madras-17, the 30th April 1987

Ref. No. 2/September/86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. T.69, Anna Nagar, Madras-40, situated at Anna Nagar—Doc. No. 2916 and 2917/86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anna Nagar in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than 15% of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Sushila L. Raheja and Miss. Reshma Raheja, 54 'B', Bandstand Co-op. Housing Society Ltd. 197 'C' Cane Road, Bandra, Bombay 400 050. (Transferor)
- (2) Sri R. Natarajan and Smt. N. Suryakumari, 1-69, A. A. Nagar, Madras-600 040. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. T. 69, Arignar Anna Nagar, Madras-600 040.

(Doc. No. 2916 and 2917/86).

A. R. REDDY  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date : 30-4-1987.

Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
 "SIVASAKINI BUILDING" (II FLOOR)  
 31, G.N. CHETTY ROAD, T. NAGAR  
 MADRAS-17

MADRAS-17, the 6th May 1987

Ref. No. 7/September/86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 5, Damodara Mudali Street, Panchavadi, situated at Chetput, Madras-31, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 1048/86) on 19-9-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri T. C. Monga and Other 2,  
 Flat No. 16, P.A. Towers, Halls Road,  
 Egmore, Madras-8.  
 (Transferor)

(2) Miss I. Waheeda and  
 Miss I. Raseena,  
 Rep. by mother and guardian D. Zeenath,  
 Flat No. 1, 3rd Floor, Tripti Building,  
 102A, Marshal Road, Egmore,  
 Madras-600 008.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 5, Damodara Mudali Street, Panchavadi, Chetput, Madras-31.

(Doc. No. 1048/86).

A. R. REDDY  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date : 6-5-1987.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
"SIVASAKINI BUILDING" (II FLOOR)  
31, G.N. CHETTY ROAD, T. NAGAR  
MADRAS-17

Madras-17, the 30th April 1987

Ref. No. 8 September/86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing R.S. No. 110-8, Millers Road, situated at Kilpauk, Madras-10, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras North—Doc. No. 3186/86, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
31—106GI/87

in September 1986,

(1) Sri K. M. Muhamed Ali,  
No. 20, V. V. Koil Street,  
Periamet, Madras-3.

(Transferor)

(2) Sri A. N. Shameel Ahmed,  
Smt. A. N. Shaheena Banu,  
No. 7, Nabikhan Subedar Street,  
Periamet, Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 90 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land at R.S. No. 110/8, Millers Road, Kilpauk, Madras-10.  
(Doc. No. 3186/86).

A. R. REDDY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date : 30-4-1987.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
"SIVASAKINI BUILDING" (II FLOOR)  
31, G.N. CHETTY ROAD, T. NAGAR  
MADRAS-17**

Madras-17, the 30th April 1987

Ref. No. 8A/September/86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 110/7, Millers Road, situated at Kilpauk, Madras-10, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras-10. (Doc. No. 3187/86). in September 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri K. M. Muhamed Ibrahim,  
No. 20, V. V. Koil Street,  
Periamet, Madras-3. (Transferor)
- (2) Smt. A. N. Shakeela Banu,  
A. N. Shabana Banu,  
No. 7, Nabikhan Subedar Street,  
Periamet, Madras-3. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Vacant land at R.S. No. 110/7, Millers Road, Kilpauk, Madras-10.

(Doc. No. 3187/86).

A. R. REDDY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date: 30-4-1987.

Seal

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Shri A. Shafeeq Ahmed,  
71, Rundalls Road,  
Vepery, Madras-7.

(Transferor)

(2) Smt. A. Hameeda Banu,  
No. 163, Broadway,  
Madras-600108.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
"SIVASAKINI BUILDING" (II FLOOR)  
31, G.N. CHETTY ROAD, T. NAGAR  
MADRAS-17

Madras-17, the 30th April 1987

Ref. No. 9/September/86.—Whereas, I,  
A. R. REDDY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
No. 33, Varadarajulu Naidu Street,  
situated at Vepery, Madras-7,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Madras North—Doc. No. 3221/86 on 24-9-1986,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 33, Varadarajulu Naidu  
Street, Vepery, Madras-7.

(Doc. No. 3221/86).

A. R. REDDY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 30-4-1987.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
"SIVASAKINI BUILDING" (II FLOOR)  
31, G.N. CHETTY ROAD, T. NAGAR  
MADRAS-17

Madras-17, the 30th April 1987

Ref. No. 12/September/86.—Whereas, I,  
A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to be the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 4, West Mada Church Street, Royapuram, situated at Madras-13, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Royapuram—Doc. No. 1658/86 on 26-9-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) C. Chunilal & Others,  
4, West Mada Church Street,  
Royapuram, Madras-13. (Transferor)
- (2) Diabetes Research Centre Foundation,  
4, Main Road, Royapuram,  
Madras-600 013. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at No. 4, West Mada Church Street,  
Royapuram, Madras-600 013.

(Doc. No. 1658/86).

A. R. REDDY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 30-4-1987.  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
"SIVASAKINI BUILDING" (II FLOOR)  
31, G.N. CHETTY ROAD, T. NAGAR  
MADRAS-17

Madras-17, the 1st May 1987

Ref. No. 14/September 86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the (said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 34, Victoria Crescent Road, Egmore, Madras-8, situated at (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights—Doc. No. 81/87 in September 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Chaitanya Builders and Leasing (P) Ltd.,  
12, Khader Nawazkhan Road,  
Madras-600 006. (Transferor)
- (2) Dr. E. Somasekhar,  
'VIBRENE', 12, Khader Nawazkhan Road,  
Madras-6. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Apartment No. 4C, 34, Victoria Crescent, Egmore, Madras.

(Doc. No. 81/87).

A. R. REDDY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 1-5-1987.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
"SIVASAKINI BUILDING" (II FLOOR)  
31, G.N. CHETTY ROAD, T. NAGAR  
MADRAS-17

Madras-17, the 30th April 1987

Ref. No. 15/September 86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 107 and 113 in SIDCO situated at Industrial Estate, Ranipet, North Arcot Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras South—Doc. No. 3262/86 in September 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Asian Wire & Allied Products  
Proprietor: Sri A. K. Peer Mohamed,  
34, Post Office Street, Madras-600 001,  
(Transferor)
- (2) Sri C. S. Mohan,  
Partner in Asian Wire and Allied Products,  
18, Ramanathan Street,  
Kilpauk, Madras-10.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 107 and 113 in SIDCO Industrial Estate, Ranipet, North Arcot Dist.

(Doc. No. 3262/86).

A. R. REDDY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 30-4-1987.  
Seal:

## FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Sunderlal Lalji Kanojia &amp; Ors.

(Transferor)

(2) Ralhan Builders Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 8th May 1987

Ref. No. ARIV /37/EE/31681/86-87.—

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 37 Hissa No. 5-B, C.T.S. No. 726A of Kandivli, Taluka Borivli situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece or parcel of land or ground admeasuring 2268 sq. yards 2073.35 sq. mtrs. or thereabout, bearing Survey No. 37, Hissa No. 5-B, C.T.S. No. 726-A of Kandivli Taluka Borivli in Registration District and sub-district of Bombay city and suburban.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/31681/86-87 on 1-9-1986.

LAXMAN DAS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 8-5-1987  
Seal ;

## FORM ITNS

- (1) M/s. Y. Bindu Construction Co. (Transferor)  
 (2) M/s. Vinayak Construction Co. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
 ACQUISITION RANGE-IV  
 BOMBAY

Bombay, the 8th May 1987

Ref. No. ARIV/37EE/31653/86-87.—  
 Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 10, S. No. 27 & 28, Dahanukarwadi, Kandivli (W), Bombay-400067  
 Bombay on 1-9-1986  
 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at at Bombay on 1-9-86 situated at Bombay for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or  
 (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land or ground admeasuring 1242 sq. yards equivalent to 1038.45 sq. metres or thereabout inclusive of the portion of 352 sq. yards equivalent to 294.30 sq. meters going in proposed 90' D. P. Road, being sub divided plot No. 10 of the lands bearing Survey Nos. 27 & 28, C.T.S. No. 1301/9 of Village Kandivli, Taluka Borivli District Bombay suburban, registration District and Sub-District of Bombay city and Bombay suburban District, situated at Dahanukar Colony, Kandivli (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/31653/86-87 on 1-9-1986.

LAXMAN DAS  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-IV  
 Bombay

Date: 8-5-1986  
 Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 6th May 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/68/10401/86-87.—

Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 401, 4th floor, Shiv Lila, A. P. Road, Grant Rd. (E), Bombay-400 007 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Bharwani Bros. &amp; Co.

(Transferor)

(2) Master Sanjay R. Bharwani  
through father & natural guardian  
R. S. Bharwani &  
Master Ashwin C. Bharwani  
through father & natural guardian  
C. S. Bharwani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Shiv Lila, Alibhai Premji Road, Grant Road (E), Bombay-400 007.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-I/37EE/10803/86-87 on 18-9-1986.

P. N. BANSAL.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-5-1987  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mohammed Iqbal Chhapra &amp; Ors.

(Transferor)

(2) Mustufa A. Razak &amp; Anr.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 6th May 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/69/10661/86-87.

Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 101, 1st floor, Agripada Rajput Villa, CHS Ltd. Agripada Estate, Bombay-8 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 101, 1st floor Agripada Rajput Villa Co-operative Housing Society Limited, Agripada Estate, Bombay-400 008.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/10791/86-87 on 17-9-1986.

P. N. BANSAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Shah &amp; Nahar Developments.

(Transferor)

(2) Shri Moolchand Makaji Vora.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 6th May 1987

Ref. No. AR-IB/148/10801/86-87. —

Whereas, I. P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 214, Shah & Nahar (Light) Ind. Estate, Dr. E. Moses Rd., Bombay-18 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 214 on 2nd floor of Shah-Nahar (Worli) Light Ind. Estate, Dr. E. Moses Road, Worli, Bombay-400 018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/10805/86-87 on 18-9-1986.

P. N. BANSAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-5-1987

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43) OF 1961)

(1) Popatlal M. Shal  
(Sole Prop. P. V. Bros.).

(Transferor)

(2) Gulab M. Advani.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 6th May 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/70/10831/86-87.—

Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Units Nos. 19 & 20, Mahalakshmi Ind. Estate, Gandhi Nagar Bombay-400 013 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Units bearing Nos. 19 & 20 situated at Mahalakshmi Industrial Estate, Gandhi Nagar, Off. Maisies Road, Lower Parcel, Bombay-400 013.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IB/37EE/10790/86-87 on 17-9-1986.

P. N. BANSAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 6-5-1987,  
Seal :



FORM I.T.N.S.—

(1) Jeewanlal (1929) Limited.

(Transferor)

(2) Deepak Enterprises  
(Sole proprietary divn. of Sea Princess Hotels &  
Properties Pvt. Ltd.).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAYObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 6th May 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/64/86-87.—

Whereas, I, P. N. BANSAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office  
of the Competent Authority at  
Bombay on 1-9-1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of publication  
of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION S—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning to given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land adm. about 7098  
sq. mts. or thereabout being the portion of a larger piece of  
leasehold land adm. about 14029 sq. mts. or thereabouts  
and bearing new Survey No. 2497 and C. S. No. 152 of  
Parel Sewri Division and situate lying and being at West  
side of the Parel Tank Road in the regn. district of Bom-  
bay.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/10714/86-87 on  
1-9-1986.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

P. N. BANSAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 6-5-1987  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Rajkamal Kalamandir Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) V &amp; M. Associates.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY**

Bombay, the 6th May 1987

Ref. No. AR-1B/37EE/335/86-87.—

Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Plot No. 3 adm, about 2695 sq. mt. forming part of C. S. 191 (Part) of Lower Parel Dn., Dr. S. S. Rao Road, Lower Parel, Bombay-400 012 situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 3 admeasuring about 2695 sq. mts. forming part of C.S. 191 (Part) of Lower Parel Division, Dr. S. S. Rao Road, Lower Parel, Bombay-400 012.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-1/37EE/10742-A/86-87 on 11-9-1986.

**P. N. BANSAL**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-5-1987  
Seal :

FORM ITN

(1) Mr. Bharat S. Mehta,

(Transferor)

(2) Mr. Jyotendra S. Shah.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IB  
BOMBAY

Bombay, the 6th May 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/67/86-87.—

Whereas, I. P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 52, at 5th floor, Ratnakar CHSL 8th Lane Khetwadi, Bombay-400 004 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 52, 5th floor, Ratnakar Co-op. Housing Society Limited, 8th Lane, Khetwadi, Bombay-4.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IB/37EE/10742/86-87 on 11-9-1986.

P. N. BANSAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 6-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Smt. Rekhaben Chandrakant Shah. (Transferor)  
 (2) Kishore Prabhulal Talati & Others. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 6th May 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/66/12666/86-87.—

Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,000,000/- and bearing No. Flat No. 6 & Garage No. 17, Alakananda Co-op. Hsg. Soc., Dr. Deshmukh Lane, V. P. Road, Bombay-400 004 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 6 & Garage No. 17, Alakananda Co-operative Housing Society Limited, Dr. Deshmukh Lane, V. P. Road, Bombay-400 004.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IB/37EE/10763/86-87 on 11-9-1986.

P. N. BANSAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 6-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 6th May 1987

Ref. No. AR-IB/62/86-87.—

Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 25, Petit Mansion, Sleater Road, Bombay-7, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Postonji M. Cooper & Others. (Transferor)  
(2) Mrs. Sara Yusuf Bookwala & Others. (Transferee)  
(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 25, Petit Mansion, Sleater Road, Bombay-400 007.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37FE/10755/86-87 on 18-9-1986.

P. N. BANSAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 6-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Ocean Carriers Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Omega Holdings Pvt. Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB,  
BOMBAY

Bombay, the 6th May 1987

Ref. No. AR-IB/72/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Office premises on 4th floor, Nav Rattan Bldg., P. D'Mello Rd; Carnac Bunder, Bombay-400 009, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Office premises on the 4th floor, Nav Rattan Bldg., P. D. Mello Road, Carnac Bunder, Bombay-400 009.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR. I/37FE/10771, 86-87 on 19-9-1986.

P. N. BANSAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IB  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-5-1987  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Gretabell D'Souza.

(Transferor)

(2) Mr. Haroon T. Memon &amp; 3 others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IB,  
BOMBAY

Bombay, the 6th May 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. AR-IB/71/86-87.—Whereas, I,  
P. N. BANSAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 5,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 26, 7th floor, & Car Parking Space No. 4, Central  
Court, 18, Motibai Street, Bombay-400 011,  
situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and the same is registered under Section  
269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the  
Competent Authority at  
Bombay on 19-9-1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of this liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 26, 7th floor & Car Parking Space No. 4, Central  
Court, Co-operative Housing Society Ltd., Motibai Street,  
Bombay-400 011.The agreement has been registered by the Competent  
Authority Bombay, under No. AR.I/37EE/10788/86-87 on  
19-9-1986.

P. N. BANSAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IB  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
consideration for such transfer as agreed to between the  
persons, namely :—

Date : 6-5-1987  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-IB,  
BOMBAY**

Bombay, the 6th May 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/146/12869/86-87.—Whereas, I, P. N. BANSAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 305/8, Manish Comm. Centre, 216 A, Dr. A. B. Road, Worli Bombay-25, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Anil Madhavrao Parkar. (Transferor)  
(2) New Horizon Leasing & Finance Ltd. (Transferee)  
(3) Shivam Corporation. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

305/B, Manish Commercial Centre, 216 A, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-IB/37EE/10812/86-87 on 25-9-1986.

P. N. BANSAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IB  
Bombay

Date : 6-5-1987  
Seal :



FORM ITNS—

(1) Smt Sumitra C Shah

(Transferor)

(2) Bomi Darsha Kavina.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE IB,  
BOMBAY

Bombay, the 6th May 1987

Ref No AR IB/37EE/63/86-87 —Whereas, I,  
P N BANSAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value  
exceeding Rs 100 000 and bearing  
Flat No 64, 6th fl, Vikas Finlay Towers, Plot No 190 of  
Patel Sewree Divn, Bombay-12  
situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the same is registered under Section  
269 AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the  
Competent Authority at  
Bombay on 25-9-1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No 64, Sixth floor, Vikas Finlay Towers, Plot No. 190  
of Patel Sewree Division, Patel Tank Road, Patel, Bombay-  
400 012

The agreement has been registered by the Competent  
Authority Bombay, under No AR, IB/37EE-10816/86-87  
on 25-9-1986

P. N BANSAL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IB  
Bombay

Date 6 5 1987  
Seal.

**FORM ITNS**

- (1) Shri Mulchand Makaji Vora. (Transferor)  
 (2) Salgaokar Mining Ind. Pvt. Ltd. (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
 SIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-IB,  
 BOMBAY**

Bombay, the 6th May 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/147/12910/86-87.—Whereas, I,  
 P. N. BANSAL,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property, having a fair market value  
 exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
 Unit No. 215, 2nd floor, Shah, & Nahar Ind. Estate, Dr. E.  
 Moses Road, Worli, Bombay-18,  
 situated at Bombay  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred and the same is registered under Section  
 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the  
 Competent Authority at  
 Bombay on 25-9-1986  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that  
 the consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer,  
 and/or  
 (b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days  
 from the service of notice on the respective persons  
 whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
 property within 45 days from the date of publication  
 of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Unit No. 215 on 2nd floor in 'Shah-Nahar (Worli) Light  
 Industrial Estate', Dr. E. Moses Road, Worli, Bombay-400018.

The agreement has been registered by the Competent  
 Authority Bombay, under No. AR. I/37EE/10824/86-87 on  
 25-9-1986.

P. N. BANSAL  
 Competent Authority  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-IB  
 Bombay

Date : 6-5 1987  
 Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s Ahura Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Bihari P. Asrani &  
Master Anil Asrani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned —OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
CONTRACTOR BUILDING,  
BALLARD ESTATE  
3RD FLOOR, R. K. MARG,  
BOMBAY-400 038

Bombay, the 7th May 1987

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

Ref. No. AR II/37EE/37888/1986-87 —Whereas, I,  
K C SHAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 502, 5th floor 'Clamar' at Plot No. 50, CTS No.  
F/850 T P S., III, Bandra, Bombay-50  
situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269 AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority at  
Bombay on 2-9-86  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of:—

EXPLANATION.—The terms and expression used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer  
and/or

Flat No. 502 on the 5th floor of the building 'Clamar',  
at Plot No. 50, CTS No. F 850, T P S. III, Bandra, Bom-  
bay 50

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under Serial No. AR II/37EE/37888/  
86-87 on 2-9-1986

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

K C SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Date 7-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Ahura Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. Preeti B. Asrani &  
Master Sunil B. Asrani.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
CONTRACTOR BUILDING,  
BALLARD ESTATE  
3RD FLOOR, R. K. MARG,  
BOMBAY-400 038.

Bombay, the 7th May 1987

Ref. No. AR. II/37FE/37889/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 502 on the 5th floor of the bldg. Clamar at Plot No. 50 CTS No. F/850, TPS. III, Pandia, Bombay-400 050, alongwith terrace situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 502 on the 5th floor of the Bldg. Clamar, at plot No. 50, C.T.S. No. F/850, TPS III. Bandra, Bombay-50 alongwith terrace.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II/37FI/37889/86-87 on 1-9-1986.

K. C. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 7-5-1987

Seal :

**FORM ITNB**

(1) Noshina Lakhani.

(Transferor)

(2) Mr. Bilal N. Khatau.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-II,  
CONTRACTOR BUILDING,  
BALLARD ESTATE,  
3RD FLOOR, R. K. MARG,  
BOMBAY-400 038.

Bombay, the 7th May 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR. II/37EE/37895 & 37968/1986-87.—Whereas, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Madhu Sarita Apts., Block A, Flat 15, Byramjee Jeejeebhoy Road, Bandstand, Bandra, Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Madhu Sarita Apts., Block A, Flat 15, Byramjee Jeejeebhoy Road, Bandstand, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/37895 & 37968/86-87 on 1-9-1986.

K. C. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

4—106GI/87

Date : 7-5-1987  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Rev. Dr. Simon I. Pimenta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. H. P. Gupta (HUF).

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
CONTRACTOR BUILDING,  
BALLARD ESTATE,  
3RD FLOOR, R. K. MARG,  
BOMBAY-400 038.

Bombay-400038, the 7th May 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR. II/37EE/37937/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Plot No. 233, N. A. No. 233 bearing C.T.S. Nos. B/730, B/731, B/732, B/733, B/735, Junction of Mount Mary's Road & Pereira Road, Bandra, Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereon), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Plot No. 233, N. A. No. 233, bearing CTS Nos. B/730, B/731, B/732, B/733, B/735 at Junction of Mount Mary's Road &amp; Pereira Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/37937/86-87 on 2-9-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
CONTRACTOR BUILDING,  
BALLARD ESTATE  
3RD FLOOR, R. K. MARG,  
BOMBAY-400 038.

Bombay, the 7th May 1987

Ref. No. AR. II/37EE/37945/1986-87.—Whereas, I,

K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Flat No. 4, The Bandra Ocean View Co. op. Housing Society Ltd., Bandra, Bombay-50,

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Mukta Chandrasekhar Rao. (Transferor)  
(2) Mr. Mahomedali Hussain Bardanwalla & Mrs. Zarina Mohamedali Bardanwalla and Mr. Minhazali Mahomedali Bardanwalla. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor, The Bandra Ocean View Co. operative Housing Society Ltd., 19, Hill Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/37945/86-87 on 5-9-1986.

K. C. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Bombay

Date : 7-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
CONTRACTOR BUILDING,  
BALLARD ESTATE  
3RD FLOOR, R. K. MARG,  
BOMBAY-400 038.

Bombay-400038, the 7th May 1987

Ref. No. AR. II/37EE/37982/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Plot No. 80, of TPS IV Bandra, CTS No. F/975, Bandra, Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Roger Rodrigues. (Transferor)
- (2) 1. Shri Chandru L. Raheja &  
2. Shri Suresh L. Raheja. (Transferee)
- (3) Tenants. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing plot No. 80 of TPS IV, Bandra, CTS No. F/975 situated at Guru Nanak Rd., Bandra, Bombay-400 050 together with structures standing thereon.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/37982/86-87 on 5-9-1986.

K. C. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Bombay

Date : 7-5-1987  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
CONTRACTOR BUILDING,  
BALLARD ESTATE,  
3RD FLOOR, R. K. MARG,  
BOMBAY-400 038.

Bombay-400038, the 7th May 1987

Ref. No. AR. II/37EE/38094/1986-87.—Whereas, I,  
K. C. SHAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/-  
and bearing  
Flat No. A-2, 1st floor, Bandra Liberty Co-operative Hsg.  
Society Ltd., 98-B, Hill Road, Bandra, Bombay-400 050.  
situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority at  
Bombay on 9-9-1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely:—

- (1) Mrs. Frances Mary Fernandes. (Transferor)  
(2) Mr. N. B. Shetty,  
Trustee of Shetty Family Trust. (Transferee)  
(3) Transferee.  
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;  
(b) by any other persons interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. A-2, 1st floor, Bandra Liberty Co-operative Hsg.  
Society Ltd., 98-B, Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE/38094/86-  
87 on 9-9-1986.

K. C. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Bombay

Date : 7-5-1987  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Woodland Construction Co (Transferor)  
 (2) Shri Lal J Punjabi (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
 ACQUISITION RANGE-II,  
 CONTRACTOR BUILDING,  
 BALLARD ESTATE,  
 3RD FLOOR, R K MARG,  
 BOMBAY-400038

Bombay 400038, the 7th May 1987

Ref No AR II/37EE 38103/1986-87 —Whereas, I,  
 K C SHAH,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property having a fair market value exceeding Rs 5,00,000-  
 and bearing  
 Flat No 51, 5th floor, 'Ariane' Plot No 158, Perry Road,  
 Bandra, Bombay-400050  
 situated at Bombay  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred and agreement is registered under section  
 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the  
 Competent Authority at Bombay on 9-9-1986  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as afore-  
 said exceeds the apparent consideration therefor by more  
 than fifteen percent of such apparent consideration and that  
 the consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days  
 from the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
 able property, within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to tax under the said Act  
 in respect of any income arising from the transfer  
 and/or

Flat No 51, 5th floor, 'Ariane' Plot No 158, Perry Road,  
 Bandra, Bombay-400050

The agreement has been registered by the Competent  
 Authority, Bombay under Serial No AR II/37EE 38103/86-87  
 on 9-9-1986

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 Moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

K C SHAH  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
 Acquisition Range II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
 persons, namely :—

Date 7-5-1987  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Devendra Construction Corporation.

(Transferor)

(2) Mrs. Kintu K. Bajaj.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
BALLARD ESTATE  
BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th May 1987

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.II/37EE.38113/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, 'Mi-Casa' 24th Road, Bandra, Bombay-52, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-9-1986

(M/s.) Devendra Construction Corporation, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 1 on the 1st floor in 'Mi-Casa', 24th Road, Bandra, Bombay-400052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II/37EE/38113/86-87 on 9-9-1986.

K. C. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-5-1987  
Seal

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
CONTRACTOR BUILDING,  
3RD FLOOR, R. K. MARG,  
BALLARD ESTATE  
BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th May 1987

Ref. No. AR.II/37EE.38119/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, 2nd floor, Sandele at Plot No. 199 of the Kantawady Scheme of the Salsette Catholic Co-operative Housing Society Ltd., Bandra, Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mr. Denzil D'Souza.

(Transferor)

(2) Mrs. May Pereira.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Flat No. 2 on the second floor of the building known as 'Sandele' at Plot No. 199 of the Kantawady Scheme of the Salsette Catholic Co-operative Housing Society Ltd., Perry Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE.38119/86-87 on 9-9-1986.

K. C. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 7-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
BALLARD ESTATE  
BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th May 1987

Ref. No. AR III/37FE.38201/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 15, K'sara Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 240 Pali Road, Bandra, Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
35—106GI/87

(1) Smt. Radhabai Kishindas Bhatia. (Transferor)  
(2) Shri Sunil R. Parwani & Smt. Sheila R. Parwani. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 15, K'sara Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 240 Pali Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II/37FE 38201/86-87 on 12-9-1986.

K. C. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II Bombay

Date : 7-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
BALLARD ESTATE  
BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th May 1987

Ref. No. AR.II 37EE 38210/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 - and bearing No. Flat No. 12, 1st floor, Kshitij at Hill Road, Bandra, Bombay-400050 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- |   |              |
|---|--------------|
| (1) M/s. Natraj Corporation.                                | (Transferor) |
| (2) Mr. Azad Zabarchand Bhandari & Mrs. Tara Azad Bhandari. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 12, 1st floor, Kshitij at Hill Road, Bandra, Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/38210/86-87 on 12-9-1986.

K. C. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 7-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Pereira Construction Co.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sabina Fernandes &  
Mr. Lawrence Fernandes.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Persons in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—ACQUISITION RANGE-II,  
CONTRACTOR BUILDING,  
BALLARD ESTATE  
BOMBAY-400038(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

Bombay-400038, the 7th May 1987

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II 37EE/38218/1986-87.—Whereas, I,  
K. C. SHAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 5,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 2, on 6th floor in the proposed building 'Massabielle'  
CTS No. 496, at Junction of Manuel Gonsalves Road and St.  
Anthony Road, Bandra (W), Bombay,  
situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and agreement is registered under section  
269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the  
Competent Authority at Bombay on 12-9-1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Flat No. 2, on 6th floor in the proposed building 'Massabielle'  
CTS No. 496, at Junction of Manuel Gonsalves Road and St.  
Anthony Road, Bandra (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE/38218/  
86-87 on 12-9-1986.

K. C. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

Date : 7-5-1987  
Seal :

## FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
CONTRACTOR BUILDING,  
BALLARD ESTATE  
3RD FLOOR, R. K. MARG,  
BOMBAY-400038

Bombay 400038, the 7th May 1987

Ref. No. AR II/371-E.38249/1986-87 —Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, 1st floor in Mi-CASA 24th Road, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Devendra Construction Corporation.  
(Transferor)
- (2) Smt. Binte Fatma &  
Syed Mohd. Haider Abidi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4 on first floor in Mi-CASA, 24th Road, Bandra, Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE.38249/86-87 on 12-9-1986.

K. C. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 7-5-1987  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Mr. Gurmit Singh Chaddha &  
Mrs. Surjit Chaddha

(Transferor)

(2) M/s. Pressman Leasing Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
CONTRACTOR BUILDING,  
BALLARD ESTATE  
3RD FLOOR, R. K. MARG,  
BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th May 1987

Ref. No. AR.II/37EE.38295/1986-87.—Whereas, I,  
K. C. SHAH,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 5,00,000 - and bearing No.Flat No. 4, 1st floor of Chopra Niwas at 52, Almeida Park,  
Bandra, Bombaysituated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and agreement is registered under section  
269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the  
Competent Authority at Bombay on 12-9-1986for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 4 on the 1st floor of Chopra Niwas situated at  
52, Almeida Park, Bandra, Bombay.The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE.38295/  
86-87 on 12-9-1986.K. C. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Date : 7-5-1987  
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
CONTRACTOR BUILDING,  
BALLARD ESTATE  
3RD FLOOR, R. K. MARG,  
BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th May 1987

Ref. No. AR.II, 37EE, 38331, 1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 10, Kostka House, 2nd floor, St. Peter's Co-operative Housing Society Ltd., Manual Gonsalves Road, Bandra, Bombay-400050, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |   |   |
|---|---|
| (1) Mrs. Pauline P. D'Mello.                    | (Transferor)                            |
| (2) Mr. Ashley D'Mello &<br>Mr. Denzil D'Mello. | (Transferee)                            |
| (3) Transferor.                                 | (Persons in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 10, Kostka House, 2nd floor, St. Peter's Co-operative Housing Society Ltd., Manual Gonsalves Road, Bandra, Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE.38331/86-87 on 16-9-1986.

K. C. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 7-5-1987  
Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
BALLARD ESTATE  
BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th May 1987

Ref. No. AR.II/37EE.38401/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000, - and bearing No. Flat No. 601, Blue Diamond (Bandra Blue Diamond Premises C.H.S. Ltd), Perry Cross Road, Bandra, Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Miss Nahid Kamran.

(Transferor)

(2) Shri Anandrao D. Das.  
Shri Sudhir A. Das  
Shri Pradip A. Das.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 601, on 6th floor, Blue Diamond (Bandra Blue Diamond Premises CHS Ltd.) Perry Cross Road, Bandra Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE.38401/86-87 on 19-9-1986.

K. C. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 7-5-1987  
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

(1) M/s. Natraj Corporation.

(Transferor)

(2) M/s. Varun Estates Private Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
CONTRACTOR BUILDING,  
3RD FLOOR, R. K. MARG,  
BOMBAY-400038

Bombay-400048, the 7th May 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.Ref. No. AR.II/37EE.38402/1986-87.—Whereas, I,  
K. C. SHAH,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 11, 1st floor, Kshitij Building, at Hill Road, Bandra,  
Bombay-400050,  
situated at Bombay(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and agreement is registered under section  
269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the  
Competent Authority at Bombay on 19-9-1986for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- 
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
- 
- respect of any income arising from the transfer;
- 
- and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 11, 1st floor, Kshitij Building, at Hill Road,  
Bandra, Bombay-400050.The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE.38402/  
86-87 on 19-9-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
- 
- moneys or other assets which have not been or
- 
- which ought to be disclosed by the transferee for
- 
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
- 
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
- 
- Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Date : 7-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Thakur Constructions.

(Transferor)

(2) Mrs. Lachmi Papu Butani.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
BALLARD ESTATE  
BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th May 1987

Ref. No. AR.II/37EE/38442, 1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 501, Plot 48, T.P.S. III, 16th Road, Opp. Guru Nanak Park, Bandra (W), Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

36—106GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 501, Plot 48, T.P.S. III, 16th Road, Opp. Guru Nanak Park, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/38442/86-87 on 19-9-1986.

K. C. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 7-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Thakur Constructions

(Transferor)

(2) Mrs Kalan Udham Butani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,  
3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 7th May 1987

No. AR. II/37EE. 38443/1986-87.—Whereas, I,  
K. C. SHAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income Tax Act 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said 'Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 601, Plot 48, T.P.S. III, 16th Road, Opp. Guru  
Nanak Park, Bandra, Bombay-400 050, situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office  
of the Competent Authority at  
Bombay on 19-9-86  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 601, Plot 48, T.P.S. III, 16th Road, Opp. Guru  
Nanak Park, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE. 38443/  
86-87 on 19-9-1986.

K. C. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Dated : 7-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mr. Haji Gulamali Ebrahim

(Transferor)

(2) Shri Suresh Wadkar

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
BOMBAY-400 038

Bombay, the 7th May 1987

No. AR. II/37EE. 38448/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 13 in 2nd floor of the building, Mery Niketan, Mount Mery Road, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 13 in 2nd floor of the Building, Mery Niketan, Mount Mery Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR. II/37EE. 38448/86-87 on 19-9-1986.

K. C. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Dated : 7-5-1987  
Seal :

**FORM 112B****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**  
**ACQUISITION RANGE-II,**  
**CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,**  
**3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038**

Bombay, the 7th May 1987

No. AR. II/37EE.38525/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000,- and bearing No. Flat No. 145/155, 'Nibbana', Pali Hill, Bandra, Bombay-400 050, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- |                                |  |
|--------------------------------|--|
| (1) Mrs. Surjit Arora          | (Transferor)                           |
| (2) M/s. Hoechst India Limited | (Transferee)                           |
| (3) Transferee                 | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) facilitating the concealment of any income or any property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 145/155, 'Nibbana', Pali Hill, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE. 38525/86-87 on 23-9-1986.

K. C. SHAH  
 Competent Authority  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-II, Bombay

Dated : 7-5-1987  
 Seal :



FORM ITNS—

(1) M/s. Pereira Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Melwyn Sequeira &  
Mrs. Hilda Sequeira

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,  
3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 7th May 1987

No. AR. II/37EE. 38540/1986-87.—Whereas, I,  
K. C. SHAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value  
exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 2 on 4th floor in the proposed building 'Massabielle',  
CTS No. 496 at Jn. of Manuel Gonsalves Road & St. Anthony  
Road Bandra (W) Bombay-50, situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16  
of 1908) in the office of the registering officer  
Bombay on 23-9-86  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 4th floor in the proposed building 'Massa-  
bielle' CTS No. 496, at Jn. of Manuel Gonsalves Road & St.  
Anthony Road, Bandra (W), Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE.38540/86-  
87 on 23-9-1986.

K. C. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Dated : 7-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) M/s. Pereira Construction Co. (Transferor)  
 (2) Sarina Lopez & Pauline Lopez (Transferee)  
 (3) Transferee (Person in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,  
3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 7th May 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. AR. II/37EE. 38541/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing

Flat No. 2 on the 1st floor in the proposed building 'Massabielle' CTS No. 496 at Jn. of Manuel Gonsalves Road &amp; St. Anthony Road, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 2 on the 1st floor in the proposed building 'Massabielle' C.T.S. No. 496 at Jn of Manuel Gonsalves Road &amp; St. Anthony Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE.38541/86-87 on 23-9-1986.

K. C. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 7-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II,

CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,  
3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 7th May 1987

No. AR. II/37EE/38597/1986-87.—Whereas, I,  
K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing

Flat No. 50-B (Formerly 30) Rebello House, 132, Hill Rd., Bandra, Bombay-400 050 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 26A-B of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Gemma Menezes &  
Lt. Gen. S. L. Menezes (Retd.) (Transferor)
- (2) Mrs Eunice Saldanha (Transferee)
- (3) Transferor (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 50B (Formerly 30) Rebello House, 132, Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE.38597/86-87 on 26-9-1986.

K. C. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Dated : 7-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Landmark Builders

(Transferor)

(2) Trevor B. D'Souza &  
Audrey I. D'Souza

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,  
3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 7th May 1987

No. AR. II/37EE. 38641/1986-87.—Whereas, I,  
K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 10, 4th floor, Rich Queen Palace, St. Paul Road, Bandra, Bombay-400 058 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office Bombay on 26-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 10, 4th floor, Rich Queen Palace, St. Paul Road, Bandra, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE. 38641/86-87 on 26-9-1986.

K. C. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 7-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Pce Jay Traders

(Transferor)

(2) Master Prem D. Lakhiani &  
Master Prakash D. Lakhiani.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN,  
MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020.

Bombay, the 7th May 1987

Ref. No. A.R. II B/37EE/38481/86-87.—Whereas, I,  
M. S. RAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 5,00,000/- and bearing Flat No. 601, Mangal Pravesh, Khar, Bombay-51, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
37—106GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor, 'Mangal Pravesh', plot No. 491, 17th rd, Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II B/37EE/38481/86-87 on 22-9-1986.

M. S. RAI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Dated : 7-5-1987  
Seal:-

## FORM ITNS—

(1) M/s. Pee Jay Traders

(Transferor)

(2) Mrs. Lajwanti D. Lakhiani

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, MAYAKAR BHAVAN,  
MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020.

Bombay, the 7th May 1987

Ref. No. AR II B/37EE/38483/86-87.—Whereas, I, M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Flat No. 701, Mangal Pravesh, 17th Road, Khar, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed) has been transferred and the same is registered under Section 26JAB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 701, 7th floor, 'Mangal Pravesh' plot No. 491, 17th Road, Khar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II B/37EE/38483/86-87 on 22-9-86.

M. S. RAI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Dated : 7-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN,  
MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020

Bombay, the 7th May 1987

Ref No AR II B/37EE/38426/85-86—Whereas, I, M S RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 - and bearing No. Flat No. 402, Sarkar Avenue, East Avenue Road, Santacruz (W), Bombay-54 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Bombay on 19-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Sarkar Builders

(Transferor)

(2) Shri Yogesh Jamnadas Zaveri

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, Sarkar Avenue, East Avenue Road Santacruz (W) Bombay-400054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II B/37EE/38426/86-87 on 19-9-1986.

M S RAI  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 7-5-1987  
Seal :

## FORMS ITNS

(1) M/s. Sarkar Builders

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Jamnadas Zaveri

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN,  
MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020.

Bombay, the 7th May 1987

Ref. No AR II B/37EE/38427/86-87.—Whereas, I,  
M. S. RAI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 5,00,000 - and bearing No.  
Flat No. 401, Sarkar Avenue, Santacruz (W), Bombay-34  
situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the same is registered under section  
269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the  
Competent Authority at  
Bombay on 19-9-1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitate the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922  
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective per-  
sons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No 401, Sarkar Avenue, East Avenue Road, Santacruz,  
(W), Bombay-400 054

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No AR, II B/37EE/38427/86-87  
on 19-9-1986.

M. S. RAI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Dated : 7-5-1987  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) M/s. Vikas Associates

(Transferor)

(2) National Leasing Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II,

ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN,  
MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020.

Bombay, the 7th May 1987

Ref. No. AR. II B/37EE/38256/85-86.—Whereas, I, M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing

Office No. 4, on 1st floor, Vikas Centre, Santacruz (W), S.V. Road, Bombay-400054 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 4, on 1st floor, Vikas Centre, Santacruz (W), S.V. Road, Bombay-400054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II B/37EE/38256/85-86 on 12-9-86.

M. S. RAI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Dated : 7-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

1. Mrs. Hansa J. Nanavati. (Transferor)
2. Smt. Poonam Hiranand Purswani. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II,

ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN,  
MAHARSHI KARVL ROAD, BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 7th May 1987

Ref. No. A.F. 11B/37EE/38476/86-87.—Whereas, I, M.S. RAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 25, 5th Floor, Nugget Co op. Hsg. Scty. Ltd., Khar, Bombay-52, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 25, 5th floor, Nugget Co op Hsg Scty Ltd 62, Chitakar Dhu indar Marg. 18th Road Corner, Khar, Bombay-400052.

M.S. RAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Bombay

Dated : 7-5-87  
Seal :

## FORM ITNS

1. Mrs. Seema Seettaya B. Rao.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Mr. Subhash K. Manghnani.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II,

ROOM NO 560, 5th floor, AAYAKAR BHAVAN,  
MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400020

Dated, 7th May 1987

Ref. No. A.R. II/37EE/38042/86-87.—Whereas, I, M.S. RAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Flat No. 501, Pooja Apartments 17th Road, Khar, Bombay-52, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 501, Pooja Apartments, 17th Road, Khar, Bombay-400052.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIB/37EE/38042/86-87 on 8-9-1986.

M.S. RAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Bombay

Dated : 7-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

1. Smt. Savita V. Sukhankar.

(Transferor)

2. Shri. P.B. Jhaveri &amp; Ors.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

ROOM NO. 560, 5th floor, AAYAKAR BHAVAN,  
MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400020

Bombay, the 7th May 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. A.R.II B/37EE/37890/86-87.—Whereas, I, M.S. RAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 13, Santacruz View, Santacruz (W), Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd, floor Santacruz westview? S.V. RD.  
Santacruz (w) Bombay-54.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M.S. RAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 7-5-1987  
Seal :

FORM ITNS—

1 Smt. Kusum Govindlal Modi &amp; Govindlal Mohanlal Moti

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Madhav Baban Sadashiv Gokhale &amp; Smt. Premala Subhash Tillokekar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II  
ROOM NO 560 5th floor, LAXYAKAR BHAVAN  
MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY-400020

Bombay the 7th May 1987

Ref No AR II B/37FI 38338/85-86.—Whereas, I, MS RAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 500 000/- and bearing No Bombay 52 situated at Bombay Desai Road Bombay 400 006 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17.9.1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (1) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No 14 Plot No 69 Pitam Co op Sclty 11th, Rd, Khar(w) Bombay 400052

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No AR II B 37FI/38338 86 87 on 17.9.1986

MS RAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range II  
Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —  
38—106GI/87

Dated 7-5-1987  
Seal

## FORM ITNS—

1. Shri Pritamsing K. Bhella

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Shri Ramesh H. Rammani.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II,

ROOM NO. 560, 5th floor, LAYAKAR BHAVAN,  
MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400020

Bombay, the 7th May 1987

Ref. No. A.R.II B/37EE/36303/86-87.—Whereas, I,  
M.S. RAI,being the Competent Authority, under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 9, Nugget  
Co.op Hsg. Scty, Khar, Bombay-52situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the said Act in the Office of the Competent  
Authority at Bombay on 12-9-1986for an apparent consideration which is less than the fair  
being the Competent Authority under Section 269B of  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
believe that the fair market value of the property as afore-  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
of transfer with the object of:—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
- 
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
- 
- respect of any income arising from the transfer;
- 
- and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 9, Nugget Co.op Hsg. Scty, Khar, Bombay-52.

The Agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR.II B/37EE/36303/86-87  
on 12-9-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
- 
- moneys or other assets which have not been or
- 
- which ought to be disclosed by the transferee for
- 
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
- 
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
- 
- Act, 1957 (27 of 1957);

M.S. RAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Bombay  
Acquisition Range-IINow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Dated : 7-5-1987  
Seal :

## FORMS ITNS

- |                                |              |
|--------------------------------|--------------|
| 1 Miss Jasumati Humatlal Sheth | (Transferor) |
| 2 Shri Darayush Keki Jalnawald | (Transferee) |

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II,

ROOM NO 560, 5th floor, AAYAKAR BHAVAN,  
MAHATSHI KARVE ROAD BOMBAY 400020

Bombay, the 7th May 1987

Ref No AR II B/37EE/38207 86 87 —Whereas, I,  
MS RAI  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs 500,000/- and bearing  
Flat No A 5, Poonam Building, 67, Linking Road, Khar  
(W), Bombay 400054,  
situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the said Act in the Office of the Competent  
Authority at Bombay on 12-9-1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid person within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective per-  
sons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that chapter

## THE SCHEDULE

Flat No A/5, Poonam Bldg, 67, Linking Road, Khar,  
Bombay-54

The Agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No AR II/B/37EE/38207/86 87  
on 12-9-1986

MS RAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II  
Bombay

Dated 7-5-1987  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Joginder Singh Sabharwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pee Jay Associates.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 560,  
5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN  
MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 6th May 1987

Ref. No. AR.IIB/37EE 37938/86-87 —Whereas, I,  
M. S. RAI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
Plot No. 614, 615, Khar, Bombay-52 situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the said Act in the Office of the Compe-  
tent Authority at Bombay on 2/9/86  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

Plot No. 614, 615, TPS III, Corner of Khar Plot DB &  
14th Rd., Khar, Bombay-52.

The Agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR.IIB/37EE/37938/86-87 on  
2/9/86.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

M. S. RAI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 6-5-1987  
Seal :



## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE V  
AGGARWAL HOUSE 4/14-A ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi the 14th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/Range V SR III/9 86/23 —

Whereas I, ASHOK K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 - and bearing No. Block D, Connaught Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Parkash Brothers at B-15/47, Connaught Place, New Delhi Through —  
1. Shri Nand K. Bhat Kapur S/o late Shri Shiv Sahai Kapur,  
2. Shri Om Parkash Kapur S/o 1. Shri Shiv Sahai Kapur,  
3. Shri Suresh Kapur S/o Shri L. Sardari Lal Kapur  
4. Shri Atul Kapur S/o late Shri Sardari Lal Kapur  
5. Smt. Rekha Kapur Wd/o late Shri Ram Prakash Kapur,  
6. Shri Kewal Kapur,  
7. Shri Ramesh Kapur,  
8. Shri Raman Kapur, and  
9. Shri Sahil Kapur S/o late Shri Kapur's, all R/o B-45/47, Connaught Place, New Delhi (Transferor)
- (2) M/s. Atma Ram Builders (P) Ltd., through Shri Atma Ram Chedha Ro 12 Friends Colony (East), New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned. —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of the block D of Connaught Place having double storeyed construction occupied by M/s. Prabhat Hotel, B&C Embassy Restaurant etc.

ASHOK K. MANCHANDA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-V  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date 14.5.1987  
Seal -

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4, 14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-III 37FF/9-86/97.—Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 7E situated at 15, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred/registered under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-III, New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Suraksha Khandari, R/o  
12, Sunder Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Orient Bonds & Stock Ltd.,  
Hansalaya, 7th floor,  
15, Barakhamba Road,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 7E on 7th floor in Commercial Building Hansalaya at 15, Barakhamba Road, New Delhi-1,

SUBHASH KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 12-5-1987  
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC Acq III/37EE 9-86/100.—Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 5 situated at 5, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, registered under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-III, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M. S. Karlish Nath & Associates,  
1006, Kanchanjunga, 18, Barakhamba Road,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) M. S. Mehra Air Products (P) Ltd.,  
40, Arakshan Road, Ram Nagar,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within **45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.**

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One resi. flat area 1600 sq. ft. No. 5 on 5th floor in North Tower and one open car parking space in proposed multi-storied Group Housing Scheme NILGIRI APARTMENTS at 9, Barakhamba Road, New Delhi-1.

SUBHASH KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC, Acq III/37EE 9-86/102 — Whereas I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 30, Jor Bagh situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred/registered under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq) Range III, New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of,—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jalit Mohan, R/o  
6-C, Kidan Nath Building, Anushakti Marg,  
Deonar, Bombay,  
(2) Satish Chandra, R/o  
7/31, Darya Ganj,  
New Delhi,  
(3) Shri R. Susan R/o  
H1/22, Safdarjung Enclave,  
New Delhi,  
(4) Shri B. B. Kumar, R/o  
305-E, Simla House, Napean Road, Bombay.  
(5) (i) Smt. Madhuri Kishore, R/o  
48-B, Gole Talab, Nilokheri,  
(5) (ii) Smt. Rekha Mathur, R/o  
4521, North Classen Court,  
Stillwater Oklahoma, 74075, U.S.A. &  
(5) (iii) Smt. Rekha Mathur, R/o  
Kakajan Tea Estate, Nakachari;  
P.O. Jorhat (ASSAM).  
(Transferor)
- (2) Mrs. Satya Malhotra, R/o  
30-Jorbagh, New Delhi.  
(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

30-Jorbagh, New Delhi measuring 313.53 sq mts.

SUBHASH KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12 May 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/9-86/103.—Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 1 situated at 19, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred/registered under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-III, New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

39—106 GI/87

- (1) Mr. Gian Prakash Ahluwalia S/o  
Mr. Bir Singh Ahluwalia, C/o  
M/s. Modern Tiles & Marble,  
16, Sunlight Building, Asaf Ali Road,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mrs. Manju Mehra,  
Mrs. Nishi Mehra &  
Mrs. Surbhi Mehra, R/o  
E-238, Greater Kailash-II,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1 on 10th floor in 19, Barakhamba Road, New Delhi. Area 800 sq. ft.

SUBHASH KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Dated : 15-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/9-86/116.--Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Flat No. 706 at situated at 22 Barakhamba Road, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-III, New Delhi in Sep. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S. Surjit Singh (HUF)  
F-11, Jangpura Extension,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Vipin Kapoor  
S/o Sh. J. N. Kapoor, B1-120,  
West Shalimar Bagh, Delhi-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 706 at 22, Barakhamba Road, New Delhi.  
Area 750 sq. ft.

SUBHASH KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi.

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/9-86/120.—Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 49, Sunder Nagar situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-III, New Delhi on Sep. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Gajendra Kumar, Satyendra Kumar & Sh. Brijendra Kumar, H. No. 3335, Ward IX, Kucha Bajrang Bali, Bazar Sita Ram, Delhi (4) Smt. Chandia Prabha Atal, 2, Western Avenue, Maharani Bagh, New Delhi (5) Smt. Pushpavati Wattal Dholpur House, Mahatma Gandhi Road, Agra.

(Transferor)

- (2) Smt. Prem Narayan Khanna  
JUKASO INN, (Through their Partner)  
50, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

49, Sunder Nagar, New Delhi. (866.66 sq. yds.).

SUBHASH KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi.

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/9-86/121-A.—Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 1101-B situated at 21 Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq Range-III, New Delhi on Sep. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ansal Properties & Industries  
115-Ansal Bhawan,  
16, K.G. Marg, New Delhi. (Transferor)
- (2) Kumari Shweta Ansal  
U/g. Sh. Gopal Ansal,  
57, Jor Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1101-B in 21, Barakhamba Road, New Delhi.  
Area 500 sq. ft.

SUBHASH KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi.

Dated : 12-5-1987  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Ansal Properties & Industries  
115-Ansal Bhawan, 16 K.G. Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Deepak Ansal (HUF)  
57, Jor Bagh, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Objections, if any, to the acquisition of of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/9-86/121-C.—Whereas, I,  
SUBHASH KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act', have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 5,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 812-B, situated at 21, Barakhamba Road,  
New Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered under the  
has been transferred and registered under the Income-tax  
Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering  
Officer at IAC Acq. Range-III, New Delhi on Sep. 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 812-B in 21, Barakhamba Road, New Delhi.  
Area 450 sq. ft.SUBHASH KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/9886/111.—Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 25 per cent share flat No. 504, situated at 21, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq Range-III, New Delhi on Sep. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Arun Kumar, Mrs. Asha Srivastva & Master Adarsh Kumar r/o 5, Shankracharyu Marg, Delhi. (Transferor)
- (2) Mr. Bhagwan Gambhir S/o S. Gurcharan Singh, r/o 6, Deerlane Avenue, Ottawa Ontario, CANADA-K2E6W8. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

25 per cent share of flat No. 504 mg. 595 sq. ft. on 5th floor in 21, Barakhamba Road, New Delhi.

SUBHASH KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi.

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

- (1) Dr. Arup Kumar, Mrs. Acha Srivastava  
Master Adarsh Kumar r/o 5, Shankracharya  
Marg, Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Chander Gambhir w/o  
Mr. Bhagwan Gambhir r/o 6, Deerlane  
Avenue Ottawa Onlatis, CANADA-K2E6W8,  
(Transferee)

Objection, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publications of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/9-86/112.—Whereas, I,  
SUBHASH KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.  
25 per cent share of Flat No. 504  
situated at 21, Barakhamba Road, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered under the Income-tax  
Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering  
Officer at IAC Acq. Range-III, New Delhi on Sep. 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
the consideration for such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922  
(11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

25 per cent share of flat No. 504 mg. 595 sq. ft. on 5th  
floor in 21, Barakhamba Road, New Delhi.

SUBHASH KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III New Delhi.

Date : 12-5-1987  
Seal :

## THE SCHEDULE

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/9-86/118.—Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing 25 per cent share situated at flat No. 504, in 21, B.K. Road, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-III, New Delhi on Sep. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. Arun Kumar, Mrs. Asha Srivastava  
Master Adarsh Kumar, r/o 5,  
Shankracharya Marg,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Meera Gambhir W/o  
Mr. Bhagwan Gambhir r/o 6, Deerlane Avenue,  
Ottawa Onlatia, CANADA-K2E6W8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

25 per cent share of flat No. 504 mg. 595 sq. ft. on 5th floor in 21, Barakhamba Road, New Delhi.

SUBHASH KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi,

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/10-86/125.—Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 25 per cent share situated at flat No. 594, in 21 B.K. Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-III, New Delhi on Sep. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
40—106GI/87

(1) Dr. Atun Kumar,  
Mrs. Asha Srivastava, Master Adarsh Kumar  
1/o 5, Shankracharya Marg, Delhi.  
(Transferor)

(2) Miss Reena Gambhir H/C  
Bhagwan Gambhir r/o, 6, Deerlane Avenue,  
Ottawa Ontario, CANADA-K2E6W8.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

25 per cent of flat No. 504 mg. 595 sq. ft. on 5th floor  
in 21, Barakhamba Road, New Delhi.

SUBHASH KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi.

Dated : 12-5-1987  
Seal,

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range-III/37EE/9-86/164.—

Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 201, 19/41, Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (1) M/s. Goenka Builders Pvt. Ltd.,  
through S. K. Saraogi (Director)  
N-86, Connaught Place,  
New Delhi-1. (Transferor)
- (2) M/s. Mayur Commercial Ltd.,  
N-85, Connaught Place,  
New Delhi-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Flat No. 201, 19/41, Punjabi Bagh, New Delhi-26.  
Plinth Area 1288.59 sq. ft. Chargeable 1211.15 sq. ft.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUBHASH KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM LT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range-III/37EE/9-86/165.—

Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing

Flat No. 202, 19/41, Punjabi Bagh, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD(4) of the Income Tax Rules 1962 on September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Goenka Builders Pvt. Ltd.,  
through S. K. Saraogi (Director)  
N-86, Connaught Place,  
New Delhi-1.

(Transferor)

(2) M/s. CRC Associates Pvt. Ltd.,  
(Previously known as M/s. CSR Poultry Research  
& Breeding Farms (P) Ltd.)  
2/72, Punjabi Bagh,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 202, 19/41, Punjabi Bagh, New Delhi. Plinth Area 1213.96 sq. ft. Chargeable 1173.83 sq. ft.

SUBHASH KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New DelhiDate : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/9-86/117—

Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 707 situated at 21, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-III, New Delhi on September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Miss Priya Mehra,  
S-44, Panchsheela Park,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Miss Meenu Gupta,  
D/o. Mr. R. P. Gupta,  
11/10, Shakti Nagar,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 707 at 21, Barakhamba Road, New Delhi,  
Area 595 sq. ft.

SUBHASH KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
New Delhi

Date : 12-5-1987  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/9-86/155.—

Whereas, I, SUBHASH KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. XVI/2166-67 situated at Naiwala, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Income-tax Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September 1986, at IAC Acq. Range-III, New Delhi on September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Asha Rani,  
XVI/2166-67, Naiwala, Karol Bagh,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Avtar Singh,  
D-11, N.D.S.E.-II,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

XVI/2166-67 Naiwala, Karol Bagh, New Delhi.

SUBHASH KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM IINS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/660.—Whereas I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-1/16, Vasant Vihar, New Delhi-110057 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the (a) facilitating the reduction or evasion of the liability section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) U. S. Teckchandani  
A-1/71, Azad Apartment,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Attar Sam Jain,  
Vinod Sagar Jain,  
Arun Sagar Jain,  
Raj Dulari Jain,  
J, Dharam Marg,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

C-1/16, Vasant Vihar, New Delhi-110057 Area 342.8  
Sq. Meters.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 15-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC /Acq-I/SR-III/9-86/661.—

Whereas I,  
S. C. GUPTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. A -8/28, Vasant Vihar, situated at New Delhi measuring 267 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September 1986. New Delhi on September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Iqbal Singh Sodhi  
S/o Late Hari Singh Sodhi,  
r/o 2075, Sector 21 C,  
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Satinder Singh Sarna  
s/o Shri Dewa Singh Sarna,  
r/o B-7 Ext/18, Safdarjang Enclave,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. A-8/28, Vasant Vihar, New Delhi, measuring 267 sq. yds.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 15-5-1987  
Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III '9-86/663.—

Whereas, I, S. C. GUPTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 5,00,000/- and bearing No.

Plot bearing No. 33, Street No. 3, Shanti Niketan, situated  
at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered under the  
Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the  
Registering Officer at

New Delhi in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer:  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Smt. Krishena Suri  
W/o Late Shri Ram Nath Suri.  
J-186/A, Rajouri Garden,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kanta Washesher Chadha  
W/o Shri Washesher Nath Chadha.  
C-5/7, Vasant Vihar,  
New Delhi-110057.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of this said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

House and residential plot bearing No. 33, Street No. 3,  
Shanti Niketan, New Delhi-110021 Area 601 sq. yds.

Ground Floor 1729.44 Sq. ft.

201.56 Sq. ft.

First Floor—

1931.00 Sq. ft.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 15-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

(1) Mr. L. C. Bhasin,  
B-4A/17 Rana Pratap Bagh,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. N. R. Dongre, and  
Mrs. Umila L. Dongre,  
B-7/5, Vasant Vihar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/664.—

Whereas I,

S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. E-4/5 Vasant Vihar, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

E-4/5 Vasant Vihar, New Delhi (410 Sq. yds.) About 600 Sq. ft. on the Ground Floor.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
41—106 GI/87

Date : 15-5-1987  
Seal :

**FORM ITN-3**

(1) Dr. Mahender Prasad Jain,  
S-287, Panch Shila Park,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Mala Ram Mehra,  
D-80, Gulmohar Park,  
New Delhi.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-86/665.—

Whereas I,

S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Block S-283 in the layout Plan of Panchshila Cooperative House Building Society Ltd (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Lease hold plot of land measuring 847.80 Sq. Yds. equal to 706 Sq. meters situated at No. 283 Block 'S' in the Layout Plan of Panch Shila Cooperative House Building Society Ltd. together with incomplete building along-with fitting etc.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 15-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

(1) Smt. Kamla Suri  
W/o Late Shri P. N. Suri,  
N-115, Greater Kailash Part-I,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satya Pal Jain,  
S/o Shri J. K. Jain,  
A-96, New Friends Colony,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-86/666.—

Whereas I,  
S. C. GUPTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
Property No. A-11/16, Vasant Vihar, situated at New Delhi admeasuring 600 Sq. yds.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
New Delhi on September 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property No. A-11/16, Vasant Vihar, New Delhi admeasuring 600 sq. yds.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/670.—

Whereas I,  
S. C. GUPTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Garage Block of property No. S-5, situated at measuring  
500 sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered under the Registration  
Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering  
Officer at  
New Delhi on September 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) Suresh Chand Jain  
S/o L. Sham Chand Jain,  
r/o 2 Ka 6, Dadabari Kota.  
(Transferor)
- (2) M/s Ocean Construction Industries Ltd.  
F-588, Greater Kailash-II,  
New Delhi  
through its Director Shri Jugal Kishore  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Garage Block of property No. S-5, measuring 500 sq.  
yds. Greater Kailash-I, New Delhi. Covered area 100 sq.  
yds.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 15-5-1987  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC / Acq-I/ SR-III 9-86/671.—

Whereas I,

S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Property No. S-5, measuring 500 sq. yds. situated at Greater Kailash-I New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sarla Jain  
W/o Shri Suresh Chand Jain,  
R/o 2 Ka-6, Dadabari,  
Kota. (Transferor)
- (2) M/s Ocean Construction Industries Ltd.,  
E-588, Greater Kailash-I,  
New Delhi,  
through its Director Shri Jugal Kishore (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of Property No. S-5, measuring 500 Sq Yds.  
at Greater Kailash-I, New Delhi.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 15-5-1987  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Raakesh Jain,  
S/o Shri Suresh Chand Jain,  
R/o 2 Ka-6, Dadabari, Kota. (Transferor)
- (2) M/s Ocean Construction Industries Ltd.  
E-588, Greater Kailash-II,  
New Delhi. (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI**

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/672.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No. S-5, measuring 500 Sq. yds. situated at Greater Kailash-I, New Delhi at New Delhi in September, 1986 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Portion of Property No. S-5, measuring 500 Sq. yds. situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1987  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/673.—Whereas, I,  
S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Basement at B-223, Greater Kailash, situated at New Delhi-110048, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s Sterling Apartments Private Ltd.,  
1205, New Delhi House, 27 Barakhamba Road,  
New Delhi-110 001.

(Transferor)

(2) Mr. Ranjit Singh,  
s/o Late Shri Partap Singh,  
R/o 10B Sri Krishna Puri,  
Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Basement at B-223, Greater Kailash-I, New Delhi-110048.  
Area 1620 Sq. ft.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 15-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/674.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 'A' on the Ground Floor at B-223, Greater Kailash-I, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Sterling Apartments Private Ltd.,  
1205, New Delhi House, 27 Barakhamba Road,  
New Delhi-110 001. (Transferor)
- (2) Mrs. Ameeta Mehta,  
W/o Shri Sunil Mehta,  
10 B/Sri Krishna Puri, Patna (Patna). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 'A' on the Ground Floor at B-223, Greater Kailash-I, New Delhi, consisting of three bedrooms, three bathrooms, one drawing-dining and one Kitchen. Area 1620 Sq. ft.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-5-1987  
Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/675.—Whereas, I,  
S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B on the Mezzanine Floor at B-223, Greater Kailash-I, situated at New Delhi-110 048 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (1) M/s Sterling Apartments Private Ltd.,  
1205, New Delhi House, 27 Barakhamba Road,  
New Delhi-110 001. (Transferor)
- (2) Dr. Mrs. Devantala Singh,  
w/o Shri Ranjit Singh,  
R/o 10B/Sri Krishna Puri, Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B on the Mezzanine Floor at B-223, Greater Kailash-I, New Delhi-110 048 consisting of one Room, One Bath Room and one Kitchen. Area 405 Sq. ft.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

42—106 GI/87

Date : 15-5-1987  
Seal :

## FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/676.-Whereas, I,  
S. C. GUPTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No  
Plot No. 118, Block No. N, 300 Sq. Yds. Greater Kailash-I,  
situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and has been registered under the  
Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the  
Registering Officer  
at New Delhi in September, 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer:  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) S. Tarlochan Singh Anand,  
S/o S. Natha Singh Anand,  
R/o E-124, Greater Kailash-II,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) Master Nitin Mahajan,  
S/o Shri Lalit Mahajan and  
Master Jatin Mahajan,  
S/o Shri Lalit Mahajan,  
through their father and natural guardian,  
R/o 218, Gulmohar Enclave,  
New Delhi-49. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share in property built on Plot No. 118, Block N,  
300 Sq. Yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 15-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/9-86/677.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Plot No 118 Block N measuring 300 Sq. Yds. Greater Kailash-I, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S. Tarlochan Singh Anand,  
S/o S. Natha Singh Anand,  
R/o E-124, Greater Kailash-II,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Mahajan Foundation,  
through its trustees Lalit Mahajan,  
S/o Shri J. Mitra Mahajan,  
R/o 1411, Chiranjiv Tower,  
43, Nehru Place, New Delhi-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share in Property built on Plot No. 118, Block N measuring 300 sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 15-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/678.—Whereas, I,  
S. C. GUPTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Plot No. 118 Block N. 300 Sq. yds. Greater Kailash-I, situated  
at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered under the  
Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the  
Registering Officer  
at New Delhi in September, 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the applicant consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration of such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

(1) S. Tarlochan Singh Anand,  
S/o S. Natha Singh Anand,  
R/o E-124, Greater Kailash-II,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Anila Mahajan,  
W/o Shri Lalit Mahajan,  
r/o 218, Gulmohar Enclave,  
New Delhi-49.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share in property built on Plot No. 118, Block N  
area 300 sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 15th May 1987  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

Ntw Delhi, the 15th May 1987

Ref No IAC/Acq I/SR III/9-86/679—Whereas, I,  
S C GUPTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs 5,00,000/- and bearing No  
Property No C-189 Greater Kailash I situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and has been registered under the  
Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the  
Registering Officer  
at New Delhi in September, 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument or  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Smt. Surjit Kaur,  
W/o late Sardar Santosh Singh,  
C-189, Greater Kailash-I,  
New Delhi

(Transferor)

- (2) Shri Chander Sen Jain,  
S/o Shri Mitta Sen Jain,  
S 150 Greater Kailash II,  
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

## THE SCHEDULE

1/4th (Undivided) Share of property No C-189, Greater  
Kailash-I, New Delhi Area 400 Sq yds

S C GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date 15th May 1987  
Seal

## FORM LT.N.S.-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/680.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. C-189, Greater Kailash-I situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Surjit Kaur,  
W/o late Sardar Santosh Singh,  
C-189, Greater Kailash-I,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Rakesh Jain (H.U.F.)  
Through its Karta Shri Rakesh Jain,  
S/o Shri Chandra Sen Jain,  
S-150, Greater Kailash-II,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th undivided share of property No. C-189, Greater Kailash-I, New Delhi. Area 400 Sq. yds.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15th May 1987  
Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Ntw Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III/9-86/681.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Property No. C-189, Greater Kailash-I situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Surjit Kaur,  
W/o late Sardar Santosh Singh,  
C-189, Greater Kailash-I,  
New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Smt. Urvashi Jain,  
w/o Rakesh Jain,  
r/o S-150, Greater Kailash-II, New Delhi  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th undivided share in property No. C-189, Greater Kailash-I, New Delhi. (1/4th of 400 Sq. Yds.)

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 15th May 1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/682.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Property No. C-189, Greater Kailash-I situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Surjit Kaur,  
W/o late Sardar Santosh Singh,  
C-189, Greater Kailash-I,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) Mr. Rakesh Jain,  
s/o Shri C. S. Jain,  
1/o S-150, Greater Kailash-II,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th undivided share in property No. C-189, Greater Kailash-I, New Delhi. (1/4th share of 400 sq yds.)

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 15-5-1987.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/683.—Whereas, I,  
S. C. GUPTA,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value  
exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.  
Property No. M-66, measuring 750 Sq. ft. Greater Kailash-I,  
situated at New Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered under the  
Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the  
Registering Officer

at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

43—106 GI/87

- (1) Shri Bhushan Kumar Uppal,  
S/o Late Shri Mulkh Raj Uppal,  
r/o M-127, Greater Kailash-II,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Sunila Chopra,  
W/o Shri Subhash Chopra,  
r/o M-127, Greater Kailash-II,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of ground floor of property No. M-66, measuring  
750 Sq. ft. Greater Kailash-I, New Delhi.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15th May 1987  
Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/684.—Whereas, I,  
S. C. GUPTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. M-66, Greater Kailash-I Market situated at New Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
New Delhi in September, 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :

- (1) Shri Bhushan Kumar Uppal S/o  
Late Shri Mulkh Raj Uppal, R/o  
D-64, Panchsheel Enclave, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Subhash Chopra S/o  
Shri Dewan Suraj Prakash Chopra, R/o  
7A/27, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of the  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of ground floor of property No. M-66, Greater  
Kailash-I Market, New Delhi.  
flat area 750 sq. ft.  
Plot area 196 sq. Yds.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 15-5-1987  
Seal ;

**FORM ITNS**

(1) Shri Sd. Gian Singh, R/o  
C-66, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Raj Narain Khanna, R/o  
C-28, Nizamuddin East, New Delhi.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/685.—Whereas, I,  
S. C. GUPTA,  
being the Competent Authority under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. C-28, Nizamuddin East situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the  
Registering Officer at  
New Delhi in September, 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

C-28, Nizamuddin East, New Delhi.  
G. F. 1140.  
F. F. same  
S. F. 240.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to be following  
persons, namely :—

Date : 15-5-87.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/686.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property Plot No. D-21, Nizamuddin West Market situated at New Delhi Mg. about 278 Sq. Yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Santosh Dhamija W/o  
Shri G. L. Dhamija &  
Smt. Sanyogta Malhotra W/o  
Shri Kailash Chander Malhotra, both R/o  
D-21, Nizamuddin West, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Tapati Siddiqui W/o  
Shri Shahid Siddiqui, R/o  
2, Nizamuddin West Market, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. D-21, Nizamuddin West, New Delhi, measuring about 278 sq. yds.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 15-5-1987  
Seal :



FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

- (1) Shri Ved Rattan,  
Shri Rajiv Rattan &  
Shri Sanjiv Rattan,  
6, Master Plan Road at present R/o  
42, Lajpat Kunj, Agra.

(Transferor)

- (2) Smt. Raj Kumari Bhatia,  
Sarvashri N. K. Bhatia,  
P. K. Bhatia,  
Anil Bhatia &  
Sunil Bhatia, R/o  
A-18, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days, from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III/9-86/687.—Whereas, I,  
S. C. GUPTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. B-40, Greater Kailash-I situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the  
Registering Officer at  
New Delhi in September, 1986  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

B-40, Greater Kailash-I, New Delhi.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 15-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/9-86/688.—Whereas, I,  
S. C. GUPTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Bungalow No. B-101, Greater Kailash-I situated at New  
Delhi. Mg. 1000 sq. yds.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the  
Registering Officer at  
New Delhi in September, 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Sharda Seshadri, R/o  
29, Malcha Marg, New Delhi,  
2. Shri Ramesh Khanna, R/o  
D. Villa, Station Road, Jaipur,  
3. Mast. Himanshu Khanna, R/o  
J-20, Jangpura Extension, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Sudhir Sareen, R/o  
B-101, Greater Kailash-I,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storeyed Bungalow No. B-101, Greater Kailash-I,  
Delhi with two garages and two servant quarters built on  
Plot of land measuring 1000 sq. yds.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 15-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I, SR-III/9-86/689.—Whereas, I,  
S. C. GUPTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 5,00,000/- and bearing  
House No. B-229, Greater Kailash-I situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and has been registered under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the  
Registering Officer at  
New Delhi on September, 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) Shri Raghuvansh Kishor Nigam, R/o  
B-229, Greater Kailash-I,  
New Delhi. (Transferor)  
(2) 1. Shri Gurvinder Singh Khurana,  
2. Shri Davinder Singh Khurana &  
3. Mrs. Surjit Khurana, R/o  
F/21-A, East of Kailash, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. B-229, Greater Kailash-I, New Delhi. measur-  
ing 300 sq. yds.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 15-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/690.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House bearing No. C-162, Greater Kailash-I situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Partap Singh S/o  
Sardar Gurmukh Singh, R/o  
C-162, Greater Kailash-I,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Usha Fertilizer Company Ltd.,  
C-114, Greater Kailash-I,  
New Delhi  
through its Director—  
Shri Uttam Shroff S/o  
Shri Ram Ratan Shroff R/o  
S-533, Greater Kailash-II,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storied house bearing No. C-162, Greater Kailash-I, New Delhi, measuring 338 Square yards.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4 14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 15-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/691.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. C-208, Mq. 300 Sq. Yds. situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
44—106GI/87

- (1) Shri Joginder Kapoor S/o  
Late Shri Sat Parkash Kapoor, R/o  
C-38, Greater Kailash-I,  
New Delhi (Transferor)
- (2) Smt. Daljit Kaur W/o  
Shri Jagat Singh,  
Shri Purnima Singh,  
Shri Manmohan Singh and  
Shri Harvinder Singh S/o  
Sundar Jagat Singh, R/o  
A-23, Amar Colony  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. C-208, measuring 300 sq. yds., Greater Kailash-I, New Delhi.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Acquisition Range-I  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 15-5-1987  
Seal;

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/692.—Whereas, 1,  
S. C. GUPTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
House bearing No. E-30, Greater Kailash-I situated at New  
Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the  
Registering Officer at  
New Delhi in September, 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons  
namely :—

- (1) Smt. Prem Kaur Sehgal W/o  
Late Shri Bal Krishan Singh Sehgal, R/o  
E-30, Greater Kailash-I,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) Arora Farms Private Limited,  
through its Managing Director—  
Shri Bansi Lal Arora S/o  
Late Shri Kishan Chand, R/o  
105/27, Saraswati House, Nehru Place,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter

## THE SCHEDULE

Single storeyed house bearing No. E-30, Greater Kailash-  
I, New Delhi—measuring 500 Sq. yds.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 15-5-1987

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/693.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property bearing No. E-62, erected on the Plot admeasuring 556 sq. yds. situated at Greater Kailash-I, New Delhi-110048 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Rukmani Devi W/o  
Shri Trolak Chandra, R/o  
No. K-7, Kailash Colony,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Everest Building Products Ltd.,  
at No. 6-7th Floors Ashok Bhawan No. 93,  
Nehru Place, New Delhi,  
through its Asstt. Secretary  
Shri P. N. Gupta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. E-62, erected on the plot admeasuring 556 Sq. Yds. situated at Greater Kailash-I, New Delhi-48.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 15-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

REL. No. IAC / Acq-I/SR-III/9-86 693A.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Property No. M-42, measuring 510 sq. yds. situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri A. P. Saigal S/o  
Shri R. B. Madho Parshad, R/o  
M-42, Greater Kailash-I,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri J. G. Sukheja S/o  
Shri Chaman Das Sukheja, R/o  
2897, Captain Street, Darya Ganj,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

First floor of property No. M-42, measuring 510 sq. yds, Greater Kailash-I, New Delhi. Covered area 2250 sq. ft.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 15-5-1987  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. LVC/Acq-I/SR-III/9-86/694.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No. S-94, Greater Kailash-I situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—  
No. 1/2 share in property No. C-85, NDSE Part-III situated at New Delhi

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Chander Kanta W/o  
Shri Ashok Kumar, R/o  
D-64, Panchsheel Enclave,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Santosh Bhagat S/o  
Shri P. L. Bhagat and  
Smt. Shakuntala Bhagat W/o  
Shri Santosh Bhagat, R/o  
L-246, Greater Kailash-I,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

First floor of property No. S-94, measuring 300 sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 15-5-1987  
Seal :

## FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/9-86/695.—Whereas, I,  
S. C. GUPTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Entire second floor, portion of Property bearing No. S 253  
area about 201 sq. yds. G.K.I, New Delhi situated at  
New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered under the  
Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the  
registering Officer at I.T. Act, 1961 New Delhi  
in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) Mr. Pankaj Pahwa, son of  
Shri S. K. Pahwa, resident of No. M-102,  
Greater Kailash-I, New Delhi-110048.  
(Transferor)  
(2) The Indian Hotels Company Ltd.  
having its registered office at  
Taj Mahal Hotel Appolo Bunder Bombay,  
through its constituted attorney Shri Ravi Dubey  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective per-  
sons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that chapter.

## THE SCHEDULE

Entire second floor, portion of property bearing No. S-253,  
area about 201 sq. yds. situated at Greater Kailash-I, New  
Delhi covered area 1085 sq. ft.

S. C. GUPTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated : 15-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-86/696.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No. W-48, measuring 500 Sq. yds. situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi, in September 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Lalita Garg w/o Shri S. I. Garg, through attorney Naresh Chander Jain s/o Late Madan Lal Jain r/o N-15, Lajpat Nagar-III New Delhi, (Transferor)

(2) Manohar Lal Kothari s/o late Sh. M. L. Kothari, Lalit Kothari s/o M. J. Kothari Smt. Punam Kothari w/o Shri Lalit Kothari and Abhay Kothari s/o M. L. Kothari, residents of W-48, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. W-48, measuring 500 Sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

S. C. GUPTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated : 15-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4 14-A ASAB ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/697.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bungalow No. AC(8), Kalkaji, situated at New Delhi Measuring 866 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Lachhmi Sahni, Rajinder Singh, Sahni, Surinder Singh Sahni, Smt. Harbans Malik & Smt. Satwant Ahluwalia, wife, sons & d/o Late Shri Surjit Singh Sahni C/o AC (11), Kalkaji, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Sneh L. Gulliya W/o Shri Krishna Kumar Gulliya r/o 475 Chiragh Delhi, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bungalow No. AC (8), Kalkaji, New Delhi, measuring 866 sq. yds.

S. C. GUPTA,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated : 15-5-1987

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/698.---Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. C (C)-24, Kalkaji, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

45—106G1/87

(1) Smt. Pushpa Talreja W/o Shri Shri Krishan Talreja, Rangoon Studio, Janpath, New Delhi.  
(Transferor)

(2) (1) Dr. (Miss) Ranjana Tyagi d/o Sh. Baljit Singh Tyagi R/o C(C)-24, Kalkaji, New Delhi, and Smt. Shanti Tyagi w/o Sh. Baljit Singh Tyagi R/o C(C) 24, Kalkaji, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. C(C) 24, Kalkaji, New Delhi, measuring 867 Sq. yds.

S. C. GUPTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated : 15-5-1987  
Seal :

**FORM FINS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI**

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/699.—Whereas I,  
S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property bearing No. E-77, Kalkaji situated at New Delhi Mg. about 300 sq. yds.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi, in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Balraj Chandihok S/o  
Late Sh. R. S. Devi Dayal Chandihok r/o  
C. 395, Defence Colony, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Narsingh Dass Aggarwal  
S/o Late Shri Ami Lal Agarwal R/o E-77,  
Kalkaji, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property bearing No. E-77, Kalkaji, New Delhi, measuring about 300 sq. yds.

S. C. GUPTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated : 15-5-1987  
Seal :

**FORM I****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/700.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property bearing No. 111, Block No. 48 (Old) situated at Diplomatic Enclave, New Delhi and bearing New No. 162-F, Malcha Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Avtar Singh S/o Sh. Jiwan Singh  
R/o D-11, N.D.S.E. Part-II, New Delhi duly constituted General Attorney of Smt. Bimla Jaini, Smt. Krishna Jain Smt. Neena Khanna and Smt. Sarla Rani Saroop. (Transferor)
- (2) Mrs. Repu Daman Bindra d/o Sh. Avtar Singh  
r/o D-11, NDSE-Part-II New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property bearing No. 111, Block No. 48 (Old), Diplomatic Enclave, New Delhi and bearing New No. 162-F, Malcha Marg, New Delhi, measuring 375 Sq. yds.

S. C. GUPTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dated : 15-5-1987  
Sd/-

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-86/701.—Whereas, I,  
S. C. GUPTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and  
bearing Shop No. M-26,  
situated at Greater Kailash, New Delhi, measuring 195 Sq.  
Yds.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered under the  
Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the  
Registering Officer at  
New Delhi in September 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons  
namely :—

- (1) S. Jasbir Singh Gill son of  
S. Sarmukh Singh Gill, (2) Mrs. Premjit Gill  
(3) S. Jagmohan Singh Gill (HUF) (4) S.  
Sukhmohan Singh Gill (HUF) Through their At-  
torney S. Jasbir Singh Gill, 2057 Sector 15-C,  
Chandigarh.  
(Transferor)  
(2) Sh. Rakesh Verma (2) Sh. Rajan Verma sons of  
Shri Ram Parkash (3) Mrs. Ritpa Seth w/o  
Sh. Ajit Seth (4) Mrs. Parveen Seth w/o  
Sh. Yeshpal Seth R/o A-342, Defence Colony, New  
Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter

## THE SCHEDULE

Property bearing Shop No. M 26, Greater Kailash, New  
Delhi, measuring 195 Sq. yds.

S. C. GUPTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Dated: 15-5-1987  
Sent



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/702.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. C/38, 1½ Storey building situated at Greater Kailash, New Delhi (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—  
No. 1/2 share in property No. C-85, NDSE Part-III situated at New Delhi

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. S. K. Soni,  
2-B, Ekdaha place,  
Calcutta-19, (Transferor)
- (2) Sh. Joginder Kapur,  
C-38, Greater Kailash, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. C/38, 1½ Storey Building Greater Kailash,  
New Delhi.  
Area 500 Sq. Yds.

S. C. GUPTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Dated: 15.5.1987  
Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Kartar Singh S/o Sahib Singh  
C-160, Greater Kailash-I,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Bandhu Builders (P) Ltd.  
B-12, Kalkaji Extn., New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/9-86/703.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-160, Greater Kailash-I, situated at New Delhi (Single Storey House) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Rs. 1,00,000/- and bearing has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

C-160, Greater Kailash-I, New Delhi, (Single Storey house).

Area : 1620 Sq. ft.

T. K. SAH  
Competent Authority/  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Dated: 15-5-1987  
Sd/-

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC/Acq/Range-VI/37EE/9-86/183.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 807, Amba Deep at 14, K.G. Marg situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Salesworth India Pvt. Ltd.  
38, Loknayak Bhawan  
Khan Market, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Raj Bagaria No. 16/5,  
Binny Crescent Benson Town,  
Bangalore-560046.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No. 807, Amba Deep at 14, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi."

T. K. SAH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
New Delhi-110002

Dated: 15-5-1987  
Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref No. IAC (Acq.)/R-I/3766/84.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat B-1/3, Block—I of the Group Housing situated at Res. Complex at 9-Raj Narain Road, Civil Lines Delhi, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Raghu Raj Bahadur, Sh. Rajesh Bahadur, Smt. Shiela Dhar, Sh. Abhinav Dhar & Sh. Madhav Dhar, 9-Raj Narain Road, Civil Lines, Delhi. (Transferor)
- (2) Rajiv Khanna (HUF), Sanjiv Khanna (HUF), Sh. Davinder Chand Khanna & Smt. Maya Khanna, 19-Rattan Chand Road, The Mall, Amritsar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat B-1/3 on the second floor of Block—I of the Group Housing Residential Complex at 9-Raj Narain Road, Civil Lines, Delhi-110054.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Dated: 15-5-1987

Seal:

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Vipinder Kaur Sethi w/o Surjit  
Singh Sethi, 100-C, New Rajinder Nagar,  
New Delhi-11060 (Transferor)
- (2) Rajinder Kumar & Rajesh Kumar  
sons of Sh. Piaro Lal, 7-Jawahar Nagar,  
Moga, Punjab. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

Ref. No. IAC (Acq)/VI/37EE/9-86/85.—Whereas, I,  
S. C. GUPTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
AH-34, Shalimar Bagh, Delhi  
situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered under the Regis-  
tration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering  
Officer at New Delhi in September, 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax,  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

"AH-34, Shalimar Bagh, Delhi".

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—  
46—106GI87

Dated: 15-5-1987  
Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI,  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No IAC(Acq)R-VI/37EE/9186/86—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No 195, Tagore Park, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of Income-tax Rules, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sikandar Lal Malik & Smt. Daljit Malik,  
A-2/17, Tagore Park,  
Delhi. (Transferor)  
(2) Smt. Pushpa Devi Karwa and  
Smt. Shakuntala Karwa,  
174, Tagore Park,  
Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"195, Tagore Park, Delhi.  
"Ground Floor with 4Garrage 1559 sq. ft. 1st Floor only  
Servant room 218 Sq. ft. Total 1777 Sq. ft."

T. K. SAH  
Acquisition Range-VI  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Competent Authority  
New Delhi-110002

Date : 15-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Essel Properties & Industries  
B-10, Lawrence Road Indl. Area.  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Ramakem Private Limited,  
5th Floor, 231, D. N. Road,  
Bombay-1.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-VI,  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VI/37EE/9-86/82.—Whereas, I,  
T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10, Asaf Ali Road, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of Income-Tax Rules, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

"500 sqt. Space in Basement—'ESSEL HOUSE', 10—Asaf Ali Road, New Delhi".

T. K. SAH  
Competent Authority  
Acquisition Range-VI  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI,  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.AC (Acq)/R-VI/37FF/9-86/81.--Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 18, Block BN (Poorvi) Shalimar Bagh, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of Income-tax Rules, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 in Sept 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Rajesh Gulati,  
BN-18 (Poorvi)  
Shalimar Bagh,  
Delhi.  
(2) Shri P. L. Gulati,  
Sh. Rajeev Gulati &  
Smt. Rita Gulati,  
96-Tagore Park,  
Delhi.  
Sh. Amar Kumar Asrani &  
Smt. Padma Asrani both R/o  
H-15, Krishna Nagar,  
Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Property No. 18, Block BN (Poorvi) Shalimar Bagh, Delhi".

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1987  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI,  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-VI/37EE/9-86/96.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. G-4, 16A/19, W.E.A. Karol Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of Income Tax Rules, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Radhey Shyam,  
Krishan Kumar,  
Rajendra Kumar, Partners of  
M/s. Umasons,  
16A/19, W.E.A. Karol Bagh,  
New Delhi-110005.

(Transferor)

(2) 1. Shri Vasdev Shawani,  
R-535, New Rajinder Nagar,  
New Delhi.  
2. Smt. Padma Rani,  
R-535, New Rajinder Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

"Shop No. G-4 measuring 1072 sq. ft. 16A/19, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi".

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 15-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VI,  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.AC (Acq)/R-VI/37EE/9-86, 94.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. E-64, Kirti Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of Income-Tax Rules, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kanta Kumari,  
B1—610, Janakpuri,  
New Delhi-110058.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Tripta W/o Sh. Surinder Chhabra  
2. Smt. Beena, W/o Sh. Joginder Pal  
3. Smt. Nalina W/o Sh. Ashok Kumar  
All R/o 66, Rani Jhansi Road,  
New Delhi-55.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"House Property at E-64, Kirti Nagar, New Delhi-110015 constructed on land admeasuring 320.85 sq. yds."

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 15-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-VI,  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.AC. (Acq)/R-VI/37EE/9-86/93 - -Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,000,000/- and bearing No. Apartment No. B-5/2, First floor in Block B-5, 9, Raj Narain Road, Civil Lines, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been transferred and registered with the Competent Authority under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of Income-Tax Rules, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Raghu Raj Bahadur,  
Sh. Rajesh Bahadur,  
Smt. Sheila Dhar,  
Sh. Abhinav Dhar &  
Sh. Madhav Dhar,  
9-Raj Narain Road, Civil Lines,  
Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Deeksha Holdings (P) Ltd.,  
having its Regd. Office at Bharat Hotel,  
Barakhamba Road,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Apartment No. B. 5/2, first floor, in Block B. 5, 9-Raj Narain Road, Civil Lines, Delhi-110054".

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 15-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI,  
AGGARWAL HOUSE  
4, 14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. LAC. (R-VI/37EE/9-86/89.—Whereas, I,  
T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 5,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 112/1st Floor, 'ESSFL HOUSE', 10, Asaf Ali Road,  
situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
registered with the Competent Authority u/s 269  
AB of the I T Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the  
Income-Tax Rules 1962  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) ESSFL properties & Industries  
B-10, Lawrence Road Indl. Area,  
New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Fateh Pal Singh &  
Ravinder Pal Singh  
S/o Shri V. S Chhabra,  
A-48-A/1, Naman Vihar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in the writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);"Flat No. 112/1st floor/352.92 sqft. "ESSFL HOUSE", 10-  
Asaf Ali Road, New Delhi".T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi 110002Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—Date : 15-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-VI.  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C. Acq)/R-VI/37EE/9-86/87.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 123—Tagore Park, situated at Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD of the Income-Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
47—106GI/87

- (1) 1. Om Prakash,  
2. Sanjiv Sapra,  
3. Sandeep Sapra,  
R/o 197-A, Saket Meerut (U.P.) (Transferor)  
(2) Shri Anil Kumar Khanna  
2. Sh. Atul Kumar Khanna, 174-Tagore Park,  
Delhi-110009. (Transferee)

Objections if, any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Building at 123—Tagore Park, Delhi-110009".

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 15-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Essel Properties & Industries  
B-10, Lawrence Road Industrial Area,  
New Delhi-110035. (Transferor)
- (2) M/s. Ganges Construction Pvt. Ltd.,  
Flat No. 213,  
KAILASH 26 Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI,  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)R-VI 37FF/9-86/83. —Whereas, I,  
T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 5,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 111/358.29 sft./1st Floor "ESSEL HOUSE", 10,  
at New Delhi in Sept. 1 1986  
Asaf Ali Road,  
New Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
registered with the Competent Authority u/s 269  
AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the  
Income-Tax Rules 1962  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the pub-  
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in the Chapter

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

"Flat No. 111/358.29 sft. 1st Floor, ESSEL HOUSE, 10-  
Asaf Ali Road, New Delhi".

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 15-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq) Range-VI/37EE/9-86/167.—  
Whereas, I, T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Flat No. 307 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5, in  
Flat No. 307 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5, in  
situated at New Delhi,  
Nagal Rai, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and  
registered with the Competent Authority u/s 269  
AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the  
Income-Tax Rules 1962  
in Sept 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) M/s. Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd.,  
1110, Ansal Bhawan,  
16, K. G. Marg,  
New Delhi

(Transferor)

(2) M/s. Bhushan Commercial Enterprises,  
W-106, Greater Kailash Part-II,  
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 307 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5  
in Nagal Rai, New Delhi. M. G. 554 sq. ft.

T. K. SAH  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Competent Authority  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI**

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/168.—

Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.

Flat No. 209, in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi has been transferred and situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 in Sept., 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd.,  
1110, Ansal Bhawan,  
16, K. G. Marg,  
New Delhi

(Transferor)

(2) M/s. Bhushan Commercial Enterprises Ltd.,  
W-106, Greater Kailash Part-II,  
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 209 in Kirtideep Building in Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi, Mg. 554 sq. ft.

T. K. SAH  
Competent Authority  
shall have the same meaning as given in  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
Aggarwal House  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal :



## FORM ITNE—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

(1) M/s. Ansal Housing Finance and Leasing Co Ltd.,  
1110, Ansal Bhawan,  
16, K. G. Marg,  
New Delhi

(Transferor)

(2) M/s. Bhushan Commercial Enterprises,  
W-106, Greater Kailash Part-II,  
New Delhi

(Transferee)

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/169.—  
Whereas, I, T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 5,00,000/- and bearing  
Flat No. 212-A in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5  
in Nagal Rai, New Delhi  
situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and  
registered with the Competent Authority u/s 269  
AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the  
Income-Tax Rules 1962  
in Sept 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 212-A in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4,  
5 in Nagal Rai, New Delhi. Mg. 554 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range VI  
New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Date: 12-5-1987  
Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

(1) M/s. Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd.,  
1110, Ansal Bhawan,  
16, K. G. Marg,  
New Delhi

(Transferor)

(2) M/s. Bhushan Commercial Enterprises, Ltd.,  
W-106, Greater Kailash Part-II,  
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/170.—

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 214 in Kirtideep Building in Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority under section 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 214 in Kirtideep Building in Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range VI  
New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/RangeVI/37EE/9-86/171.—

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 500 000/- and bearing No.

Flat No. 210 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-tax Rules 1962 in September 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd.,  
1110, Ansal Bhawan,  
16, K. G. Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M. S. Bhujan Commercial Enterprises, Ltd.,  
W-106, Greater Kailash Part-II,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 210 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi. Mg. 354 sq. ft.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date: 12-5-1987  
Seal:

## FORMS ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI  
New Delhi, the 12th May 1987

(1) M/s. Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd.  
1110, Ansal Bhawan,  
16, K. G. Marg,  
New Delhi

(Transferor)

(2) M/s. Bhushan Commercial Enterprises Ltd.,  
W-106, Greater Kailash Part-II,  
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/172.—  
Whereas, I, T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 5,00,000, - and bearing No.  
Flat No. 211 in Kirtideep Building in Plot No. 2, 3, 4, 5  
at Nagal Rai, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been registered with the Competent Authority u/s 269  
AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the  
Income Tax Rules 1962 at  
New Delhi in Sept., 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective per-  
sons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 211 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4,  
5 in Nagal Rai, New Delhi. Mg 554 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. L.A.C.(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/173.—

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 206 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 at New Delhi in Sept., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd.,  
1110, Ansal Bhawan,  
16, K. G. Marg,  
New Delhi

(Transferor)

(2) M s. Bhushan Commercial Enterprises Ltd.,  
W-106, Greater Kailash Part-II,  
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 206 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi. Mg. 554 sq. ft.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
48—106GI/87

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

(1) M/s. Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd.,  
1110, Ansal Bhawan,  
16, K. G. Marg,  
New Delhi

(Transferor)

(2) M/s. Bhushan Commercial Enterprises Ltd.,  
W-106, Greater Kailash Part-II,  
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/174.—

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No Flat No. 207 in Kirtideep Building in Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 at New Delhi in Sept., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 207 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi Mg 554 sq. ft

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1987  
Sd/-

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/175.—

Whereas, I, T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
movable property, having a fair market value exceeding  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
Rs. 5,00,000/- and bearing No.Flat No. 208 in Kirtideep Building in Plot No. 2, 3, 4, 5  
in Nagal Rai, New Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been registered with the Competent Authority u/s 269  
AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the  
Income Tax Rules 1962 at  
New Delhi in Sept., 1986for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957)(1) M/s. Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd.,  
1110, Ansal Bhawan,  
16, K. G. Marg,  
New Delhi

(Transferor)

(2) M s. Bhushan Commercial Enterprises Ltd.,  
W-106, Greater Kailash Part-II,  
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expression used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 208 in Kirtideep Building in Plot No. 2, 3, 4,  
5 in Nagal Rai, New Delhi. Mg. 554 sq. ft.T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New DelhiNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 12-5-1987

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/176.—

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 and bearing No. Flat No. 204 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 at New Delhi in Sept., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd.,  
1110, Ansal Bhawan,  
16, K. G. Marg,  
New Delhi

(Transferor)

(2) M/s. Bhushan Commercial Enterprises Ltd.,  
W-106, Greater Kailash Part-II,  
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 204 in Kirtideep Building at Plot Nos. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi, Mg. 554 sq. ft.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 12-5-1987

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-VI/37EE/9-86/177.—

Whereas, J. T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 201 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5 at Nagal Rai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 at New Delhi in Sept., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd.,  
1110, Ansal Bhawan,  
16, K. G. Marg,  
New Delhi  
(Transferor)
- (2) M s. Bhushan Commercial Enterprises Ltd.,  
W-106, Greater Kailash Part-II,  
New Delhi  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 201 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi, Mg. 554 sq. ft.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/178.—

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100000/- and bearing No. Flat No. 202 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 at New Delhi in Sept., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd.,  
1110, Ansal Bhawan,  
16, K. G. Marg,  
New Delhi

(Transferor)

(2) M/s. Bhushan Commercial Enterprises,  
W-106, Greater Kailash Part-II,  
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 202 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi, Mg. 554 sq. ft.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 12-5-1987  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-VI

Agga wal House, 4 14-A, Asaf Ali Road,  
NEW DELHI

New Delhi the 12th May 1987

Ref No. IAC(Acq)/Range VI 37-EF/9-86 179.---Whereas I, T. K. SAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 203, in Kirtideep building at plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi, (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and in the Office of the registering Officer at N. Delhi has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer, as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Ansal Housing Finance & Leasing Co. Ltd. 1110 Ansal Bhawan,  
16 K. G. Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Bhishan Commercial Enterprises Ltd.,  
W 106, G. K. Part-II,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 203 in Kirtideep building at plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi Mg. 554 sq. ft.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref No. IAC(Acq)/Range VI/37-EE/9-86/180.—Whereas, I, T. K. SAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 212 in Kirtideep Building at plot No. 2, 3, 4, 5 at Nagal Rai, New Delhi situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and in the Office of the registering Officer at New Delhi\* has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd.,  
1110 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Bhushan Commercial Enterprises Ltd.,  
W-106 G. K. Part-II,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 212 in Kirtideep building at plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi Mg. 554 sq. ft.

T. K. SAH  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002)

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-VI

Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC(Acq)/Range VI/37-EE/9-86/181.—Whereas, I, T. K. SAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 5,00,000/- and gearing Flat No. 205 in kirtideep building at plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

49—106GI/87

(1) M/s Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd.,  
1110 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M s Bhushan Commercial Enterprises Ltd.,  
W-106 G. K. Part-II,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 205 in kirtideep building at plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi Mg. 554 sq. ft.

T. K. SAH  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-VI

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI(1) M/s S. B. Sales Pvt. Ltd.  
UB-1, Ansal Bhawan, 16-K.G. Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Qadir, D-8, Kalindi Colony,  
New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 12th May 1987

Ref No. I.A.C. (Acq.)/Range VI[37-E/9-86]188.—

Whereas, I,  
T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 500000/- and bearing  
No. Space No. 113 in Syndicate House,  
situate at 3-Old Rohtak Road, Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered with the Compe-  
tent Authority u/s 269 A.B. of the I.T. Act, 1961 read with  
rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September  
1986,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

"Space No. 113 in Building Syndicate House, 3, Old  
Rohtak Road, Delhi having an area of 320 sq.ft."

(b) facilitating the concealment of any income or any  
movables or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

T. K. SAH  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-VI/37EE/9-86/197.—

Whereas, I, T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeds Rs.  
5,00,000/- and bearing

No. Space No. 107 in Bldg Syndicate House, 3, Old  
Rohtak Road, Delhi, situated at Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered with the Com-  
petent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read  
with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962  
in September 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) M/s S. B. Sales (P) Ltd.  
UB-1, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi.  
(Transferor)

(2) Baby Uroosa Jabeen d/o  
Shri Obeidur Rehman  
203, Kusal Bazar,  
32-33, Nehru Place,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No. 107 measuring 335 sft. in Syndicate House, 3-  
Old Rohtak Road, New Delhi."

T. K. SAH  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS— —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)|Range-VI|37EE|9-86|195.—

Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,00/- and bearing No. Flat No. 319 at Plot No. 12, District situated at Centre Janakpuri, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

"Flat No. 319 at Plot No. 12 District Centre Janakpuri, New Delhi.

T. K. SAH  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Saket Properties Pvt. Ltd.  
D-345, Defence Colony, New Delhi.  
(Transferor)

- (2) Mrs. Arun Kumar Sondhi s/o  
Shri Puran Chand Sondhi, M-105,  
Saket, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Date : 12-5-1987  
Seal :  
\*Strike off where not applicable.



**FORM ITNS.—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-VI**

Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-VI/37EE/9-86/196.—

Whereas, J. T. K. SAH, being the competent authority Under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 318 at Plot No. 12 District Centre situated at Janakpuri, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Saket Properties Pvt. Ltd.  
D-345, Defence Colony,  
New Delhi, (Transferor)
- (2) Mis Ritu Sondhi d o Sh. Raj Kumar  
Sondhi, Father and Natural Guardian,  
M-103, Saket, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

"Flat No. 318 at Plot No. 12 District Centre Janakpuri, New Delhi."

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 28-4-1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV  
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq) Range-VI/37EE/9-86/194.—  
Whereas, I, T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 309 at Plot No. 12 District Centre Janakpuri,  
New Delhi,  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered with the  
Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961  
read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962  
in Sept. 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Saket Properties Pvt. Ltd.  
D-345, Defence Colony,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Anil Kumar Sondhi  
S/o Shri P. C. Sondhi, M-105, Saket,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No. 309, at Plot No. 12 District Centre Janakpuri,  
New Delhi".

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)|Range-VI/37EE|9-86|193.—

Whereas, I, T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269AB of the  
income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred  
to as the (said Act), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Space No. 9 on Fourth floor in "Vishal Tower"  
in Plot No. 10, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi,  
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
T. K. SAH,

Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961  
read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962  
in Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act. in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) M/s. Ajay Enterprises Ltd. Eros Cinema  
Bldg. Jangpura Extn., New Delhi. (Transferor)  
(2) Mr. Rajiv Agarwal, s/o Shri Jaswant Rai  
C/201, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meanings as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Space No. 9 on Fourth floor in "Vishal Tower" approx.  
area 599 sq. ft. in Plot No. 10, Janakpuri Distt. Centre,  
New Delhi".

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI  
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-VI[37EE]9-86/189.—

Whereas, I, T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
No. Space No. 112 of 320 sft. in Syndicate House  
3-Old Rohtak Road, Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered with the  
Competent Authority u s 269 AB of the I.T. Act, 1961  
read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962  
in Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11  
of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) M/s. S.B. Sales Pvt. Ltd., UB-1, Ansal  
Bhawan, 16-K.G. Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Abdul Qadir, D-8, Kalandi Colony,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Space No. 112 of 320 sft. in Syndicate House 3-Old  
Rohtak Road, Delhi."

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI  
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/Range-VI/37EE/9-86/187.—  
Whereas, I. T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 114 in Syndicate House, 3-Old Rohtak Road, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

50—106GI/87

- (1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd., UB-1,  
Ansal Bhawan 16-K.G. Marg,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) Faby Hamza Kadir d/o Shri Abdul Qadir,  
203, Kusal Bazar, 32-33, Nehru Place,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

"Space No. 114 on first floor in building Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi having an area of 320 sqft."

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI  
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-VI/37EF/9-86/192.—

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Space No. 8 in Vishal Tower in Plot No. 10, Janakpuri, Distt Centre, New Delhi, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and has been registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Ajay Enterprises Ltd., Eros Cinema Bldg., Jangpura Extn., New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Jaswant Rai and Mrs. Raj Rani C/201, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Space No. 8 on fourth floor in plot No. 10, approx. area 599 sq. ft. in 'VISHAL TOWER' in Plot No. 10, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi."

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref No I A C. (Acq)/Range VI/37EE/9-86/190 —  
Whereas, I, T K SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs 5,00,000/  
and bearing No  
Flat No 212 in Syndicate House situated at 3-Old Rohtak  
Road, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and has been registered with the com-  
petent Authority u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961,  
read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in  
Sept 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) M/s S B Sales Pvt Ltd,  
UB-1, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi  
(Transferor)

(2) Baby Hafsa Rashid, d/o Sh Abdul Rashid,  
D-8, Kalindi Colony, New Delhi  
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION --The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No 212 measuring 485 sq ft in Syndicate House, 3,  
Old Rohtak Road Delhi

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

D to : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref No. I.A.C. (Acq)/Range-VI/37EE/9-86/191.—  
Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Space No. 7 on Fourth floor in Vishal Tower situated at Plot No. 10, Janakpuri, Distt. Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the competent Authority u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961, read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Ajay Enterprises Ltd., Eros Cinema Bldg.  
Jangpura Extn, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Miss Sarika Agarwal d/o Mr. Jaswant Rai  
C/201, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Space No. 7 on Fourth floor in "Vishal Tower" approx. area 372 sqft. in Plot No. 10, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi."

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref No. I.A.C. (Acq)/Range-VI/37EE/9-86/185.—

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Flat No. 818 in 14, Kasturba Gandhi Marg situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the competent Authority u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961, read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Suresh Virmani, Mrs. Neena Virmani C/o  
M/s. Virmani Associates  
E-1, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mrs. Renu Gupta R/o  
B-7 J xtn./ 117-A, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

## THE SCHEDULE

"50% share of flat No. 818 measuring 535 sq. ft. in 14, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi."

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI, New Delhi 110002

Date : 12-5-1987

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq) / Range VI / 37LE/9-86/186.—  
Whereas, I, T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 5,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 818 in 14, K. G. Marg, New Delhi situated at New  
Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered with the com-  
petent Authority u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961,  
read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in  
Sept. 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Mr. Suresh Virmani  
Mrs. Neena Virmani C/o  
M/s. Virmani Associates,  
E-1, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)  
(2) Mr. Naresh Gupta R/o B-7  
Extn / 117-A, Safdarjung Enclave, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

50% share of flat No 818 measuring 535 sq. ft. in 14,  
Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) M/s Ajay Enterprises Ltd. Eros Cinema B'dg.  
Jangpura Extn. New Delhi-14.

(Transferor)

- (2) Master Aditya Malhotra's/o Sh. Rakesh Malhotra,  
3-C/25, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I A C (Acq) / Range VI / 37-J E / 9-86/142 —  
Whereas, I, T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Space No. 25 on 3rd floor Vishal Tower, Plot No. 10, Janak-  
puri, Distt. Centre situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and has been registered with the com-  
petent Authority u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961,  
read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in  
Sept 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been duly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 25 on 3rd floor in Vishal Tower, Plot No. 10,  
Janakpuri, New Delhi Distt. Centre Mg. 186 sq. ft.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq) /Range VI/37-EE/9-86/143.—

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 9 on 5th floor in Vishal Tower, Plot No. 10, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the competent Authority u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961, read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percentn of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Ajay Enterprises Ltd. Bros Cinema Bldg., Jangpura Extn. New Delhi-14. (Transferor)  
(2) M/s. Cords India Pvt. 111 C/25, Iajpat Nagar, IInd floor, New Delhi-24 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Space No. 9 mm 5th floor in Vishal Tower Plot No. 10, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI, New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV, AGGARWAL HOUSE  
4, 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-VI 37EE/9-86/144 —

Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding

exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Space No. 7 on 5th floor in Vishal Tower, Plot No. 10,  
Janakpuri, District Centre New Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and has been registered with the  
Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 read  
with rule 48 DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in the  
Office of the Registering Officer

at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
51—106GI/87

- (1) M/s Ajay Enterprises Ltd.,  
Eros Cinema Bldg, Janapuri Extn,  
New Delhi 14;

(Transferor)

- (2) M/s Cords India Pvt. Ltd.,  
111C/25, Lajpat Nagar, 11th Floor,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 7 on 5th floor in Vishal Tower Plot No. 10,  
Janakpuri, District Centre, New Delhi.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI,  
New Delhi-110 002

Date : 12th May 1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq) / Range-VI/37EE/9-86/145.—  
Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 8 in Vishal Tower in plot No. 10, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the competent Authority u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961, read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Ajay Enterprises Ltd.,  
Fros Cinema Bldg., Jangpura Extn.,  
New Delhi-14 (Transferor)
- (2) M/s Cords India Pvt. Ltd.,  
111C/25, Lajpat Nagar, IInd Floor,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 8 on 5th floor in Vishal Tower, Approx. area 559 sq. ft. in plot No. 10, Janagpuri, New Delhi District Centre.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI,  
New Delhi-110 002

Date : 12th May 1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, AGGARWAL HOUSE  
4, 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-VI/37EF/9-86/146.—  
Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 10 in Vishal Tower in Plot No. 10, Janakpuri, District Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the competent Authority u/s 269AB of the Income-tax Act, 1961, read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in at New Delhi in September, 1986

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s Ajay Enterprises Ltd.,  
Eros Cinema Bldg Jangpura Extn.,  
New Delhi-14.

(Transferor)

(2) M/s Cords India Pvt Ltd.,  
111C/25, Lajpat Nagar, 11nd floor,  
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 10 on 5th floor in "Vishal Tower", Mg. 342 Sq. ft. in Plot No. 10, Janakpuri District Centre, New Delhi.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acq. Range-VI.  
# 10 002

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) M/s Essel Properties & Industries,  
B-10, Lawrence Road Indl. Area,  
New Delhi-110 035.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Aar Vee Traders,  
Inside Gandhi Gate, Amritsar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, AGGARWAL HOUSE  
4, 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VI/37EF/9-86, 119.—

Whereas, I, T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 410/4th Floor 'Essel House' 10, Asaf Ali Road,  
situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered with the  
Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 read  
with rule 48 DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in the  
Office of the Registering Officer  
at New Delhi in September, 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 410/4th Floor/331.38 sft. 'Essel House' 10, Asaf  
Ali Road, New Delhi.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI,  
New Delhi-110 002

Date : 12th May 1987  
Seal :



FORM I.T.N.S.—

(1) M/s Essel Properties & Industries,  
B-10, Lawrence Road Indl. Area,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Sanitary Improvement & Tiles Mft. Co.,  
Inside Gandhi Gate, Amritsar.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VI/37EE/9-86/120.—

Whereas, J. T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.  
Flat No 409 4th floor 'Essel House' 10, Asaf Ali Road, New  
Delhi situated at New Delhi  
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred and has been registered with the  
Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 read  
with rule 48 DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in the  
Office of the Registering Officer  
at New Delhi in September, 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been  
or which ought to be disclosed by the transferee  
for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 409/4th floor/331.14 sft. 'Essel House' 10, Asaf  
Ali Road, New Delhi.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI,  
New Delhi-110 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 12th May 1987  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VI/37EE/9-86/111.—

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "Said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 202 of 734 sq. ft. in 'Savitri Sadan-II' Plot No. 15, Preet Vihar Community Centre Delhi situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority U/s 269AB of the I.T. Act 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Savitri Properties Pvt. Ltd.,  
G-5/92, Nehru Place,  
New Delhi-110 019.

(Transferor)

- (2) Mrs. Kanta Gupta,  
W/o Late Shri B. D. Gupta,  
198, Madhuban, I. P. Extn., Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No. 202 of 734 sq. ft. Super Covered-Area in 'Savitri Sadan-II', Plot No. 15, Preet Vihar Community Centre, Delhi."

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI,  
New Delhi-110 002

Date : 12th May 1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-VI/37FF/9-86/112.—

Whereas, I, T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 203 in 'Savitri Sadan-II', Plot No. 15, Preet Vihar  
Community Centre Delhi situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered with the  
Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 read  
with rule 48 DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in the  
Office of the Registering Officer  
at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

- (1) M/s. Savitri Properties Pvt. Ltd.,  
G-5/92, Nehru Place,  
New Delhi-110 019.

(Transferor)

- (2) Mrs. Kanta Gupta,  
W/o Late Shri B. D. Gupta,  
198, Madhuban, I. P. Extn., Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No. 203 of 400 sft. Super Covered Area in "Savitri  
Sadan-II", Plot No. 15, Preet Vihar Community Centre, Delhi.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI,  
New Delhi-110 002

Date : 12th May 1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/R-VI/37LE/9-86/117.—

Whereas, I, T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing

Space No. 12 in 'VISHAL TOWER' in Plot No. 10, Janak-  
puri, Distt. Centre, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered with the  
Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961  
read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962  
in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) M/s. Ajay Enterprises Ltd.,  
Eros Cinema Building, Jangpura Extn.,  
New Delhi-110014. (Transferor)
- (2) M/s. Avinash Tandon  
s/o Shri A. N. Tandon,  
31-A, C. Y. Chintamani Road,  
Dairbhanga Colony,  
Allahabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Space No. 12 on second floor in 'VISHAL TOWER'  
approx. area 608 sq. ft. in Plot No. 10, Janakpuri Distt.  
Centre, New Delhi.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI,  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal:-

## FORM ITNS

(1) M/s. Ajay Enterprises Ltd.,  
Eros Cinema Building, Jangpura Extn.,  
New Delhi-110014.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Avinash Tandon  
s/o Shri A. N. Tandon,  
31-A, C. Y. Chintamani Road,  
Dabihanga Colony,  
Allahabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/R-VI/37EE/9-86/118.—

Whereas, I, T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 5,00,000/- and bearing No.  
Space No. 9 in Vishal Tower in Plot No. 10, situated at  
Janakpuri Distt. Centre, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered with the  
Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961  
read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962  
in September 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the  
apparent consideration therefore by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the considera-  
tion for such transfer as agreed to between the parties has  
not been truly stated in the said instrument of transfer with  
the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

Space No. 9 on Ground floor in "VISHAL TOWER"  
approx. area 332 sq. ft. in Plot No. 10, Janakpuri Distt.  
Centre, New Delhi,

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI,  
New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act. to the follow-  
ing persons, namely :—  
52—106GI/87

Date : 12-5-1987  
Seal ;

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/R-VI/37EE/9-86/115 —  
Whereas, I, T. K. SAIH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 812 at Plot No. 12 District Centre, Janakpuri, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Saket Properties Pvt Ltd.  
D-345, Defence Colony,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. V. K. Raheja  
s/o Late Shri Hari Chand Raheja,  
Prop. of M/s. ABC Agencies,  
290, Aravali Apartment's Alaknanda,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 812 at Plot No. 12, District Centre, Janakpuri,  
New Delhi-110058.

T. K. SAIH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI,  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Saket Properties Pvt Ltd  
D-345 Defence Colony  
New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. V. K. Raheja  
S/o Late Shri Hari Chand Raheja,  
Prop M/s ABC Agencies,  
290, Aravali Apartments, Alankanda,  
New Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref No. IAC (Acq)/R-VI/37EF/9-86/116.—

Whereas, I, T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs 5,00,000/- and bearing No  
Shop No G-26, at plot No. 12, situated at District Centre,  
Janakpuri, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered with the  
Competent Authority u/s 269 AB of the I T. Act, 1961  
read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962  
in September 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Shop No G-26, at Plot No 12, District Centre, Janak-  
puri, New Delhi

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI,  
New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. ((Acq.)/Range-VI/37EE/9-86/107,—  
Whereas, I, T. K. SAH,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market valueexceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 310 at Plot 12 District Centre Janakpuri situated at  
New Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered with the  
Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 read  
with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962  
in September, 1986for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) M/s Saket Properties Pvt. Ltd.,  
D-345, Defence Colony,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Miss Indeeep Maini,  
D/o Shri T. S. Maini,  
Mrs. Anit Maini,  
W/o Shri T. S. Maini,  
S-192, JGreater Kailash-II, New Delhi.  
Overseas Address : P.O. Box 21969, Kuwait.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective per-  
sons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 310 at Plot No. 12, District Centre Janakpuri,  
New Delhi.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110 002

Date : 12th May 1987  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/Range-VI/37EE/9-86/108,—

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 218 at Plot No. 12 District Centre, Janakpuri situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I T. Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Saket Properties Pvt. Ltd.,  
D-345, Defence Colony,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Miss Harmonica Maini,  
D/o Shri F. S. Maini,  
Mr. Tilochan Singh Maini,  
S/o Mehtab Singh Maini,  
Local Address : S-192, Greater Kailash-II,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 218 at Plot 12, District Centre Janakpuri, N. Delhi.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110 002

Date : 12th May 1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/Range-VI, 37EE/9-86/110.—

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

A-75, Derawala Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48DD (+) of the Income Tax Rules 1962 in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Inder Singh Arora,  
S/o Shri Ganesh Dass Arora,  
R/o A-75, Derawal Nagar,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Parkash Arneja,  
S/o Shri Ramji Dass,  
R/o A-6074, East Rohtas Nagar,  
Shahdara, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. A-75, Derawal Nagar, Delhi mg. 289 sq. yds. of first floor comprising Mazanni Floor.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110 002

Date : 12th May 1987  
Seal :

## FORM ITNS.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE  
4, 14 A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.) Range-VI/37FE/9-86/109.—

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. A-75, Derawal Nagar, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Inder Singh Aroia,  
S/o Shri Ganesh Dass Aroia,  
R/O, A-75, Derawal Nagar,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shanta Aroia,  
w/o Shri Ramji Dass,  
R/O A-6074, East Rohtas Nagar,  
Shahdara, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. A-75, Derawal Nagar, Delhi, Measuring 289 sq. yds. of ground floor only

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110 002

Date : 12th May 1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/Range-VI/37EE/9-86/165.—

Whereas, I, T. K. SHAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 310 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5 at  
Nagal Rai situated  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered with the  
Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 read  
with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962  
at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons namely :—

- (1) M/s Ansal Housing Finance & Leasing Co. Ltd.,  
110 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg,  
New Delhi. (Transferor)  
(2) M/s Bhushan Commercial Enterprises Ltd.,  
W-106, Greater Kailash Part-II,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective per-  
sons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 310 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4, 5  
at Nagal Rai, New Delhi Mg. 554 sq. ft.

T. K. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110 002

Date : 12th May 1987  
Seal :

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/Range-VI/37-EE/9-86/163.---

Whereas, I, T. K. SHAH,  
being the Competent Authority under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 312 12 Kirtideep Bldg. at Plot No. 2, 3, 4, 5 at  
Nagal, Rai,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered with the  
Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 read  
with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1961  
at New Delhi in September, 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (1) M/s Ansal Housing Finance & Leasing Co. Ltd.,  
110 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Bhushan Commercial Enterprises Ltd.,  
W-106, Greater Kailash Part-II,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
**whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meanings as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 312 in Kirtideep Bldg. at Plot No. 2, 3, 4, 5 at  
Nagal Rai, New Delhi.

T. K. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

53—10631/87

Date : 12th May 1987

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/Range-VI/37EE/9-86/162.—

Whereas, I. T. K. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 311 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4 and 5 in Nagal Rai

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1961 at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Ansal Housing & Finance & Leasing Co.  
110 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Bhushan Commercial Enterprises Ltd.,  
W-106, Greater Kailash Part-II,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 311 in Kirtideep Building at Flat No. 2, 3, 4 and 5 in Nagal Rai, New Delhi.

T. K. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110 002

Date : 12th May 1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/Range-VI37-EE/9-86/164.—

Whereas, I, T. K. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 309 in Kirtideep Bldg. at Plot No. 2, 3, 4 and 5 at Nagal Rai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1961 at New Delhi in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Ansal Housing Finance & Leasing Co. Ltd.,  
110 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Bhushan Commercial Enterprises Ltd.,  
W-106, Greater Kailash Part-II,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 309 in Kirtideep Building at Plot No. 2, 3, 4 and 5 at Nagal Rai, New Delhi Mg. 554 sq. ft.

T. K. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110 002

Date : 12th May 1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range VI/37-EE/9-86/166.—

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 308 in Kirtideep Building at plot No. 2, 3, 4, 5 at Nagal Rai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at New Delhi in Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Ansal Housing Finance and Leasing Co. Ltd.,  
110 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Bhushan Commercial Enterprises Ltd.,  
W-106, Greater Kailash Part-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 308 in Kirtideep Building at plot No. 2, 3, 4, 5 in Nagal Rai, New Delhi Mg. 554 sq. ft.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range VI/37EE/9-86/113.—

Whereas, I, T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Industrial Plot No. 4, Category 'K' Udyog Nagar situated at  
Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the same is registered under Section  
269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the  
Competent Authority at New Delhi  
Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
consideration for such transfer as agreed to between the  
persons, namely :—

(1) Mrs. Krishna Gupta C/o Meera & Company Ltd.  
G. T. Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Mr. Bharat Bhushan Batra,  
B-37/109, Janakpuri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Industrial Plot No. 4, Category 'K' Udyog Nagar, Delhi,  
admeasuring 618 sq. yds."

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal :

**FORM TINS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. 1 A.C. (Acq)/Range VI/37EE/9-86/114.—  
Whereas, I, T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
16 BN (Poorvi) Shalimar Bagh Residential Scheme, situated  
at Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the same is registered under Section  
269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the  
Competent Authority at Delhi in  
Sept. 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Sh. Fateh Singh Goel  
1223/83, Shanti Nagar Tri Nagar, Delhi.  
(Transferor)  
(2) Bimla Rani, Anita Gupta, Saroj Gupta,  
Pronula Gupta, Sarla Gupta, All  
R/o. C-2/125, Ashok Vihar, Phase-II,  
Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of publication  
of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

"16 BN (Poorvi) Shalimar Bagh Residential Scheme,  
Delhi."

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX#ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range VI/9-86/121.—Whereas, I T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000.- and bearing Flat No. 105 in Syndicate House, 3-Old Rohtak Road, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Delhi in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd.,  
UB-1, Ansal Bhawan,  
16, Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Master Nadir Obaid s/o Sh. Obaidur Rehman,  
203, Kunal Bazar, 32-33, Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No. 105 measuring 335 sqt. in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi."

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal :

**FORM ITN—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range VI/37EE/9-86/125.—

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 214 in Syndicate House, 3-Old Rohtak Road, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority in Sept 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd.,  
UB-1, Ansal Bhawan,  
16, Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Abdul Rashid, s/o Sh. Abdul Wajid,  
Wajid House, Prince Road, Moradabad (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

"Flat No. 214 measuring 320 sq. ft. in Syndicate House, 3-Old Rohtak Road, Delhi."

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range VI/37EE/9-86/127.—

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 110 of 335 sft. in Syndicate House 2-Old Rohtak Road, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
54—106G1/87

- (1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd.,  
UB-1, Ansal Bhawan,  
16, Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Chow. Noor Alam, Mouchi Gali  
Rasdpura, Moradabad (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Space No. 110 of 335 sft. in Syndicate House, 2-Old Rohtak Road, Delhi."

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43) OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range VI/37EP/9-86/126 —

Whereas, I, T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 5,00,000/- and bearing No.

Flat No 215 in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, situat-  
ed at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered under section  
269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the  
Competent Authority in  
Sept 1986

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) M/s S B Sales Pvt Ltd,  
UB-1, Ansal Bhawan,  
16, Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Abdul Rashid, s/o Sh. Abdul Wajid,  
Wajid House, Prince Road, Moradabad (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No 215 measuring 320 sft in Syndicate House, 3-Old  
Rohtak Road, Delhi."

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range VI/37EE/9-86/124.—

Whereas, I, T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 104 in Syndicate House, 3-Old Rohtak Road, situated  
at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and has been registered under section  
269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the  
Competent Authority

Sept. 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd.  
UB-1, Ansal Bhawan,  
16, Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi

(Transferor)

(2) Master Abdullah Obaid u/o  
Sh. Obaidur Rehman,  
203, Kusal Bazar, Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of publication  
of this notice in the official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning to given  
in that Chapter

## THE SCHEDULE

"Flat No. 104 measuring 335 sqt. in Syndicate House, 3,  
Old Rohtak Road, Delhi"

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC Acq. Range VI/37EE/9-86/123.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 103 in Syndicate House 3, Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd.,  
UB-1, Ansal Bhawan,  
16, K. G. Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Baby Mehjabeen  
D/o Shri Obaidur Rehman,  
203, Kusal Bazar,  
32-33, Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 103 measuring 335 sq. ft. in Syndicate House, 3-Old Rohtak Road, Delhi.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI,  
New Delhi-110002

Date : 12th May 1987  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC Acq. Range-VI/9-86/122.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 121 of 320 sq. ft. in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd.,  
UB-1, Ansal Bhawan,  
16, K. G. Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sarfaraz Alam  
S/o Shri Noor Alam,  
203, Kusal Bazar,  
32-33, Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 121 of 320 sq. ft. in Syndicate House, 3-Old Rohtak Road, Delhi.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI,  
New Delhi-110002

Date : 12th May 1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref No. IAC Acq. Range-VI/37EE/9-86/129 —Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to be the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 102 in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd.,  
UB-1, Ansal Bhawan,  
16, K. G. Marg,  
New Delhi.

(Transferee)

(2) Shri Obaid-ur-Rehman  
S/o Shri Abdul Wajid,  
Wajid House, Prince Road,  
Moradabad (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 102 measuring 335 sq. ft., in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI,  
New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12th May 1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAI HOUSE  
4/14-A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref No. IAC Acq Range-VI/37EE/9-86/130—Whereas, I, T K SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No Flat No. 101 in Syndicate House 3, Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the IT Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s S B Sales Pvt Ltd,  
UB-1, Ansal Bhawan,  
16, K. G. Marg,  
New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Obaid-ur Rehman  
S/o Shri Abdul Wajid,  
Wajid House, Prince Road,  
Moradabad (U P)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) By any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 101 measuring 335 sqft in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi

T K SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI,  
New Delhi-110002

Date 12th May 1987  
Seal

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC Acq. Range-VI/37EE/9-86/128.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 111 in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd.,  
UB-1, Ansal Bhawan,  
16, K. G. Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Show. Noor Alam,  
Mouchi Gali Rasadpura,  
Moradabad (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Space No. 111 of 335 sqt. in Syndicate House 3 Old Rohtak Road Delhi."

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI,  
New Delhi-110002

Date : 12th May 1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC Acq Range-VI/37EF/9-86/131.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 216 in Syndicate House,  
3, Old Rohtak Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

55—106G1/87

- (1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd.,  
UB-1, Ansal Bhawan,  
16, K/ G. Gandhi Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Baby Suboohi Rashid  
D/o Shri Abdul Rashid,  
C-31, Housing Society,  
N D S.E -I,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No. 316 measuring 320 sq. ft. in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi."

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI,  
New Delhi-110002

Date : 12th May 1987  
Seal:-

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC Acq.Range-VI/37FF/9-86/133.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 216-A in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd.,  
UB-1, Ansal Bhawan,  
16, K. G. Road,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Baby Shomaila Rashid,  
D/o Shri Abdul Rashid,  
C-31, Housing Society,  
N.D.S.E.-I,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No. 216-A measuring 320 sqt. in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi."

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-VI,  
New Delhi-110002

Date : 12th May 1987  
Seal :

## FORM I.T.N.S.-----

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE  
4 14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC Acq. Range-VI/37EE/9-86/134.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 115 in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd.,  
UB-1, Ansal Bhawan,  
16, K. G. Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Baby Fauzia Kadir  
D/o Shri Abdul Qadir  
C-31, Housing Society,  
N.D.S.E.-I,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

"Space No. 115 of 320 sq. ft. in Syndicate House, 3-Old Rohtak Road, Delhi."

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI,  
New Delhi-110002

Date : 12th May 1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI,  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.AC. (Acq)/Range-VI/37EE/9-86/135.—  
Whereas, I,  
T. K. SAH,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000.- and bearing No.Flat No. 106 in Syndicate House 3-Old Rohtak Road,  
situated at Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and  
has been registered with the Competent Authority u/s 269  
AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the  
Income-Tax Rules 1962 in Sept. 1986for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer:  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd.,  
UB-1, Ansal Bhawan,  
16-K. G. Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Baby Robina Jabeen  
D/o Sh. Obaidur Rehman,  
C-31, Housing Society, NDSE-I,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of this said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No. 106 measuring 335 sq. ft. in Syndicate House,  
3-Old Rohtak Road, Delhi".

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-VI,  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq) /Range-VI/37EE/9-86/132.—

Whereas, I,  
T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Space No. 116 of 485 sft in Syndicate House, 3-Old Rohtak  
Road,  
situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).  
has been transferred and

has been registered with the Competent Authority u/s 269  
AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the  
Income-Tax Rules 1962 in Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—

- (1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd.,  
UB-1, Ansal Bhawan,  
16-K. G. Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Baby Najma Kadir  
D/o Sh. Abdul Qadir,  
C-31, Housing Society,  
NDSE-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Space No. 116 of 485 sft. in Syndicate House, 3-Old  
Rohtak Road, Delhi".

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq) /Range-VI/37EE/9-86/147.—

Whereas, I,  
T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301 A in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-tax Rules, 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S. B. Sales Pvt. Ltd.,  
UB-1, Ansal Bhawan,  
16, Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) UP Town Trading & Investments Ltd.  
504/32-33, Kusal Bazar,  
Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No. 310 A in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi Measuring 335 sft.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI,  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-VI/37EE/9-86/154.—

Whereas, I,  
T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Space No. 306 of 335 sft. in Syndicate House, 3, Old Rohtak  
Road,  
situated at Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and  
has been registered with the Competent Authority u/s 269  
AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the  
Income-Tax Rules 1962 in Sept. 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
foresaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd.,  
UB-1, Ansal Bhawan,  
16-K. G. Marg,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. UP Town Trading & Investments Ltd.,  
504, 32-33, Kusal Bazar,  
Nehru Place,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Space No. 306 of 335 sft. in Syndicate House, 3, Old  
Rohtak Road, Delhi".

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-VI,  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-VI/37EE/9-86/151.—  
Whereas, I,  
T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 203, Syndicate House, 3-Old Rohtak Road, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd.,  
UB-1, Ansal Bhawan,  
16-K. G. Marg,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. UP Town Trading & Investments Ltd.,  
504, Kusal Bazar, 32-33,  
Nehru Place,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Space No. 203 of 335 sqft. in Syndicate House, 3-Old Rohtak Road, Delhi."

T. K. SA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-V  
New Delhi-11000

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORMS ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI,  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. 4.AC (Acq)/Range-VI/37FF/9-86/150.—

Whereas, I,  
T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs 1,00,000/- and bearing  
M/s. S. B Sales Pvt. Ltd., UB-1, Ansal Bhawan, 16-K G,  
Marg, situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and  
has been registered with the Competent Authority u/s 269  
AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the  
Income-Tax Rules 1962 in Sept. 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922  
(11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—  
—106GI/87

- (1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd.,  
UB-1, Ansal Bhawan,  
16-K. G. Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s UP Town Trading & Investments Ltd.,  
504, 32-33, Kusal Bazar,  
Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective per-  
sons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that chapter

## THE SCHEDULE

"Space No. 303 sft. in Syndicate House, 3, Old Rohtak  
Road, Delhi".

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM IENS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI,  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-VI/37EE/9-86/149.—  
Whereas, I,  
T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 302 A, Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-Tax Rules 1962 in Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd.,  
UB-1, Ansal Bhawan,  
16-K, G. Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. UP Town Trading & Investments Ltd.,  
504, 32-33, Kusal Bhawan,  
Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXXA of the said Act and shall have the same meaning as given in Chapter.

## THE SCHEDULE

"Space No. 302 A of 335 sq. ft. in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi".

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-V  
New Delhi-11000

Date : 12-5-1987  
Seal :

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC. (Acq)/Range-VI/37EE/9-86/161.—

Whereas, I,  
T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 208 in Syndicate House, 3, Old Rohitak Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-tax Rules 1961 in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. S. B. Sales Pvt. Ltd.,  
UB-1, Ansal Bhawan,  
16-K. G. Marg,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. UP Town Trading & Investments Ltd.,  
504, Kusal Bazar, 32-33,  
Nehru Place,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Space No. 208 on Second floor of 335 sq. ft. in Syndicate House, 3-Old Rohitak Road, Delhi".

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/148.—  
Whereas, I, T. K. SAH,being the Competent Authority under Section 269B of the  
'Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearingSpace No. 302 of 335 sft. in Syndicate House, 3. Old  
Rohtak Road, Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been registered with the Competent Authority u/s 269  
AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of  
the Income Tax Rules 1962 at  
New Delhi in September, 1986for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(1) M/s. S. B. Sales Private Ltd.,  
UB-1, Ansal Bhawan,  
16, K. G. Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. UP Town Trading & Investment Ltd.,  
504, 32-33, Kusal Bazar,  
Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid person within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);"Space No. 302 of 335 sft. in Syndicate House, 3, Old  
Rohtak Road, Delhi."T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New DelhiNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Date : 12-5-1987  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/157.—

Whereas, I, T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 5,00,000/- and bearing No.

Flat No. 316 in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road,  
New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and registered with the Competent  
Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule  
48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962  
New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitatin the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) M/s. S. B. Sales Private Ltd.,  
UB-1, Ansal Bhawan,  
16, K. G. Marg,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. UP Town Trading & Investment Ltd.,  
504, 32-33, Kusal Bazar,  
Nehru Place,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 316 measuring 335 sft. in Syndicate House, 3,  
Old Rohtak Road, New Delhi

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 12-5-1987  
Seal .

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/159.—

Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority, under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 5,00,000/- and bearing No.Flat No. 308 in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road  
Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered with the Competent  
Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule  
48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 at  
New Delhi in September, 1986for an apparent consideration which is less than the fair  
being the Competent Authority under Section 269B of  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
believe that the fair market value of the property as afore-  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) M/s. S. B. Salca Private Ltd.,  
UB-1, Afzal Bhawan,  
16, K. G. Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. UP Town Trading & Investment Ltd.,  
504, 32-33, Kusal Bazar,  
Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 308 measuring 335 sqt. in Syndicate House, 3,  
Old Rohtak Road, Delhi.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

(1) M/s. S. B. Sales Private Ltd.,  
UB-1, Ansal Bhawan,  
16, K. G. Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. UP Town Trading & Investment Ltd.,  
504/32-33, Kusal Bazar,  
Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/158.—

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Flat No. 315 in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 315 measuring 335 sq. ft. in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/156.—

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.

Flat No. 316-A in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of '22) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. S. B. Sales Private Ltd.,  
UB-1, Ansal Bhawan,  
16, K. G. Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. UP Town Trading & Investment Ltd.,  
504 32-33, Kusal Bazar,  
Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 316-A measuring 320 sq. ft. in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/155 —  
Whereas, I, T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Space No. 305 in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road,  
Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered with the Competent  
Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule  
48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 at  
New Delhi in September, 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—  
57—106GI/87

(1) M/s. S. B. Sales Private Ltd.,  
UB-1, Ansal Bhawan,  
16, K. G. Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. UP Town Trading & Investment Ltd.,  
504, 32-33, Kusal Bazar,  
Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 305 sft. in Syndicate House, 3, Old Rohtak  
Road, Delhi.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq), Range-VI/37EE/9-86/160.—

Whereas, I, T. K. SAH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 303-A in Syndicate house, Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 at New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the applicant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. S. B. Sales Private Ltd.,  
UB-1, Ansal Bhawan,  
16, K. G. Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. UP Town Trading & Investment Ltd.,  
504, 32-33, Kusal Bazar,  
Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 303-A 335 sft. in Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/136.—

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 103 at No. 8, Janak Puri Project situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,  
115, Ansal Bhawan,  
K. G. Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Malti Jain  
W/o Sh. Anand Kumar Jain,  
31, Rajendra Park,  
Pusa Road,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 103 at No. 8, Janak Puri Project, New Delhi.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 12-5-1987

Seal :

Date : 12-5-1987  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/139.—  
Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 114 at No. 8, Janak Puri Project situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I T Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,  
115, Ansal Bhawan,  
K. G. Marg, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Sumitra Pain  
W/o Late Shri B. K. Jain,  
Pusa Road,  
31, Rajendra Park,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 114 at No. 8 Janak Puri Project New Delhi

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Requisition Range-IV  
New Delhi-110002

Date 12-5-1987  
Seal.

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC(Acq)/Range-VI/37EE/9-86/141.—

Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 106, at No. 8, Janak Puri Project situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,  
113, Ansal Bhawan,  
K. G. Marg, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Sarita Jain  
W/o Shri Deepak Kumar Jain  
Pusa Road,  
31, Rajendra Park,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 106 at No. 8, Janak Puri Project, New Delhi.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Requisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC(Acq)/Range-VI/37FE/9-86/140.—

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 110 at No. 8, Janak Puri Project situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,  
115, Ansal Bhawan,  
K. G. Marg, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mr. Rajinder Kumar Jain  
S/o Late Shri J. M. Dass Jain,  
31, Rajendra Park,  
Pusa Road,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 110, at No. 8, Janak Puri Project, New Delhi.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Requisition Range-VI  
New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE  
4 14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1987

Ref. No. IAC(Acq)/Range-V/37EE/9-86/137.—

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Flat No. 102, at No. 8, Janak Puri Project situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in Sept., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,  
115, Ansal Bhawan,  
K. G. Marg, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mr. Siddharth Jain  
S/o Anand Kumar Jain,  
Sudhamini Jain D/o Sh. Deepak Kumar Jain,  
31, Rajendra Park,  
Pusa Road,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 102 at No. 8, Janak Puri Project, New Delhi.

T. K. SAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
New Delhi-110002

Date : 12-5-1987  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 69D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BORING CANAL ROAD  
PATNA-801  
BIHAR

Patna-800 001, the 1 May 1987

(1) Mrs. Tahmina Punwari D/o Syed Akhtar Imam  
W/o Mr. Vikram Punwari, 5 Mall Avenue,  
Lucknow.  
(Transferor)(2) M/s Ali Nagar Co-operative Housing Construction  
Society Ltd., Anisabad, P.S. Phulwari, Dist.  
Patna.  
(Transferee)Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or abatement of the liability  
of the transferor to pay under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land measuring 62 katha, 14 dhur and 4 dhurki situated  
at Vill-Paharpur, Dhirachak, P.S. Gardanibagh, Anisabad,  
Patna and more fully described in deed No. 6266 dated  
5-9-1986 and registered with the D.S.R. Patna.DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, PatnaNow, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the Act, to the following  
persons, namely :—Date : 11-5-1987.  
Seal :

